वर्ष-31, अंक- 235, पृष्ठ-12 | असाढ़ कृष्ण पक्ष 01, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
गुरुवार
12 जून 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹3.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

एक नजर

दुर्गा पूजा पंडाल बनाने के लिए भारतीय युवक संघ ने किया भूमि पूजन

रांची। राजधानी के अपर बाजार के बकरी बाजार में दुर्गा पूजा पंडाल बनाने के लिए बुधवार को भारतीय युवक संघ ने भूमि पूजन किया। भारतीय युवक संघ के संरक्षक रमेश खेमका और सचिव रवि रोहतगी ने पूजा स्थान पर स्तंभ पूजन एवं भूमि पूजन कर पूजा पंडाल के निर्माण का श्रीगणेश किया। इस अवसर पर आचार्यों ने विधिवत मां दुर्गा का आह्वान करते हुए भूमि पूजन कराया। अध्यक्ष राहुल अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष पूजा पंडाल में दर्शनार्थियों को कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस वर्ष के पूजा पंडाल की थीम विश्व प्रसिद्ध कंबोडिया स्थित विश्व धरोहर अंकोरवट मंदिर है। पंडाल इतना बड़ा बनाया जाएगा कि बिना किसी मुश्किल और परेशानी के लाखों लोग पंडाल की सुंदरता सहित मां का दर्शन कर सकेंगे। पंडाल को 150 से अधिक कारीगर तैयार करेंगे। भारतीय युवक संघ, रांची के प्रवक्ता अमित बजाज ने बताया कि पिछले 67 वर्षों से भारतीय युवक संघ, बकरी बाजार परिसर में दुर्गा पूजा का उत्सव धूमधाम से मनाता आ रहा है। इस बार भी दुर्गोत्सव भव्य रूप से मनाया जाएगा।

सिगरेट और तंबाकू प्रतिषेध विधेयक को राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

सार्वजनिक स्थलों पर धुआं उड़ाना हुआ 5 गुना महंगा

- तंबाकू थूकने पर भी 200 रुपए की जगह देना होगा 1000 रुपए जुर्माना
- 21 वर्ष से कम उम्र का व्यक्ति नहीं कर सकेगा तंबाकू उत्पाद की खरीद-बिक्री

नवीन मेल डेस्क

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण विनियमन) (झारखंड संशोधन) विधेयक, 2021 पर अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी। इसके साथ ही राज्य में अब सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान करना और तंबाकू थूकना पांच गुना महंगा पड़ेगा। ऐसा करते पकड़े जाने वालों पर 1000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। ज्ञात हो कि इस संशोधन विधेयक के स्वीकृत होने से पहले तक राज्य में सार्वजनिक स्थानों पर सिगरेट पीने पर 200 रुपए जुर्माना का प्रावधान था, लेकिन अब यह पांच गुना बढ़ गया है।

विधेयक के कानून के रूप में अधिसूचित होने के बाद राज्य में 21 साल से कम उम्र का किशोर कोई भी तंबाकू उत्पाद को न बेच सकेगा और न खरीद सकेगा। शिक्षण संस्थान, अस्पताल, स्वास्थ्य संस्थान, दफ्तर और कोर्ट के सौ मीटर के परिधि में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद की खरीद-बिक्री की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा, पैकेट खोलकर सिगरेट बेचने पर भी रोक रहेगी। ज्ञात हो कि झारखंड विधानसभा की ओर से पारित यह संशोधन विधेयक राज्यपाल के माध्यम से शेष पेज 11 पर...

'नशा मुक्त झारखंड' है सीएम सोरेन का सपना

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड को नशे से मुक्त रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। 'नशा मुक्त झारखंड' उनका सपना है। चाहे तंबाकू उत्पाद का नशा हो या किसी अन्य का, मुख्यमंत्री झारखंड को इससे मुक्त रखना चाहते हैं। सीएम हेमंत सोरेन का एक ही नारा है, हमारा जीवन नशा मुक्त हो। इस पर उन्होंने कार्य भी किया है। राज्य की हेमंत सोरेन सरकार की ओर से सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण विनियमन) (झारखंड संशोधन) विधेयक मार्च, 2021 में विधानसभा के बजट सत्र में पारित किया गया था। इस विधेयक को तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने पेश किया था। अब इस विधेयक पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। वहीं, राज्य कैबिनेट पूर्व में झारखंड में हुक्का बार पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे चुका है। इस नियम का उल्लंघन करने वालों को जेल की सजा या 1 लाख से 3 लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है।

मुख्यमंत्री से मिले जर्मनी के राजदूत, विकास से जुड़े विषयों पर हुई चर्चा

फिलिप एकरमैन ने सीएम सोरेन को जर्मनी आने का दिया न्योता

- सीएम ने झारखंड में निवेश की संभावनाओं से कराया अवगत
- जर्मन राजदूत ने सहयोग और भागीदार बनने की जताई इच्छा

नवीन मेल डेस्क

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सीएम आवासीय कार्यालय में बुधवार को भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन एवं इकोनॉमी काउंसलर ने भेंट की। इस मौके पर उनके बीच विभिन्न क्षेत्रों में विकास से संबंधित विषयों पर चर्चा हुई।

जर्मनी के राजदूत ने कहा कि विशेषकर कोयला खनन और उत्पादन को लेकर जर्मनी और झारखंड में काफी समानताएं हैं। ऐसे में कोयला आधारित उद्योगों के विकास को लेकर झारखंड के साथ जर्मनी सहयोग बढ़ाने को लेकर इच्छुक है।

मुख्यमंत्री सोरेन ने झारखंड में औद्योगिक निवेश की संभावनाओं से जर्मनी के राजदूत को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इस दिशा में राज्य सरकार देश-विदेश के औद्योगिक समूहों के साथ लगातार संपर्क स्थापित कर रही है और इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जर्मनी के राजदूत से कहा कि राज्य सरकार भारत में निवेश करने वाले जर्मनी के निवेशकों का पूरा सहयोग करेगी। जर्मनी के राजदूत ने मुख्यमंत्री को जर्मनी आने का न्योता दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार भी मौजूद थे।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर **72094 53444** पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर **72094 03444** संपर्क करें।

रेलवे के दो मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को केंद्रीय कैबिनेट ने दी स्वीकृति

कोडरमा-बरकाकाना रेल लाइन दोहरीकरण परियोजना को मंजूरी

- दूसरी कर्नाटक व आंध्र प्रदेश को जोड़ने वाली बल्लारी-चिकजाजुर परियोजना है
- 6,405 करोड़ रुपए की लागत से होगा 318 किलोमीटर नेटवर्क का विस्तार

रिवर्स : केंद्रीय कैबिनेट के फैसले

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को भारतीय रेल के दो अहम मल्टीट्रैकिंग (लाइन दोहरीकरण) परियोजनाओं को मंजूरी दे दी। इससे झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में न केवल माल और यात्री परिवहन में तेजी आएगी, बल्कि ग्रामीण इलाकों से संपर्क भी बेहतर होगा।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नेशनल मीडिया सेंटर में पत्रकारों को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने लाइन दोहरीकरण की दो परियोजनाओं को 6,405 करोड़ रुपए की लागत से मंजूरी दी है। इससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में करीब 318 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पहली परियोजना झारखंड राज्य की कोडरमा-बरकाकाना दोहरीकरण परियोजना (133 किमी) है। यह प्रोजेक्ट 3,063 करोड़ रुपए का है। यह लंबी दूरी का प्रोजेक्ट है। यह क्षेत्र देश के प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्रों में आता है और यह रेलखंड पटना और रांची के बीच सबसे छोटा रेल मार्ग है। इस लाइन के दोहरीकरण से पटना-रांची के बीच आवागमन आसान हो जाएगा।

शेष पेज 11 पर...

हाईकोर्ट ने एसटी अभ्यर्थी की नियुक्ति के मामले में फैसला सुरक्षित रखा

- जेपीएससी की अपील पर सुनवाई हुई पूरी

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए अनुसूचित जनजाति अभ्यर्थी की नियुक्ति के मामले में एकल पीठ के आदेश के खिलाफ दाखिल जेपीएससी की अपील (एलपीए) पर बुधवार को सुनवाई की। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एमएस रामचंद्र राव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले में सभी पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। अधिवक्ता सब्यसाची ने प्रतिवादी मनोज कुमार कच्छप की ओर से पैरवी की।

प्रार्थी द्वारा जमा कराई गई परीक्षा फीस झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के अकाउंट में तकनीकी कारणों से क्रेडिट नहीं हो सका था। इस पर हाईकोर्ट की एकल पीठ में प्रार्थी के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा था कि चूंकि प्रार्थी हाईकोर्ट के आदेश के आलोक में इंटरव्यू दे चुका है और वह उस परीक्षा में अधिकतम नंबर वाला भी रहा है, कई परीक्षाओं में अनुसूचित जनजाति (एसटी) के अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा फीस भी नहीं लिया जाता है। ऐसे में उसे नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल किया जाए। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने प्रार्थी मनोज कुमार कच्छप की रिट याचिका को स्वीकृत करते हुए जेपीएससी को निर्देश दिया था कि वह चार सप्ताह में प्रार्थी को नियुक्त करे। इसके बाद जेपीएससी ने अपील दाखिल कर हाईकोर्ट की खंडपीठ में चुनौती दी। जेपीएससी की दलील थी कि प्रार्थी ने जब अपना परीक्षा फॉर्म भरा था, उस दौरान जेपीएससी के वेबसाइट का स्टेटस फेल हो गया था, जिससे फीस का पैसा जेपीएससी के अकाउंट में नहीं आया था। इस कारण उन्हें पहले इंटरव्यू में नहीं बुलाया गया था और अब उनकी नियुक्ति नहीं की जा रही है।

ज्ञात हो कि जुलाई 2018 में जेपीएससी ने नागपुरी भाषा के लिए एसटी उम्मीदवारों के लिए बैकलॉग वैकेंसी के तहत असिस्टेंट प्रोफेसर के 4 पदों के लिए विज्ञापन संख्या 5/2018 निकला था। इसके बाद दस्तावेजों की स्क्रूटनी में उपरोक्त प्रार्थी को 85 में से 72.10 नंबर दिए गए। लेकिन, इंटरव्यू लिस्ट जारी होने पर प्रार्थी का नाम उसमें नहीं आया। इसके बाद उनकी ओर से हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल की गई। याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने प्रार्थी को इंटरव्यू में शामिल कराने का निर्देश जेपीएससी को दिया। साथ ही कहा कि इनका रिजल्ट इस याचिका के अंतिम आदेश से प्रभावित होगा। इसके बाद प्रार्थी को इंटरव्यू में शामिल कराया गया, जेपीएससी ने 23 दिसंबर 2021 को रिजल्ट जारी किया, लेकिन कोर्ट के आदेश के आलोक में एक पद पर रिजल्ट को रोक दिया गया। बाद में कोर्ट ने प्रार्थी का रिजल्ट मंगाया।

आज / कल

डीआईजी नौशाद आलम ने लातेहार में किया निरीक्षण कानून-व्यवस्था व सुरक्षा को लेकर दिए निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। पलामू प्रक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) नौशाद आलम ने बुधवार को लातेहार जिले का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधीक्षक कुमार सहित अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में कानून-व्यवस्था को लेकर गहन चर्चा की गई और डीआईजी ने मामलों के त्वरित निष्पादन, अपराध की रोकथाम, केस डिटेक्शन, जनता से मित्रवत व्यवहार और थाना स्तर पर जनसुनवाई को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में डीआईजी आलम ने मंगलवार को हुए टोरी साइडिंग गोलीकांड स्थल का भी दौरा किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से पूरी घटना की जानकारी ली और घटनास्थल की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।

शेष पेज 11 पर...

शराब घोटाला में विनय कुमार सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

नवीन मेल डेस्क

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की विशेष अदालत ने शराब घोटाला मामले में आरोपित कारोबारी विनय कुमार सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंटी जारी किया है। एसीबी ने विशेष अदालत में आवेदन देकर विनय कुमार सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आग्रह किया था।

विनय कुमार सिंह नोटिस करने के बाद भी एसीबी के समक्ष उपस्थित नहीं हो रहे हैं। उन्हें अपनी गिरफ्तारी का डर सता रहा है। हालांकि, उन्होंने 29 मई को एसीबी कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। इसपर 20 जून को सुनवाई होनी है। इस मामले में एसीबी ने अबतक निलंबित आईएएस विनय चौबे सहित पांच को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। ज्ञात हो कि विगत 20 मई को विनय चौबे और तत्कालीन संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह को एसीबी की टीम ने गिरफ्तार किया था। 21 मई को पूर्व जीएम फाइनेंस सुधीर शेष पेज 11 पर...

इंडिया

देश विदेश के विकास की पोल खोलती डायनें

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

चमकती हुई सड़कों,इमारतों और गाड़ियों को हम अक्सर विकास का पैमाना मान लेते हैं पर शहरी क्षेत्र के ठीक बाहर स्थिति अनेक बार उलट भी होती है और असली विकास तब माना जाना चाहिए जब सुदूरवर्ती गांव के अंतिम व्यक्ति तक संतुष्टि और खुशहाली की भावना पहुंचे। झारखंड भी भारत के उन राज्यों में शामिल है जहां अंधविश्वास, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और सामाजिक सुरक्षा के अभाव में महिलाओं को डायन बताकर मार दिया जाता है। अधिसंख्य जनजातीय और ग्रामीण क्षेत्रों में संपति हड़पने से लेकर शोषण में विफल होने पर किसी भी महिला को सामूहिक रूप से डायन बताकर प्रताड़ित करने की घटनाएं कम हुई हैं पर समाप्त नहीं हुई क्योंकि जागरूकता के नाम पर नुक्कड़ नाटक तो बहुत आयोजित किए गए पर स्वास्थ्य सुविधाओं पर ध्यान नहीं दिया गया। झारखंड की तरह पडोसी बिहार में मुजफ्फरपुर के मोतीपुर में 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला को डायन होने के आरोप में गांव वालों ने घसीटा, पीटा और मैला पिलाने की कोशिश की। यह घटना अंधविश्वास और डायन प्रथा के कारण हुई जो बच्चों की बीमारी का दोष महिला पर मढने से शुरू हुई। मानवता को कलंकित करने वाली ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कानून बने हैं पर ऐसे कानूनों का भी वही हाल है, जैसा निर्भया बलात्कार कांड के बाद महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानूनों का हुआ है। निर्भया मामले के बाद फांसी तक प्रावधान किया गया, इसके बावजूद देश में ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। झारखंड, बिहार, असम, ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में डायन के नाम पर महिलाओं को प्रताडित किए जाने का इतिहास है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार 2022 में डायन प्रथा के नाम पर देशभर में 85 हत्याएं दर्ज हुईं पर जो पीडित महिलाएं कभी पुलिस स्टेशन तक पहुंच ही नहीं पातीं या भय, समाज के दबाव और अक्सर पुलिस की अनदेखी की शिकार होती हैं जिनके आंकड़े दर्ज नहीं होते। एनसीआरबी के आंकड़े के अनुसार झारखंड में 2012 से 2014 के बीच 127 महिलाओं की हत्या डायन बताकर की गई। समस्या सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (2021) की रिपोर्ट बताती है कि 2009 से 2019 के बीच विश्व के 60 देशों में करीब 20,000 ऐसी घटनाएं सामने आईं, जहां लोगों को डायन बताकर प्रताडित किया गया। एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ओडिशा के 30 जिलों में से 12 जिलों, विशेषकर मयूरभंज, क्योंझर, सुंदरगढ़, मलकानगिरी, गजपति और गंजम- में डायन-शिकार अभी भी अत्यधिक प्रचलित है। इस तरह की

अंधविश्वासी प्रथाओं की ज़्यादातर शिकार महिलाओं या वृद्ध को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं या फसल खराब होने का दोषी बताया जाता है। अध्ययन के अनुसार, लगभग 27 प्रतिशत मामले बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण, 43.5 प्रतिशत वयस्क परिवार के सदस्य की स्वास्थ्य समस्याओं के कारण, 24.5 प्रतिशत दुर्भाग्य या ज़मीन हड़पने के कारण और 5 प्रतिशत फसल खराब होने के कारण होते हैं। इस कुप्रथा की शिकार मुख्यतः वे महिलाएं बनती हैं जो विधवा अकेली हैं या मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों से जूझ रही होती हैं, जिन्हें ओझा द्वारा हर अनहोनी का दोषी बताया जाता है। कोई बीमार पड़ जाए, फसल खराब हो जाए या गांव में कोई अनजानी विपत्ति आ जाए, तो इन बेबस महिलाओं को ही दोषी ठहराया जाता है। असम की बीरूबाला राभा और झारखंड की पद्मश्री छुटनी देवी ने इसी प्रथा के खिलाफ अकेले मोर्चा खोला था और अपना पूरा जीवन डायन प्रथा के खिलाफ संघर्ष में झोंक दिया। असम सरकार का दावा है कि वहां कानून के प्रावधान दूसरे राज्यों के कानूनों के मुकाबले कठोर हैं। राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में डाकन या डायन प्रथा कोई छह-सात सौ साल पहले से चलन में थी। इसके तहत अपनी जादुई ताकतों के कथित इस्तेमाल से शिशुओं को मारने के आरोप में महिलाओं की पीट-पीट कर हत्या कर दी जाती थी। उस दौर में वहां हजारों औरतें इस कुप्रथा का शिकार हुई थीं। राजपूत रियासतों ने 16वीं सदी में कानून बना कर इस प्रथा पर रोक लगा दी थी। वर्ष 1553 में उदयपुर में पहली बार इसे गैर-कानूनी घोषित कर दिया गया था। बावजूद इसके यह बेरोक-टोक जारी रही। यह प्रथा असम के मोरीगांव जिले में फली-फूली। इस जिले को अब भी काले जादू की भारतीय राजधानी कहा जाता है। दूर-दराज से लोग काला जादू सीखने यहां आते हैं। इस बारे में प्रभावित क्षेत्रों में जागरूकता के लिए हाथ की सफाई और जादूगरों के हथकंडों की असलियत उजागर करने के माध्यम से आमजन के मन में बैठे भ्रम को दूर किया जा सकता है और स्वास्थ्य सेवाओं की कमियों, साधनों या डॉक्टरों के नहीं रहने के मूल कारणों को दूर करना चाहिए जिसमें आधारभूत संरंचना को मजबूत करने के अलावा तकनीकी निगरानी को बढ़ावा देना शामिल है।

उजाड़ दिया जड़ से उसे उजाड़ा जिसने सिंदूर

राष्ट्रीय नवीन मेल

डॉ राजश्री जयंती, भाजपा नेत्री, साहित्यकार

अब न सहेंगे धमकी किसी की कोई,
न्यूक्लियर डर अब पुरानी बात हुई,
नाम रखा मिशन का 'आपरेशन सिंदूर',
उजाड़ दिया जड़ से, उजाड़ा जिसने सिंदूर।
सेना, वायु, जल, थल और खूफिया तंत्र, हर योद्धा के दिल में बसा था राष्ट्र का मंत्र, देखी सबने भारत में बने हथियारों की शान, किया दुनिया ने सलाम, यही भारत की पहचान।
टेरर और टॉक, एक साथ नहीं हो सकते,
टेरर और ट्रेड, एक साथ नहीं चल सकते,
पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते,
स्पष्ट रूप से सिर्फ मोदी ही ऐसा कह सकते।
अब तो बस बात होगी इन्हीं दो बातों पर,
आतंकवाद और पाक अधिकृत कशमीर पर,
पालना न देखो भ्रम कोई किसी भी बात पर,
गढ़ी भारत ने नई परिभाषा डंके की चोट पर।
भारतीयों का जोश देखकर पाक डर गया,
धूल चटाई हमने, घबराया और गिड़गिड़ाया,
नया भारत है यह बिल्कुल स्पष्ट और कठोर,
पूरे भारत में गूंजता रहा 'वंदेमातरम' का शोर।

भीषण गर्मी का कहर, तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस आम जन-जीवन बेहाल

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। बुधवार को पलामू क्षेत्र में गर्मी का प्रकोप चरम पर रहा। अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि हिट वेव के कारण इसे 47 डिग्री तक महसूस किया गया। दोपहर के समय 11 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवाएं चलती रहीं। इस मौसम ने जनजीवन पर बुरा असर डाला और बाजार व सड़कें शाम तक सुनी रहीं। स्थानीय लोग मानते हैं कि इस प्रकार की गर्मी अच्छी वर्षा की ओर संकेत करती है। कुछ किसानों ने धान की बुआई भी शुरू कर दी है और सिंचाई के वैकल्पिक साधनों के सहारे काम कर रहे हैं। यदि कोयल नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में अच्छी वर्षा होती है, तो 22 से 25 जून के बीच भीमबराज से मुख्य नहर में पानी छोड़े जाने की संभावना है।

शौचालय उपयोग को लेकर जागरूकता अभियान तेज

ब्लॉक वाश कॉर्डिनेटर ने गांव में किया निरीक्षण

मोहम्मदगंज। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ब्लॉक वाश कॉर्डिनेटर प्रेमतोष पांडेय ने बुधवार को मोहल्लों में निर्मित शौचालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिलापर गांव में ललिता देवी से मुलाकात की, जो न केवल स्वयं शौचालय का उपयोग करती हैं बल्कि अन्य ग्रामीणों को भी इसके लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने कई घरों में जाकर लोगों को खुले में शौच के नुकसान और शौचालय के उपयोग से होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में बताया। उनके प्रयास से गांव में शौचालय उपयोग की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

बिजली की आंख-मिचौली से लोग बेहाल, गर्मी में बढ़ी मुश्किलें

हुसैनाबाद। जून की चिलचिलाती गर्मी के बीच हुसैनाबाद क्षेत्र में बिजली की अनियमित आपूर्ति से आम लोग परेशान हैं। मंगलवार और बुधवार को सुबह 4 बजे से ही बिजली की आंख-मिचौली का सिलसिला दिनभर चलता रहा, जिससे दफ्तरों और दुकानों का कामकाज भी प्रभावित हुआ। स्थानीय लोगों ने कहा कि जहां एक ओर बिजली व्यवस्था में सुधार के दावे किए जा रहे हैं, वहीं जमीनी हकीकत कुछ और है। देवरी में केबल खराबी और आईटीआई के पीछे ट्रांसफार्मर में फ्यूज जलने जैसी समस्याएं लगातार सामने आ रही हैं। क्षेत्र में चार दिनों से लोग बिजली कटौती से परेशान हैं, लेकिन जनप्रतिनिधि चुप्पी साधे हुए हैं। सहायक विद्युत अभियंता रामप्रसाद महतो ने बताया कि अत्यधिक लोड के कारण बिजली आपूर्ति में बाधा आ रही है।

वृद्धा की लू से मौत, तीन महीने से नहीं मिल रही पेंशन

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। स्व. रामवृक्ष राम की 85 वर्षीय विधवा सूरजमनिया कुंवर की मंगलवार को लू लगने से मौत हो गई। बताया गया कि वे पिछले तीन माह से नहीं मिली पेंशन के बारे में जानकारी लेने बैंक गई थीं। वहां से लौटते वक्त स्टेशन रोड स्थित एक चूड़ी दुकान के पास आराम करने लगीं, तभी उनकी तबीयत बिगड़ गई और मौके पर ही उनका निधन हो गया। पेंशनधारक रामजन्म राम ने बताया कि बुजुर्गों को महीनों से पेंशन नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ह्यमाई सम्मान योजनाक्ष पर तो ध्यान देती है, लेकिन वृद्धावस्था पेंशन जैसी योजनाओं के लाभुकों को नजरअंदाज किया जा रहा है। इस तरह की उपेक्षा से बुजुर्गों को बैंक और सीएससी केंद्रों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, जिससे गर्मी जैसे मौसम में जान पर भी बन आती है। सरकार को समय पर भुगतान सुनिश्चित करना चाहिए।

पेंशन के लिए बैंक का चक्कर लगाते हुए जान गंवाई

पीएम श्री अपग्रेडेड +2 उच्च विद्यालय कंडा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी को लेकर सूर्य नमस्कार का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) की तैयारी के तहत शुक्रवार को पीएम श्री अपग्रेडेड +2 उच्च विद्यालय, कंडा में योग अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय में सामूहिक सूर्य नमस्कार कराया गया, जिसमें लगभग 300 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शारीरिक शिक्षक बिगु राम कै द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार के विभिन्न चरणों की जानकारी दी और उन्हें नियमित योग अभ्यास के लाभों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि योग से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि मानसिक एकाग्रता और आत्मबल भी बढ़ता है। इस आयोजन में विद्यालय के शिक्षक प्रेम गौरव, विवेक कुमार पाठक, विकर्मा दुबे, जितेन्द्र कुमार, ब्रजेश सिंह सहित विद्यालय के प्रधानाचार्य सुमित शंकर ने भी सक्रिय भागीदारी की। सभी शिक्षकों ने बच्चों के साथ मिलकर सामूहिक सूर्य नमस्कार में भाग लिया और उन्हें नियमित रूप से योग करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी वर्गों के छात्र-छात्राएं और शिक्षकगण भाग लेंगे।

बभंडी पंचायत में स्वच्छता प्रबंधन पर हुई बैठक

भस्मक यंत्र लगाने और माहवारी स्वच्छता पर हुआ विशेष जोर

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रखंड के बभंडी पंचायत सचिवालय में बुधवार को पंचायत स्तरीय स्वच्छता बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही। जलसहिया, आंगनबाड़ी सेविकाएं और महिला समूह की सदस्याओं ने वार्षिक कार्य योजना तैयार की और माहवारी स्वच्छता, सोख्ता निर्माण जैसे मुद्दों पर जोर दिया। महिलाओं ने पंचायत भवन के पास भस्मक यंत्र (इन्सिनरेटर) लगाने की मांग की और पंचायत मुखिया जितेंद्र सिंह ने इसे ग्रामसभा में प्रस्तुत कर समाधान का आश्वासन दिया। वॉश समन्वयक हरसू कुमार दयानिधि ने बताया कि जागरूकता अभियान से स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। महिला समूहों ने माहवारी स्वच्छता दिवस को हर माह की 28 तारीख को मनाने का संकल्प लिया।

आधी रात जवाहर पथ में बिजली वायर गिरने से मची अफरातफरी

सैकड़ों की जान बची, आठ घंटे तक बिजली आपूर्ति रही ठप

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। स्थानीय बाजार क्षेत्र के जवाहर पथ मोहल्ले में सोमवार रात करीब 11:50 बजे बिजली पोल पर लगे सेट टॉप बॉक्स से चिंगारी निकलनी शुरू हो गई। देखते ही देखते आग की लपटों ने एलटी कवर्ड वायर को चपेट में ले लिया और पूरे मोहल्ले में कई जगह तार टूटकर जमीन पर गिर गए। इससे बम पटाखे जैसी आवाजें और चिंगारियों का सिलसिला करीब 25 मिनट तक जारी रहा। घटना के समय अधिकांश लोग अपने घरों में विश्राम कर रहे थे, लेकिन तेज आवाज और लपटें देखकर लोग घरों से निकल पड़े। स्थानीय लाइनमैन को सूचना देकर बिजली आपूर्ति तत्काल बंद कराई गई, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन लोगों का कहना है कि यह दिन में होता तो जानमाल का भारी नुकसान हो सकता था। घटना के बाद बिजली आपूर्ति आठ घंटे तक ठप रही, जिससे गर्मी में लोगों को काफी परेशानी हुई। स्थानीय नागरिकों ने बिजली विभाग से वायरिंग की कुव्यवस्था की जांच की मांग की है। उल्लेखनीय है कि तीन दिन पूर्व भी इसी स्थान पर आंशिक रूप से ऐसी ही स्थिति उत्पन्न हो चुकी थी।

शिक्षकों की बैठक में उठी शिक्षा की बदहाली की आवाज

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। उर्दू मध्य विद्यालय परिसर में अजाप्टा की प्रखंड स्तरीय बैठक में शिक्षकों ने शिक्षा व्यवस्था की खामियों को लेकर गहरी नाराजगी जताई। सचिव निर्मल कुमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए पर्याप्त संसाधन, किताबें और शिक्षक आवश्यक हैं। बैठक में शिक्षकों ने एमएसीपी, सेवा सत्यापन, प्रमोशन और रिक्त प्रधानाध्यापक पदों पर भर्ती की मांग की। वरिष्ठ शिक्षक गिरिवर राम, मनोज कुमार चौधरी सहित अन्य ने सरकार की उदासीनता पर गहरी चिंता व्यक्त की। इस अवसर पर सुरेंद्र राम, जितेंद्र राम, सैयद इकबाल सहित दर्जनों शिक्षक मौजूद थे।

आषाढ़ मास का धार्मिक व ज्योतिषीय महत्व

हैदरनगर। हिन्दू पंचांग के अनुसार आषाढ़ मास नववर्ष संवत्सर का चौथा महीना होता है, जो ग्रीष्म और वर्षा ऋतु के संधिकाल का प्रतिनिधित्व करता है। इस मास में अध्यात्म, तांत्रिक साधना और कई प्रमुख धार्मिक पर्वों की श्रृंखला जुड़ी होती है। वयोवृद्ध पंडित कुंडल तिवारी ने बताया कि इस मास में गुप्त नवरात्र के दौरान माता दुर्गा की दस महाविद्याओं की साधना की जाती है। अमावस्या, योगिनी एकादशी, देवशयनी एकादशी और गुरु पूर्णिमा जैसे पर्व विशेष रूप से मनाए जाते हैं। इसी मास से कृषि कार्यों की विधिवत शुरूआत भी होती है, जब किसान खेतों में बीज बोना शुरू करते हैं। यह महीना भगवान विष्णु व जल देवता को समर्पित माना जाता है।

चौकड़ी पंचायत में सड़कों की गुणवत्ता पर सवाल पीसीसी पर पिच डालकर की गई लीपापोती

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रखंड के चौकड़ी पंचायत में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के तहत बनी सड़क की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि जपला-मोहम्मदगंज मुख्य पथ से चौकड़ी तक एक सप्ताह पूर्व बनी सड़क में घोर अनियमितता बरती गई है। प्रह्लाद पाठक, राकेश कुमार, चिदानंद पाठक सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि पीसीसी सड़क की मात्र तीन इंच की ही ढलाई की गई है, जो कुछ ही दिनों में जगह-जगह से उखड़ने लगी है। आरोप है कि निर्माण में सीमेंट, बालू और स्टोन की जगह डस्ट व घटिया सामग्री का प्रयोग हुआ, जिससे सड़क पर लगातार धूल उड़ रही है। ग्रामीणों के विरोध के बाद 19 अप्रैल को संवेदक द्वारा मात्र पिच की पतली परत डाल दी गई, जिससे सड़क की स्थिति और बदतर हो गई। लोगों ने यह भी बताया कि पीसीसी पर पिच डालना निर्माण नियमों का सरासर उल्लंघन है, फिर भी उच्चाधिकारियों के निदेशों की अनदेखी कर लीपापोती की गई। नितीश पाठक, प्रभु चंद्रवंशी, रामेश्वर राम समेत दर्जनों ग्रामीणों ने उपायुक्त पलामू से इस मामले की जांच कर दोषी संवेदक पर कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि इस तरह की लापरवाही से न सिर्फ सरकारी धन की बबार्दी हो रही है, बल्कि ग्रामीणों की सुरक्षा भी खतरे में है। गांव के सामाजिक कार्यकताओं ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन किया जाएगा। सड़क निर्माण में की गई अनियमितता को लेकर व्यापक जांच की जरूरत है, जिससे इस तरह के घोटालों पर लगाम लग सके।

जल जीवन मिशन की समीक्षा में नल-जल योजना पर चर्चा

पेयजल नोडल पदाधिकारी ने कहा झ योजना की प्रगति का लिया जायजा

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। सिलदाग पंचायत भवन में उपायुक्त समीर एस और केंद्र सरकार की पेयजल नोडल पदाधिकारी कर्मजीत कौर ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत घर-घर नल जल योजना की समीक्षा की। उन्होंने पंचायत में चल रही योजनाओं की प्रगति देखी और अधिकारियों को निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित करें कि कोई भी घर इस योजना से वंचित न रहे। मौके पर एसडीओ, बीडीओ, मुखिया सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

चालू माह तक पूर्व मध्य रेल ने अर्जित की 5436 करोड़ रुपए से अधिक की प्रारंभिक आय

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। पूर्व मध्य रेल को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के मई माह तक माल ढुलाई सहित अन्य सभी स्त्रोतों से प्राप्त होने वाले आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके साथ ही कुल 5436 करोड़ रूपए की प्रारंभिक आय प्राप्त हुई है । यह आय पिछले वर्ष के समान अवधि में प्राप्त प्रारंभिक आय 5362 करोड़ रुपए के तुलना में 1.36 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्तीय वित्त वर्ष के मई माह तक पूर्व मध्य रेल ने 35.52 मिलियन टन का माल लदान किया। जो पिछले वित्तीय वर्ष के इसी अवधि में किये गये माल लदान 34.31 मिलियन टन की तुलना में लगभग 3.53 प्रतिशत अधिक है। मई माह तक किये गये कुल माल लदान से पूर्व मध्य रेल को कुल 4507 करोड़ रूपए की आय प्राप्त हुई। यात्री यातायात से 828.62 करोड़ रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। जो पिछले वित्तीय वर्ष के इसी अवधि में यात्री यातायात से प्राप्त राजस्व लगभग 789.45 करोड़ रुपए की तुलना में 4.96 प्रतिशत अधिक है।

पलामू प्रमंडल में सिंचाई सुविधा की मांग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता ने भेजा पत्र

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। सामाजिक कार्यकर्ता अशोक कुमार चौधरी ने जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन को पत्र भेजकर पलामू प्रमंडल में समुचित सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि आदिवासी व मूलवासी किसान पूरी तरह मानसून पर निर्भर हैं। पानी की कमी से फसलें बर्बाद होती हैं और किसान कर्ज के बोझ तले दब जाते हैं। उन्होंने आग्रह किया कि सोन और कोयल जैसी नदियों की उपस्थिति के बावजूद सिंचाई का अभाव दुर्भाग्यपूर्ण है। सिंचाई की व्यवस्था होने से क्षेत्र आत्मनिर्भर बन सकता है।

लालू प्रसाद यादव का 78वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

राजद कार्यकर्ताओं ने बताया : वंचितों के हक की आवाज रहे हैं लालू जी

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। राजद कार्यालय में प्रखंड अध्यक्ष महेंद्र यादव की अध्यक्षता में पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का 78वां जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने लालू यादव को सामाजिक न्याय की आवाज बताते हुए उनके स्वस्थ और दीर्घायु होने की कामना की। समारोह में कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे जिन्होंने केक काटकर व जयकारों के साथ जन्मदिन मनाया।

शिक्षकों को मिला 'प्रशस्त एप्प' संचालन का प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। राजकीय सीता प्लस टू उच्च विद्यालय में शिक्षकों को एनसीईआरटी द्वारा विकसित ह्यप्रशस्त एप्पक्ष के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिला समावेशी शिक्षा प्रभारी राजीव चौबे ने बताया कि इस एप्प के माध्यम से दिव्यांगता की पहचान कर उचित सहायता दी जा सकेगी। प्रशिक्षकों ने प्रधानाध्यापकों और एक-एक शिक्षक को एप्प संचालन सिखाया। इस अवसर पर दर्जनों शिक्षक उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पहचान की मांग तेज 1887 में स्थापित इस शक्ति पीठ को लेकर श्रद्धालुओं में उमंग, केंद्र सरकार से राष्ट्रीय धार्मिक मान्यता की अपील

धार्मिक पर्यटन सर्किट में शामिल हुआ हैदरनगर का सिद्धपीठ देवीधाम

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। पलामू जिले के ऐतिहासिक धार्मिक स्थल देवी शक्ति सिद्धपीठ, हैदरनगर को झारखंड सरकार ने पलामू प्रमंडल धार्मिक पर्यटन सर्किट में औपचारिक रूप से शामिल कर लिया है। हाल ही में रांची में आयोजित राज्य पर्यटन संवर्धन समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया, जिससे स्थानीय श्रद्धालुओं और जनप्रतिनिधियों में हर्ष की लहर है। सन 1887 में स्थापित यह मंदिर न केवल झारखंड, बल्कि उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल के श्रद्धालुओं के लिए भी आस्था का केंद्र है। नवरात्रि के दोनों अवसरों पर यहां लाखों श्रद्धालु एकत्र होते हैं। सन 2023 में राज्य सरकार ने इसे राजकीय पर्यटन स्थल के रूप में मान्यता दी थी, जिससे विकास की राहें और खुली हैं। स्थानीय युवा समाजसेवी अंकू सिंह राणा द्वारा देवीधाम को राष्ट्रीय धार्मिक पर्यटन सर्किट में शामिल करने की माँग को लेकर कई बार राज्य व केंद्र सरकार को ज्ञापन सौंपे गए हैं। उन्होंने बताया कि रेलवे सुविधाओं में भी सुधार की दिशा में प्रयास जारी हैं।

रेलयात्री सुविधा बढ़ाने का हो रहा है प्रयास

फिलहाल 10 में से 8 ट्रेनों का ठहराव है, जबकि राजधानी एक्सप्रेस, गरीब रथ और वंदे भारत जैसे प्रमुख ट्रेनों के अस्थायी ठहराव की माँग लंबित है। प्रबुद्धजनों, जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर की मान्यता से न केवल क्षेत्र की सांस्कृतिक समृद्धि बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। मंदिर प्रबंधन समिति के पूर्व अध्यक्ष स्व. गुरु प्रताप शाहिदेव के पुत्र आकाश प्रताप शाहिदेव, डॉ. अजय जयसवाल, मंटू मेहजा आदि ने सरकार से वार्षिक देवीधाम महोत्सव को स्थायी रूप से शुरू करने की अपील की है।

पलामू में सिंचाई सुविधा की मांग तेज, किसानों की हालत गंभीर

हुसैनाबाद। प्रखंड के लंगरकोट निवासी व सामाजिक कार्यकर्ता अशोक कुमार चौधरी ने झारखंड सरकार के जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को पत्र भेजकर पलामू प्रमंडल में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने पत्र में कहा कि हुसैनाबाद-हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे पलामू प्रमंडल में सिंचाई की सुविधा नहीं होने के कारण आदिवासी व मूलवासी किसानों को खेती में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बारिश पर निर्भर खेती असफल होने पर उन्हें कर्ज लेकर जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करना पड़ता है, जिससे आत्महत्या जैसी घटनाएं भी हो रही हैं। चौधरी ने कहा कि पलामू की धरती से कई प्रमुख नदियां (जैसे सोन व कोयल) गुजरती हैं, फिर भी यहां जल संकट है। सरकार और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण यह क्षेत्र आज भी बुनियादी सिंचाई सुविधाओं से वंचित है। यदि यहां समुचित व्यवस्था हो जाए, तो किसान आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

अवैध खनन पर प्रशासन सख्त, दो माह में 174 वाहन जब्त, 44 लाख से अधिक जुर्माना

- जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक में डीसी ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश, एनजीटी आदेश का पालन करें

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्रीमती समीरा एस की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने खनन विभाग, वन विभाग, परिवहन विभाग और अंचल प्रशासन द्वारा अवैध खनन व परिवहन के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की।

खनन पदाधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि बीते दो महीनों में जिला खनन विभाग की कार्रवाई में 78 वाहनों को जब्त किया गया और 34 लाख 8 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया है। इस दौरान 7 प्राथमिकी भी दर्ज की गई हैं।

वन प्रमंडल पदाधिकारी की ओर से अवैध खनन से संबंधित 2 वाद दायर किए गए हैं। वहीं, जिला परिवहन कार्यालय द्वारा 16 वाहन जब्त कर 10 लाख 31 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया है।

विभिन्न अंचलों से मिली रिपोर्ट के अनुसार, 80 अतिरिक्त वाहन जब्त किए गए हैं, जिनमें सबसे अधिक 11 वाहन हुसैनाबाद अंचल से हैं। डीएमओ ने यह भी बताया कि 17 स्थानों पर ट्रेंच कटिंग की गई है ताकि अवैध बालू उठाव पर रोक लगाई जा सके। इसके साथ ही 24 चौकीदारों की नियुक्ति भी की गई है। बैठक में उपायुक्त समीरा एस ने स्पष्ट कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देशानुसार 10 जून से 15 अक्टूबर तक किसी भी स्थिति में बालू का उठाव नहीं किया जाएगा। सभी अंचलाधिकारी और थाना प्रभारी इस आदेश को सख्ती से लागू करें।

उपायुक्त ने कहा कि अवैध खनन को रोकने के लिए वन विभाग, पुलिस और अंचल प्रशासन आपस में समन्वय स्थापित करें और नियमित निगरानी करें। उन्होंने कहा कि टीम वर्क से ही इस पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

बैठक में पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने कहा कि सीओ और थाना प्रभारी द्वारा भेजी जा रही रिपोर्ट में एफआईआर और सनहा रिपोर्ट स्पष्ट रूप से अलग-अलग श्रेणियों में दी जानी चाहिए, ताकि भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने सभी अधिकारियों से इस दिशा में सतर्कता बरतने का आग्रह किया।

बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, सदर एसडीएओ, हुसैनाबाद एसडीओ, सभी एसडीपीओ, सीओ, थाना प्रभारी और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम-कुसुम योजना के तहत 810 लाभुकों के आवेदन को मिली मंजूरी

- उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक, ज्रेडा निदेशक को भेजी जाएगी अनुमोदित सूची

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। समाहरणालय सभागार में बुधवार को उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद की अध्यक्षता में पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत सोलर पंप सेट वितरण एवं स्थापना को लेकर लाभुकों के चयन हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्ष 2024 एवं 2025 के लिए कुल 810 योग्य लाभुकों की सूची को अनुमोदित कर ज्रेडा निदेशक को प्रेषित करने का निर्णय लिया गया।

वर्ष 2024 के लिए ज्रेडा निदेशक को प्राप्त कुल 524 ऑनलाइन आवेदनों में से 347 आवेदन जिला स्तर पर सही पाए गए थे। इनमें से जांच उपरांत 189 योग्य किसानों के आवेदन को अनुमोदित किया गया। वहीं, वर्ष 2025 के अंतर्गत प्राप्त 725 ऑनलाइन आवेदनों में से 576 आवेदन प्रारंभिक रूप से सही पाए गए। इनकी जांच के बाद 285 आवेदनों को स्वीकृति दी गई।

इसके अतिरिक्त वर्ष 2024-25 के लिए वैसे किसानों से कुल 2080 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए, जिन्होंने जांच के समय अंशदान राशि का भुगतान किया था। इनमें से 1349 आवेदन जिला स्तर पर वैध पाए गए और संबंधित प्रखंडों को सत्यापन हेतु भेजे गए। इन आवेदनों में से 336 को अनुमोदन प्रदान किया गया।

इस प्रकार बुधवार की बैठक में कुल 810 पात्र किसानों के आवेदन को स्वीकृति दी गई। बैठक में विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता, कृषि एवं लघु सिंचाई विभाग के प्रतिनिधि, योजना विभाग के लिपिक राजेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

आम तोड़ने के विवाद में मारपीट

मेदिनीनगर। चीछोरी गांव में आम तोड़ने के विवाद में तीन लोग घायल हो गए। घायल महजिदन बीबी ने बताया कि जब वह अपने दामाद और बेटी के साथ आम तोड़ रही थीं, तभी देवर ईदरिस अंसारी, अलिना बीबी और अन्य ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घायलों का एमएमसीएच मेदिनीनगर में इलाज चल रहा है।

जेटेट अभ्यर्थियों ने उठाई स्थानीय भाषा की मांग

मेदिनीनगर। जेटेट परीक्षा में नागपुरी और कुड़ुख को स्थानीय भाषा के रूप में शामिल करने पर विरोध जताते हुए अभ्यर्थियों ने डीईओ सौरभ प्रकाश से मुलाकात की। युवा नेता आशीष भारद्वाज के नेतृत्व में अभ्यर्थियों ने भोजपुरी और मगही को पलामू की प्रमुख भाषा बताते हुए उन्हें परीक्षा में शामिल करने की मांग की। डीईओ ने अभ्यर्थियों से आंकड़े सहित प्रतिवेदन देने को कहा और आश्वस्त किया कि उनकी बात राज्य सरकार तक पहुंचाई जाएगी।

पूर्व प्रमुख शांतनु शुक्ला नहीं रहे

मेदिनीनगर। सदर प्रखंड के भूतपूर्व प्रमुख शांतनु शुक्ला का मंगलवार की रात निधन हो गया। वे 85 वर्ष के थे और कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार सिंगरा गांव में किया गया। उनके निधन पर कई जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने उनके आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और इसे समाज के लिए बड़ी क्षति बताया।

शहर की सड़कों पर लौटेगी रौशनी

मेदिनीनगर। नगर निगम क्षेत्र में अंधेरे से निजात दिलाने के उद्देश्य से 350 से अधिक एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। यह पहल न केवल शहर की सुंदरता बढ़ाएगी, बल्कि रात में आवाजाही को भी सुरक्षित बनाएगी। एक दशक पहले लगाई गई लाइटें अब खराब हो चुकी हैं। छह मुहान से चैनपुर थाना, रेड़मा चौक तथा बीसफुटा तक नई लाइटें लगाई जाएंगी। नगर आयुक्त जावेद हुसैन ने बताया कि बेहतर रोशनी से न केवल अपराध कम होंगे बल्कि दुकानदार भी अपनी दुकानें देर तक खुली रख सकेंगे।

नशा मुक्त पलामू के लिए प्रशासन सख्त मेडिकल स्टोर्स पर होगी औचक जांच

- उपायुक्त समीरा एस ने एनकोर्ड बैठक में दिए व्यापक अभियान चलाने और रिपोर्टिंग में तेजी लाने के निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला स्तरीय नार्कोटिक्स समन्वय समिति (एनकोर्ड) की बैठक बुधवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में नशीले पदार्थों के खिलाफ चल रही गतिविधियों की गहन समीक्षा की गई और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

उपायुक्त ने नशे की गिरफ्त से बच्चों, किशोरों और युवाओं को दूर रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि शिक्षण संस्थानों के आस-पास किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ की बिक्री न हो, यह जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) सुनिश्चित करें। उन्होंने नशा पीड़ित व्यक्तियों के प्रभावी फॉलोअप की बात कहते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को अभियान को गंभीरता से लेने का निर्देश दिया।

उन्होंने ड्रग इंस्पेक्टर और अनुमंडल पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि मेडिकल स्टोर्स पर प्रतिबंधित सिरप और दवाओं की बिक्री पर कड़ी नजर रखी जाए और औचक छापेमारी कर अवैध बिक्री पर तत्काल कार्रवाई की जाए। उपायुक्त ने कहा कि "नशा मुक्त पलामू" की परिकल्पना को साकार करने के लिए समाज के हर वर्ग को जागरूक होना पड़ेगा।

"एनकोर्ड की निगरानी सीधे दिल्ली से होती है, सभी विभाग समय पर भेजें एक्शन रिपोर्ट" — एसपी रीष्मा रमेशन

बैठक में पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने कहा कि पलामू पुलिस पोस्ता और अफीम की अवैध खेती को नष्ट करने का कार्य निरंतर कर रही है। इस कारोबार से जुड़े लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों (सीओ) से अपने-अपने थाना प्रभारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्रवाई को गति देने की बात कही।

एसपी ने बताया कि एनकोर्ड की गतिविधियों की निगरानी राष्ट्रीय स्तर पर की जाती है और सभी गतिविधियों को पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है। ऐसे में सभी संबंधित विभागों को समय पर रीपोर्ट भेजना सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने ड्रग इंस्पेक्टर की भूमिका को इस कार्य में विशेष रूप से अहम बताया।

बैठक में नशीली दवाओं की तस्करी, जिले में गांजा, भांग और अफीम की अवैध खेती, नशीली दवाओं के दुरुपयोग, स्कूल-कॉलेजों में एनडीपीएस एक्ट के तहत जागरूकता कार्यक्रम, वैकल्पिक विकास कार्यक्रमों का कार्यान्वयन, ड्रग डिटेक्शन के उपकरणों की उपलब्धता, और नशा मुक्ति केंद्रों की स्थिति सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। सभी विभागों को इन बिंदुओं पर ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सिलदाग पंचायत में पेयजल योजना की समीक्षा

हर घर नल योजना की प्रगति का केंद्रीय टीम ने लिया जायजा

मेदिनीनगर। पलामू जिले के छतरपुर प्रखंड अंतर्गत सिलदाग पंचायत भवन में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण जन संवाद-सह-समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पलामू उपायुक्त समीर एस तथा भारत सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय की नोडल पदाधिकारी कर्मजीत कौर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत हर घर तक नल का जल पहुंचाने की योजना की प्रगति की गहन समीक्षा की। इस दौरान उपायुक्त समीर एस ने पंचायत स्तर पर पेयजल उपलब्धता, पाइपलाइन की स्थिति, जल गुणवत्ता की निगरानी और योजना की पारदर्शिता पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना हर ग्रामीण परिवार को शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाई जा रही है, और इसका लाभ वास्तविक लाभुकों तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

उप सचिव, रक्षा मंत्रालय सह नोडल पदाधिकारी कर्मजीत कौर ने कहा कि वह स्वयं यह जानने आई हैं कि ग्रामीण क्षेत्र में योजना धरातल पर कितनी प्रभावी है। उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए फीडबैक लिया और कहा कि कहीं कोई गड़बड़ी पाई जाती है, तो उसे तत्काल दूर किया जाएगा। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) आशीष गंगवार, प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) आशीष साहू, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के सहायक अभियंता उपेंद्र कुमार, पंचायत के मुखिया उमेश यादव, समाजसेवी हरेंद्र सिंह, जल सहिया शाहिदा खातून सहित कई पंचायत प्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

बैठक में मौजूद कार्यपालक अभियंता जैसन होरो व सहायक अभियंता राजेश कुमार सिंह समेत कई पदाधिकारियों ने ग्रामीणों को योजना की विस्तृत जानकारी दी और उन्हें इसके क्रियान्वयन में सहयोग करने की अपील की।

पलामू जिले में स्वास्थ्य विभाग में 101 अभ्यर्थियों की नियुक्ति, डीसी ने सौंपे नियुक्ति पत्र

- एनएचएम के तहत चयन प्रक्रिया पूर्ण, उपायुक्त ने कहा— "स्वास्थ्य सेवा मानवता की सेवा है, कर्तव्य निष्ठा से निभाएं जिम्मेदारी"

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला स्वास्थ्य समिति अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत बुधवार को 101 अभ्यर्थियों का विभिन्न पदों के लिए चयन कर नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस ने अपने कार्यालय कक्ष में पांच चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपकर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। इनमें लैब टेक्नीशियन के पद पर बिंदा कुमारी, एएनएम के लिए रिष्मा कुमारी, जीएनएम के लिए सुमन कुमारी, काउंसलर पद पर लालमोहन कुमार और फार्मासिस्ट पद पर चरित्र संजीव कुमार पासवान को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि यह नियुक्ति विज्ञापन संख्या 1/25 के तहत की गई है, जो पूरी तरह अनुबंध आधारित है। नियुक्ति के लिए 11 मई को लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। चयन प्रक्रिया के बाद विभिन्न तकनीकी और प्रशासनिक पदों जैसे स्टाफ नर्स, एक्स-रे टेक्नीशियन, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, काउंसलर, डीपीपीएम, डीडीएम आदि पदों के लिए योग्य अभ्यर्थियों को नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर उपायुक्त समीरा एस ने चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में सेवा देना अपने आप में चुनौतीपूर्ण और अत्यंत मानवीय कार्य है। उन्होंने कहा कि जिन पदों पर नियुक्ति मिली है वे सभी महत्वपूर्ण और संवेदनशील पद हैं, जिनमें सेवा भावना और कर्तव्यनिष्ठा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित अभ्यर्थियों से अपेक्षा की कि वे नियमों और नैतिकता के दायरे में रहकर ईमानदारी से अपनी सेवाएं दें।

समाहरणालय में जनता दरबार आयोजित डीडीसी ने 20 से अधिक मामलों की सुनी फरियादें

- उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने दिए समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला समाहरणालय सभागार में बुधवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। उपायुक्त समीरा एस के निर्देश पर उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने आम नागरिकों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जनता दरबार में 20 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें भूमि विवाद, मुआवजा भुगतान, सेविका चयन में अनियमितता, सीमांकन, मृत्यु प्रमाण पत्र व एलपीसी निर्गत न होने जैसी समस्याएं प्रमुख रहीं।

मुआवजा, धमकी और चयन अनियमितता की उठी आवाज़ : जनता दरबार में ग्राम पिपरा (विश्रामपुर) से आए संतोष प्रसाद गुप्ता ने एनएच-75 चौड़ीकरण के लिए हुई भूमि अधिग्रहण के एवज में उचित मुआवजा न मिलने की शिकायत दर्ज कराई। वहीं, ग्राम डबरा (लेस्लीगंज) के प्रभुदयाल यादव ने कुछ स्थानीय निवासियों द्वारा हथियार के बल पर जबरन सड़क निर्माण कराने की बात कही।

छत्तरपुर से आई प्रतिमा कुमारी ने अपने आवेदन में आंगनबाड़ी सेविका चयन में अनियमितता का आरोप लगाते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की।

उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने कहा कि सभी प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से जांच कर, प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो, यह सुनिश्चित करें और समस्याओं का समाधान समयबद्ध रूप से करें।

जनता दरबार में उपस्थित अधिकारियों को संबंधित आवेदनों को स्थानांतरित कर शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए।

पुलिस दक्षता कार्यक्रम

तीन दिवसीय क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट का मेदिनीनगर में शुभारंभ

पुलिसिंग को वैज्ञानिक और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में अहम कदम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले में आज से तीन दिवसीय क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट की शुरुआत हुई। यह आयोजन 11 जून से 13 जून तक पलामू एसपी कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन पलामू प्रक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक नौशाद आलम और पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया।

इस अवसर पर नौशाद आलम ने उपस्थित एफएसएल टीम का स्वागत करते हुए कहा कि इस तरह की तकनीकी प्रशिक्षण गतिविधियाँ पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी व वैज्ञानिक बनाती हैं।

प्रशिक्षण व प्रतिस्पर्धा – एक साथ ड्यूटी मीट के दौरान पुलिसकर्मियों को फॉरेंसिक जांच, अपराध अनुसंधान, साइबर विश्लेषण, फिंगरप्रिंट, अपराध स्थल फोटोग्राफी, और डॉग स्क्वॉड संचालन जैसे विषयों पर वास्तविक केस आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। साथ ही, इन विषयों पर प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं। प्रतियोगिता में अव्वल आने वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

समन्वय और दक्षता को बल : पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने अपने संदेश में कहा कि यह आयोजन हमारे जवानों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने और आपसी समन्वय को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन 13 जून को किया जाएगा, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

विशेषज्ञ हुए शामिल

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रांची से विभिन्न तकनीकी विभागों के विशेषज्ञ अधिकारियों की विशेष भागीदारी रही, जिनमें संतोष सुधाकर (सहायक निरीक्षक, अंगलोक ब्यूरो, अपराध अनुसंधान विभाग , अजय भगत (सहायक निरीक्षक, विधि विज्ञान प्रयोगशाला - एफएसएल), असीत मोदी (पुलिस निरीक्षक, आईटी विभाग), दिलीप कुमार महतो (सहायक अवर निरीक्षक, फोटो ब्यूरो) और एतवा उरांव (सहायक अवर निरीक्षक, डॉग स्क्वॉड) शामिल रहे ।

हिंदी को स्थानीय भाषा के रूप में जोड़ने की मांग

मेदिनीनगर। झामुमो के युवा नेताओं ने पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर को ज्ञापन सौंपकर जेटेट परीक्षा में हिंदी को स्थानीय भाषा के विकल्प के रूप में शामिल करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि पलामू में प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्यों की प्रमुख भाषा हिंदी है, लेकिन उसे परीक्षा में अनदेखा किया जा रहा है। मंत्री ने मांग को मुख्यमंत्री के समक्ष रखने का आश्वासन दिया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय मार्ग फिर से हुआ चालू

मेदिनीनगर। नगर निगम ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय मार्ग को आम लोगों के लिए पुनः खोल दिया है। जेलहाता से बाजार तक यह संपर्क मार्ग अब पैदल और दोपहिया वाहनों के लिए सुलभ है। पूर्व में बंद इस मार्ग के कारण लोगों को कठिनाई हो रही थी। सहायक नगर आयुक्त विश्वजीत महतो ने बताया कि आवश्यकता के अनुसार आगे इसे पूरी तरह से खोला जा सकता है।

डीसी ने भंडरिया में कई कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था व योजनाओं के क्रियान्वयन पर दिया गया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दिनेश कुमार यादव ने बुधवार को भंडरिया प्रखंड का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एकलव्य विद्यालय, प्रखंड कार्यालय व अंचल कार्यालय का जायजा लिया गया। उपायुक्त ने जर्जर भवनों को ध्वस्त कर परिसर की साफ-सफाई सुनिश्चित करने और आम जनता के लिए पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। साथ ही, उन्होंने पुराने अनुपयोगी वाहनों को नीलाम करने और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की बात कही। निरीक्षण में एसडीओ रंका रूद्र प्रताप, बीडीओ अमित कुमार, डॉ. संजय कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जनसुविधा, स्वास्थ्य सेवाएं और योजनाओं की गुणवत्ता पर विशेष जोर

गढ़वा। जिलाधिकारी-सह-उपायुक्त दिनेश कुमार यादव ने बुधवार को रंका अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों और स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रंका में दवाओं की उपलब्धता, कर्मियों की उपस्थिति, मरीजों की स्थिति और स्वच्छता की गहन जांच की गई। उन्होंने बायोमेट्रिक उपस्थिति, प्रॉपर ड्रेस कोड और एंटी वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में भंडरिया के एकलव्य विद्यालय, प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय एवं अनुमंडल कार्यालय रंका का भी दौरा किया गया। पुराने व जर्जर भवनों को हटाने, ग्रामीणों के लिए पेयजल व शौचालय सुविधा, और समयबद्ध शिकायत निवारण के निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी धीरज प्रकाश, अनुमंडल पदाधिकारी रुद्र प्रताप, बीडीओ अमित कुमार समेत कई अधिकारी उपस्थित थे।

अधौरा में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन, ग्रामीणों ने लिया लाभ

कांडी। शिवपुर पंचायत के अधौरा गांव में बुधवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से 'रोज' नामक स्वयंसेवी संस्था द्वारा चलंत चिकित्सा वाहन के माध्यम से यह शिविर संचालित हुआ। शिविर में 25 मरीजों की जांच कर उन्हें दवा और उचित सलाह दी गई। डॉ. विजय गोस्वामी ने मरीजों का परीक्षण किया तथा संगीता देवी का ईसीजी भी किया गया। संस्था के प्रखंड समन्वयक अमरेंद्र कुमार ने बताया कि कांडी प्रखंड के 20 पिछड़े गांवों में प्रत्येक 10 दिन के अंतराल पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर में लैब टेक्नीशियन राहुल कुमार, एएनएम प्रतिमा श्रीवास्तव, फार्मासिस्ट नीरज कुमार एवं स्वास्थ्य सहिया रीता कुंवर उपस्थित थीं।

न्यूज बॉक्स

प्रशस्त ऐप पर शिक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

केतार। प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) के सभागार में बुधवार को एक दिवसीय प्रशस्त ऐप प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रखंड के सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक और एक-एक शिक्षक शामिल हुए। प्रशिक्षण का संचालन प्रशिक्षक रमेश रजक और चंदन कुमार ने किया। प्रशिक्षकों ने बताया कि एनसीईआरटी द्वारा विकसित यह ऐप विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों की पहचान के लिए बनाया गया है। इसमें कुल 64 मापदंड हैं, जिनमें से शिक्षकों को बच्चों के लक्षणों के अनुसार उपयुक्त विकल्प का चयन करना होता है। रिसोर्स शिक्षक अक्षय कुमार ने तकनीकी प्रक्रिया बताते हुए कहा कि ऐप को मोबाइल के प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। प्रशिक्षकों ने बताया कि लॉगिन प्रक्रिया में शिक्षकों को अपनी यू-डाइस प्लस से जुड़ी ईमेल आईडी का उपयोग करना होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि लॉगिन या किसी अन्य तकनीकी समस्या का सामना हो, तो वे उनसे संपर्क कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण शिक्षकों को समावेशी शिक्षा की दिशा में और अधिक सजग तथा तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की पहल है।

ड्यूटी के दौरान मृत गृहरक्षक के आश्रिता को मिला 15 लाख का अनुग्रह अनुदान

गढ़वा। विधानसभा आम निर्वाचन 2024 में ड्यूटी के दौरान दिवंगत गृहरक्षक बीरबल राम की पत्नी कमला देवी को बुधवार को 15 लाख रुपये का अनुग्रह अनुदान दिया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त दिनेश कुमार यादव ने यह राशि चेक के माध्यम से प्रदान की। स्वर्गीय बीरबल राम की नियुक्ति खरौंधी प्रखंड के बजरमरवा चेक पोस्ट पर की गई थी, जहां कर्तव्य पालन के दौरान उनका निधन हो गया था। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी सुशील कुमार राय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

चिनियां में आम उत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन

चिनियां। बुधवार को खुरी पंचायत सचिवालय परिसर में बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत आम उत्सव सह बागवानी मेला आयोजित हुआ। बीपीओ रोशन कुमार ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए योजना के पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ बताए। कार्यक्रम में फलदार पौधों की प्रदर्शनी, वितरण और बागवानी से जुड़ी तकनीकी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुखिया समुद्री देवी, पंचायत सेवक कमलेश कोरवा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण विशेषकर महिलाएं शामिल हुईं।

कैलान गांव में नशा मुक्ति रैली, दीवार लेखन व रंगोली से जागरूकता

भवनाथपुर। प्रखंड अंतर्गत कैलान गांव में बुधवार को नशा मुक्ति अभियान के तहत भव्य रैली निकाली गई। यह रैली कैलान डीहवार बाबा स्थान से शुरू होकर मुख्य मार्ग होते हुए पुनः डीहवार बाबा स्थल पर समाप्त हुई। रैली में आंगनबाड़ी सेविका गीता देवी, चंद्रवती देवी, सहायिका मंजु देवी, सुनिता देवी, सहिया गीता देवी, ममता देवी सहित कई महिलाओं ने भाग लिया। रैली में 'दारू छोड़ो, होश में आओ', 'जीवन का आनंद उठाओ', 'मदिरा से न दुनिया चलती, न शरीर', जैसे नारों से लोगों को नशे से दूर रहने की प्रेरणा दी गई। आयोजन के दौरान महिलाओं ने अपने-अपने वार्डों में रंगोली, दीवार लेखन एवं चौपालों के माध्यम से भी मद्य निषेध का संदेश फैलाया।

एससीडी कॉलेज मझिआंव में बीए, बीएससी व बीकॉम नामांकन शुरू

मझिआंव। शिवेसर चंद्रवंशी डिग्री कॉलेज (एससीडी कॉलेज) में शैक्षणिक सत्र 2025-29 के लिए बीए, बीएससी और बीकॉम में तथा 2025-27 के लिए एमए और एमकॉम में नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। कॉलेज सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक नामांकन ले रहा है। प्राचार्य संजीत कुमार ने बताया कि कॉलेज की स्थापना 2007 में हुई थी और यहां से कई छात्र-छात्राएं उच्च पदों पर कार्यरत हैं। कॉलेज में योग्य प्रोफेसरों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, छात्रवृत्ति, सावित्रीबाई फुले योजना, प्रयोगशाला, पुस्तकालय और एनएसएस जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्राचार्य ने इच्छुक छात्र-छात्राओं से समय पर नामांकन कराने की अपील की है।

केतार में मैट्रिक व इंटर के मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान

केतार। बीडीओ प्रशांत कुमार ने बुधवार को केतार प्रखंड कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मैट्रिक और इंटर के उत्कृष्ट विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनके भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। मैट्रिक में 97% अंक लाकर राज्य में सातवां स्थान प्राप्त करने वाली साक्षी यादव, 93.60% अंक वाली प्रिया कुमारी और वंदिता शिवा प्रमुख रहीं। इंटर में दीपशिखा कुमारी, कुनैन जया, अमलेश कुमार, दीपाली कुमारी, रेणु कुमारी और काजू कुमारी को भी सम्मान मिला। कार्यक्रम में बीपीएम रवि कुमार वैद्य, बीआरपी रमेश कुमार रजक सहित कई अभिभावक और अधिकारी उपस्थित थे।

धुरकी बीडीओ ने बैंकों संग की बीएलबीसी बैठक

धुरकी। बीडीओ जुल्फिकार अंसारी ने बुधवार को प्रखंड कार्यालय सभागार में अग्रणी बैंक प्रतिनिधियों के साथ बीएलबीसी बैठक की। बैठक में अटल पेंशन योजना, मनरेगा मजदूरों के खातों की समस्याएं, कृषि ऋण और विभागीय समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में स्टेट बैंक धुरकी, पीएनबी खाला, केनरा बैंक खुटिया और झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक टाटीदीरी के प्रतिनिधियों सहित प्रभारी कृषि पदाधिकारी, कल्याण पदाधिकारी एवं पंचायती राज समन्वयक उपस्थित रहे।

भवनाथपुर में सड़क दुर्घटना में पति-पत्नी व पुत्री घायल

भवनाथपुर। बुधवार की दोपहर छहमइलवा के समीप दो बाइकों की टक्कर में पति-पत्नी और उनकी छह वर्षीय पुत्री घायल हो गए। घायलों को भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर अनुपमा कुमारी ने इलाज किया। घायलों की पहचान श्यामलाल सिंह, उनकी पत्नी सरिता देवी और पुत्री रिया कुमारी के रूप में हुई है। श्यामलाल सिंह ने बताया कि वे पत्नी और बच्ची को मायके छोड़ने जा रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई।

रजिस्ट्री के बाद गलत ग्राम प्रविष्टियों के कारण खारिज हो रहे म्यूटेशन आवेदन

▸ रैयतों में नाराजगी, अब तक 28 मामले हो चुके हैं अस्वीकृत

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव। अंचल कार्यालय मझिआंव में निबंधन कार्यालय की तकनीकी त्रुटियों के कारण रजिस्ट्री के बाद किए जा रहे म्यूटेशन के कई आवेदन गलत ग्राम प्रविष्टियों के कारण खारिज हो रहे हैं। प्रभारी अंचल निरीक्षक धनलाल उरांव ने बताया कि विशेष रूप से नगर पंचायत क्षेत्रों जैसे चंद्री, मझिआंव कला, पृथ्वीचक, रेसुआ आदि में यह समस्या अधिक सामने आ रही है। रजिस्ट्री के तुरंत बाद संबंधित केस नंबर ऑनलाइन पोर्टल पर भेज दिए जाते हैं, लेकिन गलत ग्राम नाम दर्ज हो जाता है, जिससे केस निरस्त करना पड़ता है। हल्का कर्मचारी सीताराम बढ़ाईक ने बताया कि पेपरलेस म्यूटेशन प्रणाली में सुधार का विकल्प नहीं होने से आवेदक को भूमि सुधार उपसमाहर्ता के न्यायालय में अपील करनी पड़ती है, लेकिन वहां भी सुधार नहीं हो पा रहा है। वित्तीय वर्ष 2025झ26 में अब तक 28 से अधिक आवेदन खारिज हो चुके हैं, जिससे रैयतों में आक्रोश व्याप्त है। अंचल अधिकारी प्रमोद कुमार ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए निबंधन पदाधिकारी को पत्राचार के माध्यम से सूचित कर दिया गया है।

सोशल मीडिया पर जेसीबी की फर्जी बिक्री के नाम पर 25 हजार की ठगी

नवीन मेल संवाददाता

रमना। प्रखंड अंतर्गत सिलीदाग पंचायत के निरंजन कुमार से सोशल मीडिया पर फर्जी जेसीबी बिक्री के नाम पर ?25,000 की साइबर ठगी की गई। पीड़ित ने बताया कि फेसबुक पर एक विज्ञापन देखकर उन्होंने अपनी जानकारी साझा की, जिसके बाद उनसे संपर्क करने वाला व्यक्ति खुद को एयरफोर्स से रिटायर्ड बताते हुए वीडियो कॉल पर बातचीत करता रहा। आरोपी ने जेसीबी का फोटो, रजिस्ट्रेशन नंबर और खुद की पहचान बताई और 8.50 लाख में सौदा तय किया। निरंजन से 25,000 अग्रिम मांगे गए और बदले में एक जेसीबी लोड होते हुए तस्वीर भेजी गई। लेकिन पैसे देने के बाद न तो गाड़ी आई, न ही कोई संपर्क हुआ। एक सप्ताह बाद भी जब कोई जवाब नहीं मिला तो पीड़ित ने रमना थाना में इस ठगी की लिखित शिकायत दर्ज कराई। प्रशासन लगातार साइबर जागरूकता अभियान चला रहा है, बावजूद इसके लोग लालच में आकर ठगों का शिकार हो रहे हैं।

उच्च विद्यालय बाना मेराल में सड़क सुरक्षा पर दी गई जानकारी

गढ़वा। जिला परिवहन पदाधिकारी धीरज प्रकाश के निर्देशानुसार मेराल प्रखंड के उच्च विद्यालय बाना में सड़क सुरक्षा विषयक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि व्यस्क होने पर ही ड्राइविंग लाइसेंस बनवाएं और वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीटबेल्ट का प्रयोग करें। सड़क पर मोबाइल का उपयोग पूरी तरह से वर्जित बताया गया। जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक संजय बैठा एवं विनय रंजन तिवारी समेत अन्य कर्मी इस अवसर पर उपस्थित थे।

अवैध बालू लदे ट्रैक्टर की खबर निकली अफवाह

भंडरिया। सोमवार रात भंडरिया थाना क्षेत्र से अवैध बालू लदे ट्रैक्टर पकड़े जाने की अफवाह फैली थी, जिसे थाना प्रभारी अभिजीत गौतम मिश्र ने गलत बताया। दरअसल, ट्रैक्टर रमकंडा थाना क्षेत्र से रमकंडा अंचल अधिकारी द्वारा जब्त किए गए थे। भंडरिया थाना क्षेत्र में इस प्रकार की कोई गतिविधि नहीं हुई है।

अबुआ आवास योजना में लापरवाही पर 17 लाभुकों पर प्राथमिकी

नवीन मेल संवाददाता

मेराल। गोंदा पंचायत के 17 लाभुकों पर अबुआ आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण कार्य शुरू नहीं करने के कारण प्राथमिकी दर्ज की गई है। बीडीओ सतीश भगत के निर्देश पर पंचायत सचिव परमानंद पाठक ने बुधवार को थाना में आवेदन देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की। लाभुकों को 2023झ24 में प्रथम किस्त के रूप में ?30,000 की राशि दी गई थी। कई बार नोटिस देने के बावजूद कार्य प्रारंभ नहीं होने पर यह कदम उठाया गया। नामजद लाभुकों में शकुंतला देवी, चंद्रावती देवी, सुमन देवी, मनोईया देवी, राहुल पांडे, प्रियंका देवी, गुड्डु उरांव, जीतन देवी समेत अन्य शामिल हैं।

ग्रीष्मावकाश के बाद प्रोजेक्ट रेल परीक्षा का आयोजन

◂◂ छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर दिखाई शैक्षणिक जागरूकता

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। प्रखंड के सभी स्कूलों में बुधवार को प्रोजेक्ट रेल परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा डायट परिषद और झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसमें कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। हिंदी, गणित, अंग्रेजी, पर्यावरण अध्ययन सहित विभिन्न विषयों की परीक्षा ली गई। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी नवीन प्रकाश ने बताया कि छात्रों ने अनुशासित तरीके से भाग लिया और उनमें उत्साह स्पष्ट रूप से देखने को मिला। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक क्षमताओं का आंकलन करना और शिक्षकों को उनके आवश्यक शैक्षणिक सहयोग प्रदान करने में सहायक बनाना है। यह परीक्षा राज्य स्तर पर शिक्षण गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसमें शिक्षक और छात्र दोनों की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही।

पूजा-पाठ — मंदिर में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़, दिखा उत्साह

नव निर्मित शिव मंदिर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेराल। रेजो गांव के चौबे टोला में सोमवार शाम नव निर्मित शिव मंदिर प्रांगण में भव्य संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। इस आयोजन में बाना गांव की महावीर मानस मंडली के दिवाकांत पाठक के सान्निध्य में सुंदरकांड का पाठ हुआ। इस अवसर पर लालमणि चौबे, पत्रकार रामाशंकर चौबे, अवध किशोर चौबे, परशुराम चौबे, अलखनारायण चौबे सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शिव पूजन व सरस्वती वंदना के साथ रामचरितमानस का पाठ प्रारंभ हुआ

यजमान गौतम चौबे ने वैदिक विधि से पूजन किया। मंडली में विजय चौधरी, प्रदीप ठाकुर, मोहन साह, हरिचरण ठाकुर, रामू यादव, अरुण ठाकुर सहित कई सदस्यों ने गायन में भाग लिया। मंगलाचरण, गणेश वंदना, शिव पूजन और सरस्वती वंदना के साथ रामचरितमानस का पाठ प्रारंभ हुआ। मंदिर का निर्माण राजकुमार चौबे के वंशजों द्वारा हाल ही में पूरा किया गया था, और यह पहला धार्मिक कार्यक्रम था।

दो कंप्यूटर ऑपरेटरों का स्थानांतरण

केतार। उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्र ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत कार्यरत दो लेखपाल-सह-कंप्यूटर ऑपरेटरों का प्रशासनिक दृष्टि से स्थानांतरण किया है। अनूप बैठा को केतार से बरडीहा भेजा गया है जबकि अशोक चौधरी को बरडीहा से केतार स्थानांतरित किया गया है। दोनों अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अविलंब कार्यभार ग्रहण करें।

न्यायालय, उपायुक्त –सह– जिला दण्डाधिकारी, लातेहार

अनुमति वाद संख्या–115/2025 आम इस्तेहार

आवेदक साहेब गंझू, पिता–कईल गंझू, ग्राम–खिजुरीयाडीह बनवार, पो0–चेड़रा, थाना–बारियातु, जिला–लातेहार द्वारा मेसर्स एस0एम0 स्टील्स एण्ड पॉवर लिमिटेड, कार्यालय पता–ब्लॉक डी0पी0 पांचवा टॉवर, प्रथम तल्ला यूनिट 504 सेक्टर–5 कोलकत्ता वेस्ट बंगाल–700058 के साथ भूमि बिक्री हेतु अनुमति के लिए छोटानागपुर कास्तकारी अधिनियम की धारा–49 के अंतर्गत आवेदन पत्र दाखिल किया है।

भूमि का विवरण

मौजा	खाता	प्लॉट	रकबा
बनवार	7	6	0.24
		5	0.15
		कुल–	0.39 डी0

एतद् द्वारा हर आम व खाश को सूचित किया जाता है कि इस भूमि अंतरण के विरूद्ध किसी को आपत्ति हो, तो स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी के न्यायालय में आम–इस्तेहार निर्गत की तिथि से एक पक्ष (15 दिनों) के अंदर आपत्ति दायर कर सकते है। समय सीमा समाप्ति के बाद प्राप्त आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

प्रभारी उप समाहर्त्ता,
जिला विधि शाखा, लातेहार

PR 354669 (District)25-26*D

कार्यालय : जिला परिषद, चतरा

(E.mail: districtboardchatra@gmail.com)

सूचना

जिला परिषद द्वारा हण्टरगंज प्रखण्ड अन्तर्गत निर्मित किसान भवन को एक वर्ष के लिए बंदोबस्ती /लीज पर उपलब्ध कराया जाना है। परिसम्पति विवरणी निम्नवत् हैः–

क्र. स.	जिला परिषद द्वारा निर्मित भवन	क्षेत्रफल	बन्दोबस्ती की सुरक्षित राशि एक वर्ष का	जमानत की राशि तीन माह का
1	2	3	4	5
2	किसान भवन हण्टरगंज	1806 sqft	48000/	12000/

अतएव सूचित करना है कि दिनांक 21/06/2025 को 3:00 बजे अपराह्न में उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद,चतरा के सभागार में अद्योहस्ताक्षरी द्वारा या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा उपरोक्त परिसम्पतियों के बन्दोबस्ती प्रक्रिया की जायेगी।

जो व्यक्ति बन्दोबस्ती में भाग लेना चाहते हैं आवेदन के साथ 2000.00 (दो हजार) रू0 का बैंक ड्राफ्ट जो उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिशद,चतरा के पदनाम से देय हो जमा कर निम्नलिखित शर्तो का अनुपालन करते हुए निर्धारित समय पर डाक में भाग ले सकते हैं,जो लौटाया नहीं जायेगा।

शर्त :–
1. बन्दोबस्ती एक वर्ष के लिए की जायेगी।
2. डाक बोलने वाले को डाक में भाग लेने हेतु कॉलम–5 में वर्णित राशि जमानत के रूप में बैंक ड्राफ्ट द्वारा उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,जिला परिषद,चतरा के पदनाम से जिला परिषद,कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। असफल जमाकर्ताओं की जमानत की राशि वापस कर दी जायेगी।
3. उच्चतम बोली द्वारा निर्धारित राशि पर बंदोबस्तीधारी को सरकार द्वारा निर्धारित GST भुगतान करना होगा।
4. डाक में भाग लेने वाले व्यक्तियों को अपना पहचान पत्र /पैन कार्ड की अभिप्रमाणित प्रति जमा करना अनिवार्य होगा तथा मूल कागजात साथ में सत्यापन हेतु प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
5. बन्दोवस्तधारी द्वारा सभी शर्तो को पुरा करने की स्थिति में निबंधित एकरारनामा किया जाना अविवार्य होगा। एकरारनामा के पश्चात् डाकबंगला आवंटित होगा।
6. बन्दोबस्तीधारी को बन्दोबस्ती राशि का 25% जमानत राशि एवं 25% भवन का संचालन हेतु एकरारनामा के समय जमा करना अनिवार्य होगा।
7. निर्धारित निबंधन एवं एकरारनामा स्टाम्प शुल्क की राशि बन्दोबस्तधारी को स्वयं वहन करना होगा।
8. अद्योहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये डाक को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।
9. किसी भी प्रकार का विवाद होने पर चतरा जिला अन्तर्गत न्यायालय के jurisdiction में सुनवाई होगी।

कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, चतरा

PR 354678 District (25-26)_D

उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक
पदाधिकारी, जिला परिषद, चतरा

जिला अभियंता का कार्यालय जिला परिषद, लातेहार

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण–सूचना

निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 05 वर्ष 2025–26 D.M.F.T मद

1. विज्ञापन दाता का नाम : जिला अभियंता,जिला परिषद, लातेहार।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि : 18.06.2025 (अपराहन् 01:00 बजे तक)
3. परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : जिला अभियंता,जिला परिषद, लातेहार।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : 19.06.2025 को 01:00 बजे अपराहन् तक
5. निविदा प्राप्ति, का स्थान :जिला नियंत्रण कक्ष,(पुलिस अधीक्षक, लातेहार के कार्यालय के समक्ष)
6. निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थान : 19.06.2025 को 03:00 बजे अपराहन्, कार्यालय जिला परिशद, लातेहार।
7. कार्य का विस्तृत विवरण :–

ग्रुप संख्या	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य पूर्ण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1	लातेहार जिला के नगर पंचायत अन्तर्गत भारत माता भवन के सामने Paver Block, शेड का निर्माण एवं विविध कार्य।	13,97,708	28,000	2,500	01 माह

8. परिमाण विपत्र भारतीय स्टेट बैंक से निर्गत ही मान्य होगा जो **जिला अभिंयता, लातेहार** के पदनाम से देय होगा एवं भारतीय स्टेट बैंक, लातेहार में भुगतेय होगा। परिमाण विपत्र का मूल्य लौटाया नहीं जायेगा।
9. अग्रधन की अंकित राशि (NSC) 05 वर्षीय/03 वर्षीय/डाकघर सावधि जमा पत्र/03 वर्षीय/05 वर्षीय/बैंक सावधि जमा पत्र (F.D) 05 वर्षीय/03 वर्षीय, कम्पनी के मामले में झारखण्ड राज्य के राष्ट्रीयकृत बैंक का B.G जो **जिला अभियंता, लातेहार** के नाम से प्रतिज्ञिप्त (प्लेज) कराते हुए निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
10. उक्त निविदा में जिला परिषद, लातेहार अन्तर्गत समुचित श्रेणी में निबंधित संबंधित प्रखण्ड के संवेदक ही भाग ले सकेंगे।
11. वैसे संवेदक जिनके पास पूर्व से D.M.F.T अन्तर्गत ली गयी योजना लंबित है उन्हे B.O.Q निर्गत नहीं किया जाएगा।

जिला अभियंता
जिला परिषद, लातेहार

PR 354767 (Rural Development)25-26*D

टोरी कोल साइडिंग में अपराधियों ने की गोलीबारी, बाल-बाल बचा कर्मी

सुरक्षा संकट

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। टोरी रेलवे फाटक के समीप स्थित कोल साइडिंग में मंगलवार रात अज्ञात अपराधियों ने गोलीबारी की। अपराधियों ने साइडिंग पर बने कंटेनर रूम को निशाना बनाया, जहाँ कर्मचारी बैठे थे। एक गोली लोहे की चादर को भेदती हुई एक छोर से दूसरे छोर तक निकल गई, जो एक कर्मचारी से मात्र एक फीट की दूरी से गुजरी। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई। चंदवा पुलिस को सूचना दी गई, परंतु अपराधी भाग चुके थे। घटनास्थल से कोई पर्चा बरामद नहीं हुआ है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। थाना प्रभारी रणधीर कुमार ने पुष्टि की कि अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध थाना कांड संख्या 125/25 दर्ज किया गया है। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि गोलीबारी किसी उग्रवादी संगठन की ओर से थी या आपराधिक समूह की।

कुआं सूखने की खबर पर प्रशासन सक्रिय, मरम्मत का दिया भरोसा

खबर का असर

नवीन मेल संवाददाता

बारियातू। शिबला पंचायत के मकरा गांव स्थित बघौता टोला में कुएं के सूख जाने की खबर 'राष्ट्रीय नवीन मेल' में प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद प्रशासन हरकत में आया। बीडीओ अमित कुमार पासवान ने पंचायत सेवक प्रकाश कुमार एवं पंचायती राज समन्वयक पंकज पांडेय को मौके पर भेजा।

जांच में पाया गया कि पूरण राम व भुनेश्वर राम के घर के पास स्थित कुएं में पानी समाप्त हो गया है और शेष कुएं का जल दूषित है। ग्रामीणों ने तत्काल मरम्मत की मांग की। पंचायत सेवक ने कहा कि मुखिया योजना को ऑनलाइन करवाएं, रिपोर्ट भेजी जाएगी और मरम्मत के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

स्कूलों में तड़ित चालक नहीं बच्चों की जान जोखिम में

बेतला (लातेहार)। बरवाडीह प्रखंड क्षेत्र के किसी भी स्कूल में तड़ित चालक (लाइटनिंग अरेस्टर) नहीं लगा है। प्लस टू हाई स्कूल सरईडीह से लेकर सभी अपग्रेडेड मिडिल और प्राइमरी स्कूल वज्रपात से सुरक्षा विहीन हैं। मानसून की दस्तक से पहले यह लापरवाही बच्चों की जान के लिए खतरा बन सकती है। क्षेत्र में पिछले वर्षों में वज्रपात की कई घटनाएं घट चुकी हैं। केचकी मिडिल स्कूल के पास भी बीते वर्ष वज्रपात हुआ था, जिसमें कई लोग बाल-बाल बचे थे। इसके बावजूद स्कूलों में सुरक्षा के कोई उपाय नहीं किए गए हैं।

चिरईकटवा टोला में बोरिंग से बुझी प्यास

बरवाडीह (लातेहार)। चुँगरू पंचायत अंतर्गत हेहेगड़ा चिरईकटवा टोला के ग्रामीणों को छह महीने बाद पीने का शुद्ध पानी नसीब हुआ है। पेयजल संकट से जूझ रहे इस टोले में मंगलवार को पीएचईडी विभाग ने बोरिंग कराकर जलापूर्ति शुरू की। नल और चापाकल के सूख जाने से लोग दूषित जल पीने को मजबूर थे। ग्रामीणों की शिकायत पर सहायक अभियंता प्रशांत कुमार पांडेय के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई हुई। अब बोरिंग से पानी मिलने से लोगों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस प्रकार की निगरानी भविष्य में भी बनाए रखने की मांग की है।

एनएच-39 पर ट्रक ने सवारी गाड़ी को मारी टक्कर, छह घायल

मनिका (लातेहार)। बुधवार को एनएच-39 पर नदबेलवा स्कूल के पास एक ट्रक ने पीछे से एक सवारी गाड़ी को टक्कर मार दी, जिससे आधा दर्जन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को सदर अस्पताल लातेहार में भर्ती कराया गया है। घायलों में चार महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया, परंतु ट्रक को पुलिस ने जब्त कर लिया है। यह लोग बहेराटांड़ कोइलगढ़ा से शादी समारोह में भाग लेने दोमुहान ग्राम जा रहे थे।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान 15 जून से, 269 गांवों में लगेंगे विकास शिविर

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने बुधवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के अंतर्गत 15 जून से 30 जून तक जिले के सभी प्रखंडों में शिविरों का आयोजन होगा। जनजातीय गौरव वर्ष 2025 के तहत लातेहार के अनुसूचित जनजाति बहुल 90 पंचायतों के 269 गांवों में ये शिविर लगेंगे।

शिविर में आदिम जनजाति सहित ST वर्ग के नागरिकों को आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान योजना, जनधन खाता, पेंशन योजनाएं, और पीएम विश्वकर्मा योजना सहित कई सेवाएं दी जाएंगी। विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे, और प्रखंड स्तर के पदाधिकारी शिविरों में भाग लेंगे।

प्रेस वार्ता में समेकित जनजातीय विकास प्राधिकरण के निदेशक प्रवीण कुमार गगराई ने बताया कि यह अभियान ST समुदाय के जीवनस्तर को उठाने हेतु चलाया जा रहा है। जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन एवं आईटीडीए के कर्मी भी मौके पर मौजूद थे।

फसल बीमा योजना की समीक्षा बैठक में 445 त्रुटिपूर्ण आवेदन चिन्हित

- सत्यापन उपरांत DLMC में होगा प्रस्तुत

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में जिला स्तरीय फसल बीमा निगरानी समिति (DLMC) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी ने बताया कि 'बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना रबी 2024' के तहत चना, आलू, सरसों एवं गेहूं की फसलों का बीमा ICICI लोम्बार्ड कंपनी द्वारा कराया गया है। इस योजना से कुल 4297 किसानों के 3964.576 हेक्टेयर क्षेत्र का बीमा किया गया है। बीमा कंपनी द्वारा जानकारी दी गई कि 445 किसानों के आवेदन त्रुटिपूर्ण पाए गए हैं, जिनमें कुल 3721 त्रुटियाँ चिन्हित की गई हैं। बैठक में निर्णय लिया गया कि इन त्रुटियों की हार्ड कॉपी जिला प्रबंधक द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी और उनका सत्यापन कर अगली DLMC बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। बैठक में अपर समाहर्ता रामा रविदास, जिला सहकारिता पदाधिकारी जगमनी टोपनो, जिला कृषि पदाधिकारी अमृतेश कुमार सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, गव्य, मत्स्य और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बीडीओ ने दिए आवास निर्माण जल्द पूरा करने के निर्देश

मयूरहंड (चतरा)। प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार ने बुधवार को कदगांवा कला पंचायत के विभिन्न गांवों में प्रधानमंत्री आवास योजना का निरीक्षण किया। सेवई कला, मखरौल और गोरीया गांवों में कई अधूरे आवास पाए गए। बीडीओ ने लाभुकों को सख्त निर्देश दिया कि वे निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करें, अन्यथा अग्रिम भुगतान की राशि वसूल की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मुखिया अशोक कुमार, पंचायत सचिव विश्वजीत कुमार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मयूरहंड में नशा मुक्त भारत की दिलाई गई शपथ

मयूरहंड (चतरा)। प्रखंड कार्यालय परिसर में बुधवार को 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत बीडीओ मनीष कुमार ने पदाधिकारियों और कर्मियों को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं। नशे से बचाकर ही उनकी शक्ति का सकारात्मक उपयोग संभव है। शपथ में सभी ने संकल्प लिया कि वे स्वयं को और समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

कदगांवा कला में आयोजित हुआ राजस्व शिविर

मयूरहंड (चतरा)। बुधवार को कदगांवा कला पंचायत सचिवालय में राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। इसमें प्रभारी अंचल अधिकारी मनीष कुमार, राजस्व कर्मचारी, अंचल लिपिक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर मौजूद थे। शिविर में म्यूटेशन, शुद्धीकरण, उत्तराधिकार और जमीन बंटवारे से संबंधित कई आवेदन प्राप्त हुए। मौके पर पंचायतवासियों को जागरूक भी किया गया। अगला शिविर मयूरहंड पंचायत सचिवालय में आयोजित होगा।

हेरहंज में राजद कार्यकर्ताओं ने लालू यादव का 78वां जन्मदिन मनाया

नवीन मेल संवाददाता

हेरहंज। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संस्थापक लालू प्रसाद यादव का 78वां जन्म दिवस प्रखंड कार्यालय परिसर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र यादव ने की। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए और लालू यादव के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई।

इस अवसर पर पार्टी की नीतियों, सामाजिक सरोकारों और संगठन को मजबूत करने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने पार्टी के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

शौण्डिक समाज की बैठक में सामाजिक सम्मेलन पर चर्चा

- सामाजिक चेतना

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। थाना टोली स्थित शिव मंदिर में शौण्डिक जयसवाल समाज की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता महेंद्र प्रसाद साहू ने की। बैठक में स्वर्गीय प्रहलाद प्रसाद उर्फ लादू बाबू के 10वें शहादत दिवस को लेकर चर्चा हुई, जिसे आगामी 15 जून को बुधबाजार मैदान में श्रद्धांजलि समारोह के रूप में मनाया जाएगा। दुर्घटनाग्रस्त अशोक साहू को आर्थिक सहायता देने की बात कही गई। इसके अलावा विजय कुमार की हत्या की निंदा की गई और प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। समाज के लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी। बैठक में समाज के सैकड़ों सदस्य मौजूद थे।

लाधुप हाई स्कूल का निरीक्षण जल्द +2 में उन्नयन का प्रयास

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। लातेहार विधायक प्रकाश राम के निर्देश पर उनके प्रतिनिधि आदर्श रविराज ने लाधुप उच्च विद्यालय का निरीक्षण किया। प्रधानाध्यापक शिवबचन पांडेय ने बताया कि विद्यालय का इस वर्ष का मैट्रिक परिणाम 100% रहा है, लेकिन पुस्तकालय, शौचालय, खेल मैदान की बाउंड्री, बिजली और जलापूर्ति की समस्या है। रविराज ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि लाधुप पंचायत की दूरी को देखते हुए इस विद्यालय को इंटरमीडिएट (+2) में अपग्रेड करने का प्रयास किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान युवा मोर्चा अध्यक्ष विनय कुमार, राजेश गंझु और अंकित कुमार मौजूद थे।

उपायुक्त ने किया बालिका आश्रय गृह और बालक गृह का निरीक्षण

- दिव्यांग बच्चियों के लिए रिनपास रांची में आश्रय की योजना
- चतरा में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ की अनुपस्थिति पर जताई चिंता, बाल कल्याण के लिए दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। उपायुक्त कीर्तिश्री ने बुधवार को चतरा जिले में स्थित बालिका आश्रय गृह और बालक गृह का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बाल कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य, मानसिक विकास और अन्य व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की।

बालिका आश्रय गृह में आवासित बच्चियों से संवाद कर उपायुक्त ने उनके रहन-सहन, खानपान, शिक्षा और स्वास्थ्य की जानकारी ली। विशेष रूप से गृह में रह रही 8 दिव्यांग किशोरियों के मानसिक व बौद्धिक विकास की आवश्यकता को देखते हुए रिनपास रांची के समीप किसी उपयुक्त आश्रय गृह में उन्हें स्थानांतरित करने पर विचार किया गया। उपायुक्त ने यह स्पष्ट किया कि चतरा जिले में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ की अनुपस्थिति एक गंभीर चुनौती है, जिससे केवल सामान्य भरण-पोषण तक ही सीमित सेवाएं दी जा रही हैं। इसके अलावा उपायुक्त ने निर्देश दिया कि वर्तमान में प्राइवेट भवन में संचालित बालिका आश्रय गृह को सरकारी भवन में स्थानांतरित किया जाए ताकि संरचनात्मक व प्रशासनिक स्थायित्व मिल सके। बालक गृह चतरा के निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी बच्चों से व्यक्तिगत मुलाकात कर उनके दैनिक कार्यों, पोषण, शिक्षा और देखभाल की व्यवस्था की समीक्षा की। अधीक्षक ओमप्रकाश कुमार ने बच्चों की दैनिक दिनचर्या और समय-सारणी की जानकारी दी।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने उन 12 नाबालिग बच्चों से भी मुलाकात की, जिन्हें 10 जून को मानव तस्करों के चंगुल से रेस्क्यू कर बाल संरक्षण इकाई द्वारा गृह में शरण दी गई थी। बताया गया कि इन बच्चों को बहलाकर रोजगार दिलाने के नाम पर अन्य राज्यों में ले जाया जा रहा था। इसके बाद उपायुक्त ने चतरा कॉलेज में निर्माणाधीन पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण दल में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, जिला नियोजन पदाधिकारी मन्नू कुमार, जिला खेल पदाधिकारी तुषार रॉय, डीसीपीओ अरुणा प्रसाद सहित अन्य अधिकारी भी शामिल रहे।

घर में अवैध तरीके से घुसा युवक ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

- बाद में थाने से छोड़ने पर भड़के लोग
- महिलाओं की सतर्कता व ग्रामीणों की तत्परता से बड़ी घटना टली
- कार्रवाई नहीं होने पर पुलिस पर उठा सवाल

नवीन मेल संवाददाता

कुंदा (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार की रात एक व्यक्ति के मकान में घुसकर भागने के प्रयास में पकड़े गए युवक को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए युवक को रंगेहाथ पकड़ा और पुलिस को सौंप दिया, लेकिन युवक को बाद में थाने से छोड़ दिया गया, जिससे लोगों में आक्रोश है।

घटना कुंदा के एक मोहल्ले की है। आवेदनकर्ता के अनुसार, रात करीब 10 बजे बिहार के शेरघाटी थाना क्षेत्र के बिहटी बीघा निवासी सुरभि रंजन, पिता–बिरेंद्र सिंह, गलत नियत से घर में घुसा। घर में पुरुष सदस्य अनुपस्थित थे। मौका पाकर आरोपी युवक नगद व गहना लेकर भागने की कोशिश कर रहा था। तभी वहां मौजूद महिलाओं ने शोर मचाया और मोहल्लेवासियों को बुलाया।

ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए युवक को पकड़ लिया और तत्काल पुलिस को सौंप दिया। परंतु सूत्रों के अनुसार, कुंदा पुलिस ने युवक को बिना किसी ठोस कानूनी कार्रवाई के छोड़ दिया। इससे क्षेत्र में पुलिस की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं।

ग्रामीणों ने थाने में लिखित आवेदन देकर आरोपी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि पुलिस लापरवाही नहीं बरतती तो घटना की निष्पक्ष जांच हो पाती। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस की यह नरमी भविष्य में अपराधियों को प्रोत्साहित कर सकती है।

थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और रिपोर्ट तैयार की जा रही है। उधर, ग्रामीणों ने पुलिस के वरीय अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग की है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लातेहार

अति अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना (पर्यटन मद)

संख्या – EE/RDSD/LATEHAR/11/2025-26

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	लातेहार जिलान्तर्गत बरवाडीह प्रखण्ड में स्थित कमलदह झील को विकास कार्य योजना (शौचालय, बैठने की व्यवस्था, गजेबो, पेयजल, दुकान एवं पेबर ब्लॉक का अधिष्ठापन कार्य)	2290018	46000	5000	3 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 11.06.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 11.06.2025 से दिनांक 18.06.2025 को अपराहन 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –20.06.2025 अपराहन 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06565796434
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लातेहार

PR 354642 Rural Development (25-26)_D

e-Procurement Cell
Office of the Executive Engineer,
Building Construction Department, Building Division, Daltonganj,

Very Short Term E-Quotation Invitation Notice

RATE PURPOSE ONLY

Quotation Reference No -09/E.E.,BCD/Building Div. Daltonganj/2025-26

Sealed Quotations are invited for the work **Contruction of Weigh Bridge and Operator Room with 1000 MT Godown at Panki And Haidernagar in District Palamu** for all Materials from Reputed Shop Keepers/ Manufacturers/Suppliers/Retailers/Distributors and Registered B.C.D. Contractors for following items. They should quote their rates for unit mentioned in the table. If they do not deals all of the below mentioned items then they are allowed to quote their rate for part of the items which ever they deals. The rates should be exclusive of all types of Taxes, GST, Contractor's Profit and overhead charges etc. but inclusive of Royalty. All Rates should be exclusive of Labour Cess.

Terms and Condition
1. The quotationer shall furnish Pan,GST registration no.
2. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
3. The undersigned reserves the right to accept or reject/cancel any or all quotations without assigning any reason there of.

नोट :–(1)वेबसाइट में ई–कोटेशन प्रकाशन की तिथि : 14.06.2025 के अपराह्न 3:00 बजे।
(2)वेबसाईट में ई–कोटेशन अपलोड की अंतिम तिथि : 20.06.2025 के अपराह्न 3:00 बजे तक।
(3)ई–कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय 22.06.2025 अपराह्न 3:30 बजे।
(4)ई–कोटेशन आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल डालटनगंज, पलामू।
(5)ई–कोटेशन प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 : 9430783582
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

Nodal Officer,e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer
Building Construction Department,
Building Division, Daltonganj.

PR 354741 (District)25-26*D

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान/महिला/कुडू/कुजरा/कैरो, लोहरदगा।
(Email Id- principalitilohardaga@gmail.com)

नामांकन सूचना

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक सत्र 2025–26–27 में नामांकन से संबंधित सूचना

निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक– 801 दिनांक–10.06.2025 के द्वारा ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि विस्तारित की गई है, के आलोक में NCVT/SCVT से मान्यता प्राप्त लोहरदगा जिला के सभी सरकारी (LWE सहित), औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, यथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कुजरा/कुडू/महिला/कैरो, लोहरदगा के शैक्षणिक सत्र 2025–26–27 में नामांकन के लिए योग्य आवेदकों से जो झारखण्ड राज्य के स्थायी/स्थानीय निवासी की श्रेणी में आते हैं और नीचे दिये गये शैक्षणिक योग्यता धारित करते हैं, उनसे ऑनलाईन (https://iti.jharkhand.gov.in Admission Tab) आवेदन–पत्र आमंत्रित किये जाते है।

2. न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता:–
क) सीट मेटल वर्कर, वायरमैन, मेशन (बिल्डिंग कन्स्ट्रक्टर), पेन्टर (जेनरल) पलम्बर, वेल्डर, वेल्डर (GMAW & GTAW), वेल्डर (Fabrication & Fitting), सीविंग टेक्नोलॉजी, काटिंग एण्ड सीविंग, कारपेन्टर (New Name- Wood Work Technician), सर्फेश अर्नामेंटेशन टेकनिक्स एवं वीबिंग टेक्नीशियन फॉर सिल्क एण्ड वुलन फैब्रिक्स व्यवसायों में नामांकन के लिए आवेदक को आठवीं (8वीं) कक्षा में उत्तीर्णता आवश्यक है।
ख) उपरोक्त कंडिका में अंकित व्यवसायों को छोड़कर शेष अन्य सभी व्यवसायों में नामांकन के लिए आवेदक को दसवी (10वीं) कक्षा में उत्तीर्णता आवश्यक है।

3. महत्वपूर्ण तिथियाँ

क्रं0सं0	विवरणी	तिथि
1	ऑनलाईन रजिस्ट्रेषन एवं आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि	20.05.2025
2	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि (विस्तारित तिथि)	22.06.2025 अपराहन 5:00 बजे तक।
3	औपबंधिक मेधा सूचियों (आठवीं एवं दसवीं कक्षा) का प्रकाषन	25.06.2025 अपराहन 5:00 बजे
4	औपबंधिक राज्य मेधा सूचियों में शामिल आवेदकों द्वारा प्राप्तांक/प्राप्तांक प्रतिशत, कोटि एवं अन्य प्रविष्टियों में त्रुटि सुधार की अवधि	26.06.2025 से 28.06.2025
5	अंतिम मेधा सूचियों (आठवीं एवं दसवीं कक्षा) का प्रकाषन	30.06.2025

Time Schedule for 1st Round of online Couselling

Sl.No.	Activity	Date	
1	Choice filling of Trade (s) and/or ITI (s)	03.07.2025	10.07.2025
2	Seat Allotment and Downloding provisional seat Allotment Letter	13.07.2025	30.07.2025
3	Admission in the concerned ITI	13.07.2025	30.07.2025

Time Schedule for 2nd Round of online Couselling

Sl.No.	Activity	Date	
1	Choice filling of Trade (s) and/or ITI (s)	02.08.2025	08.08.2025
2	Seat Allotment and Downloding provisional seat Allotment Letter	13.08.2025	23.08.2025
3	Admission in the concerned ITI	13.08.2025	23.08.2025

शेष कंडिकायें निदेशालय पत्रांक–639 एवं पत्रांक–640 दिनांक–07.05.2025 के आलोक में यथावत् रहेगी।

प्राचार्य
नोडल औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कुजरा, लोहरदगा

PR 354735 Lohardaga(25-26)#D

डीएमओ की अगुवाई में जिलेभर में चला छापेमारी अभियान

अवैध बालू खनन करते तीन ट्रैक्टर जब्त, चालक फरार

● एनजीटी के आदेश के बावजूद बदस्तूर जारी था बालू खनन

नवीन मेल संवाददाता

एनजीटी के आदेश का शत प्रतिशत अनुपालन कराने के प्रति खनन विभाग संवेदनशील : डीएमओ

वही डीएमओ राजाराम प्रसाद ने कहा कि एनजीटी के आदेश का शत प्रतिशत अनुपालन कराने के प्रति खनन विभाग संवेदनशील होकर कार्य कर रही है। इसे प्रभावी बनाने को लेकर नियमित रूप से बालू घाटों का निरीक्षण किया जाएगा। अगर कोई भी व्यक्ति बालू का अवैध खनन व परिवहन करते पकड़ा जाता है तो उपसर विधि सम्मत कार्रवाई किया जाएगा।

लोहरदगा। जिले में अवैध बालू खनन और परिवहन पर शिकंजा कसते हुए खनन विभाग व पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर खनन विभाग व लोहरदगा पुलिस द्वारा सेन्हा थाना क्षेत्र के एकागुड़ी टंगराटोली में छापेमारी की गई। मामले को लेकर डीएमओ राजाराम प्रसाद ने बुधवार अहले सुबह सेन्हा थाना कांड संख्या 64/2025 दर्ज कराया है। जिला खनन पदाधिकारी राजाराम प्रसाद ने बताया कि उपायुक्त के निर्देशानुसार मंगलवार की रात में एनजीटी के आदेश को प्रभावी बनाने को लेकर खनन विभाग एवं पुलिस के द्वारा जिला अंतर्गत विभिन्न घाटों पर छापेमारी अभियान चलाया गया। कुडू, सेन्हा, कैरो व सदर प्रखंड अंतर्गत विभिन्न बालू घाटों का निरीक्षण किया गया। मंगलवार रात से बुधवार सुबह तक यह छापेमारी अभियान चली। जिसमे खनन विभाग को सफलता प्राप्त हुई। जहां अवैध रूप से बालू लदे तीन ट्रैक्टर पकड़े गए।

हालांकि पुलिस को देखते ही सभी ट्रैक्टर चालकों ने मौके से भागने की कोशिश की और अंधेरे व झाड़ियों का लाभ उठाकर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि दिनांक 10 जून की रात करीब 9 बजे पुलिस केंद्र से स० अ० नि० राजेश तिर्की के नेतृत्व में सशस्त्र बलों के साथ छापेमारी दल रवाना हुआ था। 11 जून की तड़के करीब 4:20 बजे तीन ट्रैक्टरों को बालू से लदा पाया गया। जांच के दौरान इनमें रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित नहीं थे और प्रत्येक ट्रैक्टर में लगभग 80 घनफीट बालू लदा हुआ था। तीनों ट्रैक्टरों को जब्त कर थाना परिसर में सुरक्षित रखवाया गया है। खनन विभाग द्वारा सभी ट्रैक्टर को पकड़कर सेन्हा थाना को सुपुर्द किया गया। जिसपर एनजीटी के आदेश का उल्लंघन करने व अवैध रूप से बालू खनन व परिवहन करने का आरोप है। बताया गया कि उक्त क्षेत्र की कोयल नदी से बालू उठाव की कोई वैध अनुमति नहीं है। वर्तमान में मानसून सत्र के दौरान एनजीटी के निर्देशानुसार बालू खनन पूरी तरह प्रतिबंधित है। ऐसे में यह कार्रवाई न केवल खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 4 और 21 का उल्लंघन है, बल्कि झारखंड लघु खनिज नियमावली 2004 तथा माननीय एनजीटी के आदेशों का भी स्पष्ट उल्लंघन है। यह सरकारी राजस्व की चोरी का मामला भी बनता है। खनन विभाग ने अज्ञात ट्रैक्टर मालिकों एवं फरार चालकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

ग्यारह हजार वोल्ट के करंट से दो मवेशियों की मौत

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा। भंडरा थाना क्षेत्र के बड़ागाईं गांव में एक दुखद घटना सामने आई है जहां खेत में चर रहे दो मवेशी 11 हजार वोल्ट के बिजली तार की चपेट में आकर मौत का शिकार हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब स्थानीय किसान मोतीलाल ठाकुर की गाय और उसकी बछिया खेत में चर रही थीं। किसान मोतीलाल ठाकुर ने बताया कि खेत के पास पहले से ही एक हाई वोल्टेज बिजली का तार गिरा हुआ था, जिसकी जानकारी ग्रामीणों ने कई बार बिजली विभाग को दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी लापरवाही के कारण उसके दो मवेशी करंट की चपेट में आ गए। इस हादसे में लगभग 30,000 का आर्थिक नुकसान हुआ है। मोतीलाल ठाकुर ने बताया कि वह गाय के दूध से घर चलाते थे। गाय की मौत से उनकी आजीविका पर गहरा असर पड़ा है। बछिया से उन्हें भविष्य में आशा थी, लेकिन दोनों की असमय मृत्यु से उनका जीवन और भी कठिन हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन और बिजली विभाग से मांग की है कि इस तरह की लापरवाही पर अंकुश लगाया जाए और पीड़ित किसान को उचित मुआवजा दिया जाए।

घटना के बाद भी बिजली विभाग की ओर से अब तक कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है, जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते गिरे हुए तार को हटाया गया होता तो यह हादसा टल सकता था।

हाईवोल्टेज तार की चपेट में आने से युवक की मौत

कुडू। आम तोड़ने के दौरान दर्दनाक हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान कुडू रहमतनगर बटम मुहल्ला निवासी असलम अंसारी के 27 वर्षीय पुत्र परवेज अंसारी के रूप में हुई है। यह हृदयविदारक घटना तब घटी जब परवेज आम के पेड़ पर चढ़कर आम तोड़ रहा था और ऊपर से गुजर रही हाईवोल्टेज बिजली की तार की चपेट में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिमा स्थित सीदरा पेट्रोल पंप के समीप परवेज जब पेड़ पर चढ़ा हुआ था, तभी उसका हाथ बिजली के तार से छू गया। जोरदार करंट लगते ही वह जोर से चिल्लाया और पेड़ से नीचे गिर गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। परिजन अफरा-तफरी में कुडू अस्पताल पहुंचे लेकिन तब तक परवेज की सांसें थम चुकी थीं। मृतक परवेज़ की पत्नी के अलावा दो बेटा और बेटियां हैं। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना

(अपहृत प्रमोद कुमार, उम्र–15 वर्ष)

रमना थाना कांड सं0–96/2021 दिनांक–05.10.2021 के कांड में अपहृत प्रमोद कुमार उम्र–15 वर्ष, (गुंगा है) पिता–चंद्रमोहन यादव, ग्राम–बुल्का, थाना–रमना, जिला–गढ़वा, राज्य–झारखण्ड के रहने वाले हैं। यह लड़का दिनांक–05.10.2021 को मंटु कुमार के टेम्पु में बैठकर रमना बाजार आया हुआ था, परन्तु अपने घर वापस नहीं लौटा है। उक्त अपहृत प्रमोद कुमार का काफी खोजबीन किया गया परन्तु अबतक पता नहीं चल सका है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त अपहृत लड़का किसी व्यक्ति को कहीं दिखे या इनके कहीं होने के बारे में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की लाभप्रद सूचना प्राप्त हो तो कृपया पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0– 9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

हुलिया :–रंग–गोरा, बाल–काला, लम्बाई–05 फिट, शरीर–समान्य,
मानसिक स्थिति–असमान्य, पहनावा–शर्ट एवं जिन्स,
पहचान–दोनों भौं के बीच कटे का निशान,
बोली–गुंगा है परंतु हां, बाबा, एव ना शब्द बोल पाता है।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा

PR 354688 (Police)25-26*D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना

(लापता खुशबू देवी, उम्र करीब–27 वर्ष)

डंडई थाना सनहा सं0–10/2025, दिनांक–03.06.2025 में लापता खुशबू देवी, उम्र करीब–27 वर्ष, पति–नन्दलाल कुमार चन्द्रवंशी, ग्राम–लवाही खूर्द, थाना–डंडई, जिला–गढ़वा, राज्य–झारखण्ड के रहने वाली है। यह महिला दिनांक–01.06.2025 को बिना किसी को बताये कहीं चली गयी है जो अबतक घर वापस नहीं आयी है। उक्त लापता महिला खुशबू देवी का काफी खोजबीन किया गया परन्तु अबतक पता नहीं चल सका है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि लापता महिला किसी व्यक्ति को कहीं दिखे या इनके कहीं होने के बारे में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की लाभप्रद सूचना प्राप्त हो तो कृपया पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0–9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

हुलिया :– रंग–गोरी, लम्बाई–05 फीट 06 इंच, भाषा–स्थानीय भाषा,
बनावट–सामान्य, चेहरा–गोल, पहनावा–साड़ी एवं ब्लाउज।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक, गढ़वा

PR 354685 Police (25-26)_D

उपायुक्त ने किया ईवीएम-वेयरहाउस का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी डॉ ताराचंद ने ईवीएम-वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस अवसर पर राजनीतिक दलों के साथ हुई बैठक में मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम में अपना सहयोग देने की अपील की। साथ ही, वैसे मतदाता जिनका नाम हटाया/जोड़ा जाना है उनका नाम हटाने/जोड़ने के लिए सहयोग करने की अपील की। नए वोटर को जोड़ने के लिए अर्हता तिथियों से अवगत कराया गया।

सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से जिला में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाता सूची में सुधार हेतु होने वाले कार्य मे सहयोग की अपील की गई। उप निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा निर्वाचन के विभिन्न सर्कुलर कुछ बिंदुओं में हुए बदलाव से अवगत कराया। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, एनडीसी अभिनीत सूरज व विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सेन्हा व कैरो में आम महोत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा। प्रखंड मुख्यालय परिसर में बुधवार को आम महोत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन किया गया. आम महोत्सव में प्रखंड क्षेत्र के कई किसान अपने-अपने बागवानी से लंगड़ा, दशहरी, आम्रपाली सहित अनेकों किस्म के आम लाये और प्रदर्शनी के रूप में दिखाया जिसे प्रखंड और अंचल कर्मी तथा अन्य ने खरीदा. मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी संग्राम मुर्मू ने कहा कि बागवानी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकार द्वारा बिरसा हरित ग्राम योजना चला रही है. जिसे बहुत कम लागत में किसान आम बागवानी कर अच्छी आमदनी कर रहे हैं. साथ ही कहा कि बागवानी के लिए पेड़ तैयार होते तक देखभाल करना जरूरी है. प्रमुख फुलझरी देवी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के किसान मनरेगा योजना से आम बागवानी करें जिसे आम बागवानी कर आप सभी आय वृद्धि कर उन्नति कर सकते हैं. बागवानी के साथ-साथ खेती भी कर सकते हैं. मौके पर आम महोत्सव सह बागवानी मेला में महाबीर उरांव, प्रदीप कुमार महली समेत अन्य किसान उपस्थित थे।

कैरो प्रखंड मुख्यालय परिसर में आम महोत्सव में प्रखंड क्षेत्र के कई कई किसान अपने अपने बागवानी से लँगड़ा, दशहरी, आम्रपाली आदि किस्मो के आम लाए और प्रदर्शनी के रूप में रखे जिन्हें प्रखंड अंचल कर्मी व अन्य ने खरीदें। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी छंदा भटाचार्य ने कहा कि बागवानी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकार योजनाएं चला रही है बहुत कम लागत में किसान बागवानी कर अच्छी आमदनी कर सकते हैं उन्होंने कहा कि बागवानी के लिए उन्हें अच्छी तरह से देखभाल करना जरूरी है आम की मांग बहुत ज्यादा है यह एक ऐसी बागवानी है जिसे एक बार लगाने मेहनत करने के बाद कई वर्षों तक लाभ उठा सकते है। अंचलाधिकारी कुमारी शिला उराँव ने कहा कि आर्थिक उन्नति का एक अच्छा रास्ता बागवानी है किसान बागवानी को अपना कर फलो के उत्पादन के साथ साथ खेती भी कर सकते है और अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार ला सकते हैं। मौके पर अमन कुमार, अमित कुमार, बिनोद रविदास, गजाला परवीन, परवेज अंसारी आदि उपस्थित थे।

जिला स्तरीय आम उत्सव-सह-बागवानी मेला कल

लोहरदगा। ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड, रांची के निर्देश पर मनरेगा के बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत कल को सुबह 9 बजे से जिला स्तर पर एक दिवसीय आम उत्सव-सह-बागवानी मेला का आयोजन समाहरणालय मैदान, लोहरदगा में किया जाएगा। इसमें जिला कृषि कार्यालय, जिला उद्यान कार्यालय, जेएसएलपीएस, नाबार्ड, प्रदान (एफपीओ), आदित्य हाईटेक नर्सरी सभी सातों प्रखंड कार्यालयों की ओर से कुल 19 स्टॉल लगाये जाएंगे। इनमें संबंधित विभागों/एनजीओ/नर्सरी द्वारा लोहरदगा जिला में उत्पादित सभी प्रजाति के आम, आम के उत्पाद, अन्य फलों की प्रजातिवार प्रदर्शनी और बिक्री की जाएगी। उप विकास आयुक्त, लोहरदगा के निदेश पर सभी प्रखंड मुख्यालयों में आम उत्सव-सह-बागवानी मेला का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार को भी आम उत्सव-सह-बागवानी मेला का आयोजन किया गया। आज प्रखंड स्तर पर अंतिम दिन यह कार्यक्रम आयोजित होगा।

झारखण्ड सरकार
कारा निरीक्षणालय
केन्द्रीय कारा मेदिनीनगर, पलामू

अल्पकालिक ई0–निविदा सूचना

e-TENDER : - HJ AND DM/CJ MEDININAGAR/Q3/2025/2214

1.	कारा का नाम	केन्द्रीय कारा मेदिनीनगर, पलामू।
2.	विषय	कारा में संसीमित बंदियों के भोजनादी की व्यवस्था हेतु विभिन्न प्रकार खाद्यान्नों, हरी सब्जियों, आलु, फल, मांस, सरसों का तेल, चीनी एवं अन्य विविध सामग्रियों के क्रय/आपूर्ति के निमित्त ई०–निविदा का आमंत्रण। (तृतीय त्रैमासिक निविदा दिनांक 01.07.2025 से 30.09.2025 तक)
3.	निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non Refundable) Online स्वीकार की जायेगी।	5000.00 (पाँच हजार) मात्र।
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र के उपलब्धता की तिथि एवं समय	तिथि– 23.06.2025 से 28.06.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
5.	निविदा Online upload करने की तिथि	तिथि– 23.06.2025 से 28.06.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
6.	आपूर्ति हेतु खाद्य सामग्रियों का नमूना (Sample) जमा करने की तिथि।	तिथि– 26.06.2025 से 28.06.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
7.	अग्रधन राशि (EMD) (2500/– से अधिक होने पर) जमा करने की तिथि	तिथि– 26.06.2025 से 28.06.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
8.	निविदा के खुलने की तिथि/ समय/स्थान	दिनांक 01.07.2025 को पूर्वाहन 11.30 बजे, अधीक्षक, केन्द्रीय कारा मेदिनीनगर, पलामू के कार्यालय वेश्म में अपर समाहर्त्ता, पलामू की उपस्थिति में।

नोट :–
1. उपर्युक्त निविदा झारखण्ड सरकार के वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in पर केवल e-Tender के माध्यम से प्राप्त/स्वीकृत की जायेगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online ही स्वीकार की जायेगी।
3. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक, केन्द्रीय कारा, मेदिनीनरग, पलामू के कार्यालय में कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को Online upload करने से संबंधित जानकारी हेतु कार्यालय अवधि में Helpline No. 9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

अधीक्षक
केन्द्रीय कारा मेदिनीनगर, पलामू

PR 354730 (District) 25-26 (D)

निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग रोकने के लिए निकाली गई जागरूकता रैली

नवीन मेल संवाददाता

कुडू। महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड के द्वारा निषुद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने हेतु चलाये जा रहे जागरूकता सह प्रचार प्रसार अभियान के तहत सीडीपीओ सोनिया मंजुल के नेतृत्व में आंगनबाडी सेविका और सहायिकाओं ने बुधवार को कुडू में जागरूकता रैली निकाली रैली प्रखण्ड मुख्यालय परिसर से शुरू होकर आसपास के पोषक क्षेत्र में घुमी इस दौरान हाथों में पोस्टर-बैनर के माध्यम से लोगों को नशा उन्मूलन के प्रति जागरूक किया गया। विशेषकर किशोरों, युवाओं और माता-पिता को नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया गया।

डीसीएलआर ने योजनाओं का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

भरनो। भरनो प्रखंड में बुधवार को डीसीएलआर राजीव कुमार द्वारा विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा एवं स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने प्रखंड कार्यालय के सभागार में सीओ अविनाश कुजूर सहित अन्य प्रखंड कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, अबुआ आवास योजना, आम बागवानी योजना तथा जन वितरण प्रणाली सहित कई योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को योजनाओं को पारदर्शिता व गति से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए गए।

समीक्षा बैठक के उपरांत डीसीएलआर राजीव कुमार ने डोम्बा पंचायत के मदनपुर गांव का दौरा किया, जहां उन्होंने अबुआ आवास योजना के अंतर्गत रानी देवी एवं मरियम मिंज के निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया। दोनों लाभुकों को तीसरे किस्त की राशि प्राप्त हो चुकी थी और निर्माण कार्य प्रगति पर था। इसके अतिरिक्त उन्होंने आम बागवानी योजना के तहत किए गए कार्य का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान एक बड़े बरगद के पेड़ के नीचे बागवानी कराए जाने की बात सामने आई, जिसे उन्होंने स्थान चयन में गंभीर त्रुटि मानते हुए संबंधित रोजगार सेवक को शोकॉज नोटिस जारी किया। निरीक्षण के क्रम में किरण एसएचजी समूह द्वारा संचालित जन वितरण प्रणाली दुकान का भी अवलोकन किया गया। उन्होंने पाया कि दुकान सुचारू रूप से संचालित हो रही है और खाद्यान्न का नियमित वितरण किया जा रहा है।

इस मौके पर सीओ अविनाश कुजूर, बीपीओ मो. वसीम, जेई ब्रजेश उरांव, समन्वयक गणेश मुंडा, पंचायत सेवक व रोजगार सेवक सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। डीसीएलआर राजीव कुमार ने कहा कि योजनाओं का उद्देश्य तभी पूर्ण होगा जब इनका लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक समय पर और पारदर्शिता के साथ हो सके।

आज से शुरू होगी इग्नू की जून सत्रांत परीक्षा

लोहरदगा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की जून 2025 सत्रांत परीक्षा 12 जून से प्रारंभ होकर 19 जुलाई 2025 तक आयोजित की जाएगी। रांची क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत आने वाले स्टडी सेंटर 3614, बी.एस. कॉलेज, लोहरदगा में भी परीक्षा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न कराई जाएगी। परीक्षा केंद्र की कोऑर्डिनेटर डॉ. शशि गुप्ता ने बताया कि केंद्र में पंजीकृत सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://ignou.samarth.edu.in से अपना प्रवेश पत्र (हॉल टिकट) डाउनलोड करना अनिवार्य है। साथ ही परीक्षार्थियों को इग्नू द्वारा जारी फोटो पहचान पत्र के साथ निर्धारित समय पर परीक्षा केंद्र में उपस्थित होना होगा। डॉ. गुप्ता ने बताया कि परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन, स्मार्ट घड़ी, ईयरफोन या किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग पूर्णतः वर्जित रहेगा। परीक्षा केंद्र परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी और विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे इग्नू के दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन करें।

बीडीओ ने किया भीठा पंचायत में संचालित योजनाओं का निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा। बीडीओ प्रतिमा कुमारी ने भीठा पंचायत में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में स्वास्थ्य उप केंद्र नगड़ी का भी निरीक्षण किया इस संबंध में बीडीओ प्रतिमा कुमारी बताया कि भीठा पंचायत की मुकुंदा एवं नगड़ी गांव में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना अबुआ आवास योजना मनरेगा से संचालित विभिन्न योजनाएं सहित पंचायत से संचालित विभिन्न योजनाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के क्रम में आवश्यक दिशा निर्देश योजनाओं संबंधित कर्मियों को दी गई। बीडीओ ने निरीक्षण के क्रम में नगडी में संचालित स्वास्थ्य उपकेंद्र का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उपस्थित एएनएम सहित गांव की महिलाओं से स्वास्थ्य उप केंद्र से मिल रहे विभिन्न लाभों की जानकारी ली।महिलाओं ने बताया कि स्वास्थ्य उप केंद्र नियमित रूप से खुलता है। एएनएम सहित सहीया दीदी के द्वारा उन्हें स्वास्थ्य संबंधित विभिन्न योजनाओं का लाभ दी जाती है। मौके पर जनसेवक, उपमुखिया एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

सलाने उर्स मेला मंत्री डॉ इरफान व धीरज साहू ने कव्वाली कार्यक्रम का उद्घाटन किया, कहा-

जनता की सेवा ही मेरी पहली प्राथमिकता है

● 25 वर्षों के बाद उर्स में कव्वाली का आयोजन किया गया

नवीन मेल संवाददाता

डॉ अंसारी ने धीरज साहू के विषय में बताया

डॉ अंसारी ने धीरज साहू के विषय में कहा कि यह हमारे अभिभावक है जिन्होंने बड़ी लंबी दूरी तय करके कार्यक्रम स्थल पहुंचे हैं एवं हम सबों के बीच अपना बहुमूल्य समय हमे दिए है। उनके परिवार से हमारा संबंध दो पीढ़ी का है हमारे पिता के समय से धीरज बाबू एवं उनके परिवार से हम सबों का गहरा संबंध है। यह परिवार समाज की सेवा करने वाला परिवार है जिन्होंने हमेशा से जनता की सेवा की है। मौके पर उपस्थित धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि हमारा इस क्षेत्र के साथ बहुत ही पुराना रिश्ता रहा है।

लोहरदगा। हजारीबाग जिला के बरही में हजरत सैयदना महमूद गजनी के सलाने उर्स के अवसर पर, उर्स कमिटी ने कव्वाली मुकाबले का आयोजन किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी एवं विशिष्ट तिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू शामिल हुए। कव्वाली कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ इरफान अंसारी एवं धीरज प्रसाद साहू के द्वारा फीता काटकर किया गया। कमेटी के पदाधिकारी ने बताया कि 25 वर्षों के बाद उर्स मैं कव्वाली का आयोजन किया गया है। इसलिए हजारों की संख्या में कव्वाली प्रेमी आए हुए हैं। मौके पर उपस्थित स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि आप लोगों के बुलाने पर मैं पहली बार यहां आया हूं। मैं आपके भाई के जैसा हूं आपको जब भी मेरी जरूरत पड़े। आप मुझे एक आवाज देकर देखें। मेरा दरवाजा 24 घंटे झारखंड की जनता के लिए खुला है। मेरे भाई गोपाल साहू इस क्षेत्र मे अपना राजनीतिक एवं सामाजिक योगदान दिए हैं। मेरा पहला प्रयास रहता है की झारखंड की जनता को विकास की धारा से जोड़ना जिसके लिए मैं सदैव प्रयासरत रहता हूं। मैं आपसे यह वादा करके जा रहा हूं कि जब भी इस क्षेत्र को मेरी जरूरत पड़ेगी मैं आपके समक्ष उपस्थित रहूंगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बरही के पूर्व विधायक अकेला यादव, अरुण साहू, डॉ अजय नाथ शाहदेव, पप्पू चंद्रवंशी, हातिम अंसारी, निश्चय वर्मा के साथ कमेटी के सभी पदाधिकारी गण एवं हजारों की संख्या में कव्वाली प्रेमी उपस्थित थे।

कार्यालय–जिला आयुष समिति,चतरा
जिला संयुक्त औषधालय भवन (सदर अस्पताल परिसर) चतरा (झारखण्ड)825401
Email-chatraayush@gmail.com

–ःसूचनाः–

अभ्यर्थीयों को यह सूचित किया जाता है की विज्ञापन संख्या 1/ आयुश पत्रांक सं0 155 दिनांक 30.04.2025 जिला आयुष समिति, चतरा के अधीनस्थ जिलान्तर्गत सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष)/हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर(आयुष) /राजकीय आर्युदिक औषधालय/जिला संयुक्त औषधालय हेतु योग प्रशिक्षक पारिश्रमिक के आधार पर चयन हेतु दिनांक 15.05.2025 को आवेदन आमंत्रित किये गये थे सभी पात्र अभ्यर्थीयों को निम्नलिखत विवरण के अनुसार दस्तावेज सत्यापन में अनिवार्य रूप से सम्मिलित होना होगा। दस्तावेज सत्यापन हेतु निम्न प्रकार से तिथि, समय एवं स्थान निर्धारित कि गई है।

क्र	दस्तावेज सत्यापन की तिथि	समय	स्थान	Remakes
01	13.06.2025	11:00 A.M	सिविल सर्जन कार्यालय, चतरा के सभागार में।	दस्तावेज सत्यापन निर्गत टोकन नं0 के आधार पर होगा।

अभ्यर्थीयो के लिए सामान्य जानकारी एवं निर्देश –
1 सभी मुल प्रमाण पत्र /दस्तावेज।
2 एवं वैध फोटो पहचान पत्र(जेसे वांटर कार्ड, आधार एवं इत्यादी।
3 **शॉर्टलिस्ट अभ्यार्थी कि सूची जिला संयुक्त औषद्यालय चतरा के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित कि जाएगी।**
नोटः जो अभ्यर्थी दिनांक 13.06.2025 को दस्तावेज सत्यापन हेतु उपस्थित नही होगें उनकी दावेदारी स्वतः निरस्त मानि जाएगी एवं साक्षात्कार में सम्मिलित होने से वंचित रहेगें।
किसी भी अतिरिक्त जानकारी के लिए कृप्या सम्पर्क करें:Email-chatraayush@gmail.com

अनुमोदनार्थ संचिका उपस्थापित–

सिविल सर्जन, सह–अध्यक्ष योग प्रशिक्षक का चयन गठित कमिटि, चतरा

PR 354745 Health Med Edu and Family Welfare(25-26)#D

न्यूज बॉक्स

डीडीसी ने चल रहे विभिन्न योजनाओं का किया औचक निरीक्षण

घाघरा। घाघरा डीडीसी दिलेश्वर महतो ने बुधवार को घाघरा प्रखंड के बेलागड़ा पंचायत के कई गॉव में संचालित विभिन्न योजनाओ का स्थल निरीक्षण किया। इस क्रम में डीडीसी श्री महतो ने मसरिया डैम के पास बन रहे कैन्टीन एवं बिश्राम स्थल, रामचंद्र उरांव का बिरसा संवर्धन कूप निर्माण योजना का निरीक्षण किया। इस क्रम में उन्होंने रामचंद्र उरांव के बने कूप से कुल सिंचित होने वाली भूमि की जानकारी ली एवं खेत मे लगे मक्का की खेती को देख किसान को और बेहतर करने को लेकर प्रोत्साहित किया। आयुष्मान आरोग्य केंद्र में मरीजों से पूछताछ, दावा का स्टॉक एवं जांच की ब्यवस्था का अवलोकन किया। इस क्रम में डीडीसी श्री महतो अबुवा आवास के लाभुकों से मिले और जल्द आवास निर्माण को लेकर प्रेरित किया। इसके उपरांत श्री महतो ने प्रखंड कार्यालय के सभागार में प्रखंड कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक की और जनकल्याणकारी योजनाओं को जल्द पूरा करने जा जिर्देश पंचायत सचिव, रोजगारसेवक सहित अन्य कर्मियों को दिया। इस अवसर पर बीडीओ दिनेश कुमार, बीपीओ बेबी कुमारी, अशोक सहित अन्य लोग शामिल थे।

प्रखंड स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक

सिसई (गुमला)। प्रखंड कार्यालय के बीडीओ कक्ष में बुधवार को एसडीओ राजीव नीरज की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में एसडीओ ने अंचल कार्यालय, खाद्य आपुर्ती, स्वास्थ्य, मनरेगा, जेएसएलपीएस, शिक्षा, पीएचईडी, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीयों व संबंधित कर्मियों से विभागवार संचालित योजनाओं व प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने विभिन्न संचालित योजनाओं का निरंतर निरीक्षण करने, जन सरोकार की शिकायतों व समस्याओं को तत्काल दूर करने व सभी विकास योजनाओं को समय पर पुरा करने, पेयजल की समस्या को दूर करने, ससमय राशन वितरण करने, पोषक क्षेत्र के सभी स्कूलों में शत प्रतिशत नामांकन कराने, मौसमी बिमारी से पीड़ितों व अन्य रोगियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, स्वास्थ्य व स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने सहित कई तरह के दिशा-निर्देश दिया। इस मौके पर एसडीओ कार्यालय गुमला के स्टेनो कृष्ण नन्दन प्रसाद, सीओ नितेश रौशन खलखो, प्रधान सहायक राकेश कुमार सुमन, बीपीआरओ सुमराई किण्डो, एजीएम मिकखन टोप्पो, बीपीओ अराधना राय, कृषि पदाधिकारी दिलीप मिश्रा, एई उमा शंकर राम, आवास समन्वयक आयता मिंज, पंस रामजी उरांव, विनोद भगत, मोनिका मिंज, आलोक खेस, बजरंग उरांव, जेई अभिषेक कुमार, श्रवण कुमार सिंह, विष्णु उरांव, किरंजन उरांव, जगरनाथ लोहरा, अरुणा कुमारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मी मौजूद थे।

बंगलौर में मजदूरी कर रहे राजकुमार महली की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भरनो। भरनो प्रखंड के दक्षिणी भरनो पंचायत अंतर्गत कुम्हरो गांव के निवासी राजकुमार महली (21 वर्ष) की मौत बंगलौर में अचानक हो गई। बीते रविवार को राजकुमार को पेट में तेज दर्द हुआ, जिसके बाद उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। इस हृदयविदारक घटना से उसके परिजनों और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। राजकुमार करीब एक माह पहले ही अपनी पत्नी के साथ बंगलौर मजदूरी के लिए गया था। वह वहां नाभियां नामक कंपनी में कार्यरत था। हालात सामान्य थे, लेकिन अचानक तबीयत बिगड़ने से उसकी मौत ने सबको स्तब्ध कर दिया। कंपनी द्वारा सभी प्रक्रिया पूरी कर शव को मंगलवार देर शाम हवाई मार्ग से रांची भेजा गया। वहाँ से सड़क मार्ग द्वारा शव को कुम्हरो गांव लाया गया, जहाँ उसी शाम उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। राजकुमार की शादी अभी एक साल पहले ही हुई थी और वह अपनी पत्नी को भी अपने साथ बंगलौर लेकर गया था। पति की असमय मृत्यु से पत्नी और माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे।

ऑटो पलटने से एक की मौत, एक घायल

चैनपुर। चैनपुर थाना क्षेत्र के सुगसरवा गाँव के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना मंगलवार शाम को हुई जब केड़ेंग से भेलवातला जा रहा एक ऑटो अनियंत्रित होकर आम के पेड़ से टकराकर पलट गया।मृतक की पहचान सुगसरवा निवासी रणबीर मिंज (40 वर्ष) पिता स्वर्गीय रुडोल मिंज के रूप में हुई है। उनकी पत्नी सरोज मिंज गंभीर रूप से घायल हैं। ऑटो में सवार एक तीसरा व्यक्ति सुरक्षित बताया जा रहा है।मिली जानकारी के अनुसार, ऑटो मंगलवार शाम को केड़ेंग से भेलवातला की ओर जा रहा था। सुगसरवा के समीप अचानक ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक आम के पेड़ से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो पलट गया, जिससे रणबीर मिंज और सरोज मिंज गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही चैनपुर थाना के एएसआई निर्मल राय और संतोष लुगुन तुरंत घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने दुर्घटनाग्रस्त ऑटो को अपने कब्जे में लेकर थाने पहुंचाया। वहीं, दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए, दोनों को सदर अस्पताल गुमला रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल गुमला में इलाज के दौरान रणबीर मिंज ने दम तोड़ दिया।

साप्ताहिक जनशिकायत दिवस का आयोजन

गुमला (कामडारा)। कामडारा प्रखंड परिसर में बुधवार को आयोजित साप्ताहिक जनशिकायत निवारण दिवस के दौरान कुल 32 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 30 मामलों का मौके पर ही त्वरित निष्पादन करते हुए समाधान प्रदान किया गया। शेष 2 मामलों पर प्रक्रिया गत कार्रवाई जारी है, जिन्हें शीघ्र निष्पादित करने का भरोसा अधिकारियों ने दिया। प्राप्त शिकायतों में सबसे अधिक 13 मामले मैया सम्मान योजना से संबंधित थे, जबकि 9 शिकायतें पेंशन योजनाओं से जुड़ी हुई थीं। इसके अतिरिक्त, 7 आवेदन जन्म प्रमाण पत्र और 3 आवेदन मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित थे। कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभागों के पदाधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और यथासंभव मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया। इस पहल से आम नागरिकों में प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है।

नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता की अलख, महिलाओं की भूमिका सराहनीय

गुमला। जिला प्रशासन गुमला द्वारा निषिद्ध मादक पदार्थों की रोकथाम और जन-जागरूकता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रखंड और पंचायत स्तर पर विस्तृत अभियान चलाया जा रहा है। इस मुहिम के तहत आज जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों में संकल्प, रैली और संवाद के माध्यम से जनमानस को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नशा के विरुद्ध सामूहिक शपथ के साथ हुई। इसके पश्चात महिला स्वयं सहायता समूह की सक्रिय भागीदारी से जागरूकता रैलियों का आयोजन किया गया। रैली के दौरान महिलाओं ने हाथों में पोस्टर व बैनर लेकर नारे लगाए, पर्चे बांटे और आम जनता को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। रैली गांव-गांव, मोहल्लों से गुजरते हुए लोगों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में जानकारी देती रही। महिलाओं ने लोगों से अपील की कि वे स्वयं और अपने परिवार को नशा मुक्त बनाएं और इस सामाजिक बुराई के विरुद्ध एकजुट होकर प्रयास करें। इस अवसर पर उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने कहा कि "नशा मुक्त समाज का निर्माण तभी संभव है जब इसमें जनता की सक्रिय भागीदारी हो। प्रशासन इस अभियान में जन सहयोग को सर्वोपरि मानता है।"

असुर बहुल तिलवारी पाठ गांव का उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने किया दौरा

सभी मूलभूत समस्याओं के समाधान का दिया आश्वासन

- जलापूर्ति और विद्युत व्यवस्था पर विशेष निर्देश
- स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण व शिक्षा पर बल

नवीन मेल संवाददाता

तिलवारी पाठ में आत्मीय स्वागत व सीधा संवाद

असुर जनजाति के लगभग 35 परिवारों वाले तिलवारी पाठ गांव में उपायुक्त का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ स्वागत किया गया। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए उन्हें सभी सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने, पेयजल, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही उन्होंने दो माह के भीतर इन समस्याओं का समाधान करने का वादा किया।

चैनपुर (गुमला)। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने बुधवार को चैनपुर प्रखंड के अति दुर्गम एवं विशेष पिछड़ी जनजाति असुर समुदाय बहुल तिलवारी पाठ गांव का निरीक्षण कर ग्रामीणों की समस्याओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। दौरे के दौरान उन्होंने क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि दो माह के भीतर सभी आवश्यक सुविधाओं को दुरुस्त किया जाए। निरीक्षण की शुरुआत चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से हुई, जहाँ उपायुक्त ने चिकित्सा व्यवस्था, सफाई, जलापूर्ति, प्रकाश व्यवस्था एवं भवन की स्थिति की गहन समीक्षा की। अस्पताल भवन की जर्जर हालत को देखते हुए उन्होंने तत्काल प्रभाव से वैकल्पिक सुरक्षित भवन में अस्पताल संचालन का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने प्रखंड कार्यालय परिसर, पुस्तकालय भवन, प्रज्ञा केंद्र तथा अन्य विभागीय इकाइयों का निरीक्षण करते हुए नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

शिल्पहड़ी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र की खस्ताहाल स्थिति पर नाराजगी जाहिर करते हुए उपायुक्त ने उसकी शीघ्र मरम्मत का आदेश दिया। वहीं लोरोम्बा स्थित मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र में सेविकाओं की समस्याएं सुनकर त्वरित समाधान का आश्वासन दिया।

ग्रामीणों द्वारा जल-नल योजना और पीएचईडी से जुड़ी समस्याएं साझा करने पर उपायुक्त ने अभियंताओं को एक सप्ताह के भीतर समाधान सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही विद्युत आपूर्ति बाधित होने की शिकायतों पर पुराने ट्रांसफार्मरों को बदलकर हर घर तक बिजली पहुंचाने का निर्देश विद्युत विभाग को दिया गया।

दौरे के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित शिविर का भी निरीक्षण किया गया। उपायुक्त ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा, "प्रशासन आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा ही वह शक्ति है जो आपके भविष्य को उज्ज्वल बना सकती है।" उन्होंने पढ़ाई को प्राथमिकता देने की अपील की।

इस अवसर पर चैनपुर अनुमंडल पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता पीएचईडी एवं विद्युत विभाग, जिला शिक्षा अधीक्षक, प्रखंड विकास पदाधिकारी चैनपुर समेत संबंधित विभागों के कई अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रद्धा व उल्लास के बीच संपन्न हुआ जगन्नाथ मंदिर में देवस्नान उत्सव

नवीन मेल संवाददाता

भरनो। भरनो प्रखंड के करंज गांव स्थित ऐतिहासिक जगन्नाथ मंदिर में बुधवार को देवस्नान उत्सव का आयोजन परंपरागत विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भक्ति भाव से ओतप्रोत माहौल में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा की पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर के पुजारी उपेंद्रनाथ गिरी द्वारा कलश में स्थल जल से देवत्रयी के स्नान के साथ हुई। भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा को विधिपूर्वक स्नान कराने के बाद विशेष पूजा-अर्चना एवं आरती का आयोजन किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसे पाकर भक्त भाव-विभोर हो उठे। पुरोहित ने बताया कि देवस्नान पूर्णिमा के अगले दिन से महाप्रभु बीमार होने की लीला करते हैं। इस दौरान मंदिर के पट 15 दिनों तक बंद रहते हैं, जिसे अनवसर काल कहा जाता है। इसके बाद रथयात्रा का पर्व आता है, जब भगवान अपने भाई-बहन के साथ रथ पर सवार होकर भक्तों को दर्शन देने निकलते हैं। इस दिन को गुंडीचा महोत्सव के रूप में मनाया जाता है, और जगह-जगह मेलों का आयोजन भी होता है। इस भव्य आयोजन में मंदिर के संरक्षक कुंज बिहारी सिंह, रिपुसूदन सिंह, दिवाकर सिंह, अवध सिंह, संजय सिंह सहित कई गणमान्य लोग और श्रद्धालु उपस्थित रहे। जगन्नाथ मंदिर का यह वार्षिक उत्सव न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि ग्रामीण संस्कृति, आस्था और एकता का भी प्रतीक है।

समाहरणालय, लातेहार।
(भू–अर्जन शाखा)

परियोजना–नार्थ धादु (पश्चिमी भाग) कोयला खनन के लिए इस कार्यालय के पत्रांक–165 दिनांक–23.04.2025 के द्वारा M/s Social Action for Rural Development (SARDA) Chhotaki Murram Ramgarh Cantt. Ramgarh-829122 को S.I.A.(Social Impact Assessment) हेतु कार्यादेश निर्गत किया गया। **ग्राम–नवाडीह** में अधिग्रहित भूमि का रकबा–**193.27** एकड़ है, जिसकी विवरणी निम्नवत है–

क्रमांक सं0	ग्राम का नाम	थाना नं0	खाता सं0	प्लॉट सं0	भूमि का प्रकार	कुल खतियानी रकावा		अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)		खतियानी रैयत का नाम
						एकड़ में	हेक्टेयर में	एकड़ में	हेक्टेयर में	
1	नवाडीह	211	1	75	टांड़ दो नई परती एक साल	0.32	0.130	0.32	0.130	एतवा उरावं वो कंदना उराँव वो धुपो उराँव, पिता – बुधु उरावं, वो डोमा उरावं, पिता – लिधु उरावं, वो नगदेव उरावं, पिता – गोपाल उरावं, नन्दु उरावं वो जितना उराँव वो लालगी उराँव वो मंगरू उराँव, पिता – जतरू उराव
2		211	1	76	टांड़ एक	1.74	0.704	1.74	0.704	
3	नवाडीह	211	1	77	टांड़ दो नई परती एक साल	0.03	0.012	0.03	0.012	
4	नवाडीह	211	1	125	टांड़ एक	1.62	0.656	1.62	0.656	
5	नवाडीह	211	1	140	टांड़ एक	0.63	0.255	0.63	0.255	
6	नवाडीह	211	1	141	टांड़ एक	0.92	0.372	0.92	0.372	
7	नवाडीह	211	1	142	टांड़ एक	0.42	0.170	0.42	0.170	
8	नवाडीह	211	1	143	टांड़ एक	0.47	0.190	0.47	0.190	
9	नवाडीह	211	1	170	टांड़ एक	0.04	0.016	0.04	0.016	
10	नवाडीह	211	1	171	टांड़ दो नई परती एक साल	1.48	0.599	1.48	0.599	
11	नवाडीह	211	1	173	टांड़ एक नई परती एक साल	0.52	0.210	0.52	0.210	
12	नवाडीह	211	1	285	टांड़ दो नई परती एक साल	2.18	0.882	2.18	0.882	
13	नवाडीह	211	1	334	टांड़ एक	0.24	0.097	0.24	0.097	
14	नवाडीह	211	1	338	टांड़ एक	0.81	0.328	0.81	0.328	
15	नवाडीह	211	2	68	टांड़ एक	0.52	0.210	0.52	0.210	एतवा उराँव पिता – मंगरा उराँव
16	नवाडीह	211	2	104	टांड़ एक	0.40	0.162	0.40	0.162	
17	नवाडीह	211	2	105	टांड़ एक	0.84	0.340	0.84	0.340	
18	नवाडीह	211	2	292	धान दो	0.19	0.077	0.19	0.077	
19	नवाडीह	211	3	46	टांड़ एक	1.59	0.643	1.59	0.643	एतवा उरावं वो सुका उराँव, पिता – चरवा उरावं, वो कदरू उरावं वो रति उराँव वो जीता उराँव, पिता – मंगा उरावं, वो रामचरन उराँव, पिता – मंगला उराँव
20	नवाडीह	211	3	109	टांड़ एक	0.82	0.332	0.82	0.332	
21	नवाडीह	211	3	180	टांड़ एक	0.66	0.267	0.66	0.267	
22	नवाडीह	211	3	195	टांड़ एक	1.22	0.494	1.22	0.494	
23	नवाडीह	211	3	335	टांड़ दो नई परती एक साल	1.10	0.445	1.10	0.445	
24	नवाडीह	211	3	337	टांड़ दो नई परती एक साल	0.28	0.113	0.28	0.113	
25	नवाडीह	211	6	391	टांड़ एक	0.33	0.134	0.33	0.134	खदिया उराँव पिता – चौतू उराँव
26	नवाडीह	211	7	74	टांड़ दो नई परती एक साल	1.14	0.461	1.14	0.461	मोहम्मद खलील और एमडी सलीम पिता – रमजान मिया
27	नवाडीह	211	7	339	टांड़ एक	2.75	1.113	2.75	1.113	
28	नवाडीह	211	7	343	टांड़ एक	0.76	0.308	0.76	0.308	
29	नवाडीह	211	8	39	टांड़ एक	0.63	0.255	0.63	0.255	खुदुया उरावं, पिता – मांगा उरावं, वो जउरा उराँव वो धमा उराँव वो मुकुन्दा उराँव, पिता – मनीउराँव, वो देवलाल उरावं वो बोलवा उराँव वो रुपना उराँव, पिता – धुइला उरावं, वो धुजा उरावं, पिता – शुकु उरावं, वो बदरी उरावं वो बोलवा उराँव, पिता – मल्लु उरावं, वो बदरी उरावं, पिता – बुडु उरावं, वो मुस्मात फुलो कुंवर, पति – धउड़ा उरावं,
30	नवाडीह	211	8	66	टांड़ एक	0.65	0.263	0.65	0.263	
31	नवाडीह	211	8	116	टांड़ एक	1.23	0.498	1.23	0.498	
32	नवाडीह	211	8	137	टांड़ एक	1.31	0.530	1.31	0.530	
33	नवाडीह	211	8	174	टांड़ एक	0.99	0.401	0.99	0.401	
34	नवाडीह	211	8	175	टांड़ एक	0.51	0.206	0.51	0.206	
35	नवाडीह	211	8	176	टांड़ एक	1.21	0.490	1.21	0.490	
36	नवाडीह	211	8	177	टांड़ एक	0.91	0.368	0.91	0.368	
37	नवाडीह	211	8	178	टांड़ एक	0.70	0.283	0.70	0.283	
38	नवाडीह	211	8	179	मकान मय शहन	0.05	0.020	0.05	0.020	
39	नवाडीह	211	8	185	टांड़ दो नई परती एक साल	0.10	0.040	0.10	0.040	
40	नवाडीह	211	8	189	टांड़ एक	0.71	0.287	0.71	0.287	
41	नवाडीह	211	8	198	टांड़ एक	0.84	0.340	0.84	0.340	
42	नवाडीह	211	8	199	टांड़ एक	1.07	0.433	1.07	0.433	
43	नवाडीह	211	8	321	टांड़ एक	0.58	0.235	0.58	0.235	
44	नवाडीह	211	8	323	टांड़ एक	0.43	0.174	0.43	0.174	
45	नवाडीह	211	8	325	टांड़ एक	0.19	0.077	0.19	0.077	
46	नवाडीह	211	8	326	टांड़ एक	0.27	0.109	0.27	0.109	
47	नवाडीह	211	8	327	टांड़ एक	0.06	0.024	0.06	0.024	
48	नवाडीह	211	8	322	टांड़ दो नई परती एक साल	0.44	0.178	0.44	0.178	
49	नवाडीह	211	8	328	टांड़ एक	0.15	0.061	0.15	0.061	
50	नवाडीह	211	8	358	टांड़ एक	0.23	0.093	0.23	0.093	
51	नवाडीह	211	8	360	टांड़ एक	0.39	0.158	0.39	0.158	
52	नवाडीह	211	8	361	टांड़ एक	0.52	0.210	0.52	0.210	
53	नवाडीह	211	8	362	टांड़ दो नई परती एक साल	0.14	0.057	0.14	0.057	
54	नवाडीह	211	8	363	टांड़ एक	0.84	0.340	0.84	0.340	
55	नवाडीह	211	8	364	टांड़ एक	0.34	0.138	0.34	0.138	
56	नवाडीह	211	8	320	टांड़ एक	0.04	0.016	0.04	0.016	
57	नवाडीह	211	8	47	टांड़ एक	1.57	0.635	1.57	0.635	
58	नवाडीह	211	8	376	टांड़ एक	0.18	0.073	0.18	0.073	
59	नवाडीह	211	8	51	धान दो	0.58	0.235	0.58	0.235	
60	नवाडीह	211	4	246	धान दो	0.37	0.150	0.37	0.150	कोठिया उराँव, मंगला उराँव पिता – बुदा उराँव
61	नवाडीह	211	4	247	टांड़ एक	0.52	0.210	0.52	0.210	
62	नवाडीह	211	4	250	टांड़ एक	0.23	0.093	0.23	0.093	
63	नवाडीह	211	4	253	धान दो	0.26	0.105	0.26	0.105	
64	नवाडीह	211	4	254	धान दो	0.57	0.231	0.57	0.231	
65	नवाडीह	211	4	258	धान दो	0.20	0.081	0.20	0.081	
66	नवाडीह	211	4	260	धान दो	0.55	0.223	0.55	0.223	
67	नवाडीह	211	4	293	धान दो	0.64	0.259	0.64	0.259	
68	नवाडीह	211	4	296	धान दो	0.45	0.182	0.45	0.182	
69	नवाडीह	211	5	232	टांड़ एक	1.45	0.587	1.45	0.587	कोठिया उराँव, मंगला उराँव पिता –बुदा उराँव
70	नवाडीह	211	9	133	टांड़ एक	0.03	0.012	0.03	0.012	गुना उराँव और घूरा उराँव पिता सुकरा उराँव
71	नवाडीह	211	9	135	टांड़ एक	0.20	0.081	0.20	0.081	
72	नवाडीह	211	10	40	टांड़ एक	0.08	0.032	0.08	0.032	धुड़ा उरावं वो गुणा उराँव, पिता – सुकरा उरावं, वो धनलाल उरावं वो देवलाल उराँव, पिता – चेटमा उरावं, वो लक्षुमन उरावं, पिता – मंगरा उरावं,
73	नवाडीह	211	10	41	टांड़ एक	0.64	0.259	0.64	0.259	
74	नवाडीह	211	10	45	टांड़ एक	0.40	0.162	0.40	0.162	
75	नवाडीह	211	10	130	टांड़ एक	0.10	0.040	0.10	0.040	
76	नवाडीह	211	10	131	टांड़ एक	0.28	0.113	0.28	0.113	
77	नवाडीह	211	10	134	टांड़ एक	0.34	0.138	0.34	0.138	
78	नवाडीह	211	10	225	टांड़ दो नई परती एक साल	0.27	0.109	0.27	0.109	
79	नवाडीह	211	10	228	टांड़ एक	0.59	0.239	0.59	0.239	
80	नवाडीह	211	10	229	टांड़ एक	0.49	0.198	0.49	0.198	
81	नवाडीह	211	10	230	टांड़ एक	1.10	0.445	1.10	0.445	
82	नवाडीह	211	10	231	टांड़ एक	0.15	0.061	0.15	0.061	
83	नवाडीह	211	10	234	टांड़ एक	0.96	0.389	0.96	0.389	
84	नवाडीह	211	12	203	टांड़ एक	0.34	0.138	0.34	0.138	जगदेव उराँव, सहदेव उराँव पिता बंधना उराँव
85	नवाडीह	211	16	132	टांड़ एक	0.16	0.065	0.16	0.065	धनलाल उराँव और देबलाल उराँव पिता – चेतमा उराँव
86	नवाडीह	211	21	319	टांड़ एक	0.23	0.093	0.23	0.093	बद्री उराँव और कंदरास उराँव पिता – जतरु उराँव
87	नवाडीह	211	22	345	टांड़ दो नई परती एक साल	0.29	0.117	0.29	0.117	बद्री उराँव और बोलवा उराँव पिता – मतलु उराँव
88	नवाडीह	211	11	85	टांड़ दो नई परती एक साल	0.22	0.089	0.22	0.089	चौतु उराँव, भीखू उराँव, पिता– गंदूरा उराँव और बिगा उराँव, बुधुआ उराँव, पिता – लक्षु उराँव
89	नवाडीह	211	11	86	टांड़ दो नई परती एक साल	0.25	0.101	0.25	0.101	
90	नवाडीह	211	11	87	टांड़ दो नई परती एक साल	0.16	0.065	0.16	0.065	
91	नवाडीह	211	11	88	टांड़ दो नई परती एक साल	0.40	0.162	0.40	0.162	
92	नवाडीह	211	11	89	टांड़ एक	0.36	0.146	0.36	0.146	
93	नवाडीह	211	11	90	टांड़ एक	0.17	0.069	0.17	0.069	
94	नवाडीह	211	11	114	टांड़ एक	0.35	0.142	0.35	0.142	
95	नवाडीह	211	11	115	टांड़ एक	0.37	0.150	0.37	0.150	
96	नवाडीह	211	11	161	टांड़ एक	0.44	0.178	0.44	0.178	
97	नवाडीह	211	11	162	टांड़ एक	0.75	0.304	0.75	0.304	
98	नवाडीह	211	11	163	टांड़ एक	0.37	0.150	0.37	0.150	
99	नवाडीह	211	11	168	टांड़ एक	0.30	0.121	0.30	0.121	
100	नवाडीह	211	11	169	टांड़ एक	0.33	0.134	0.33	0.134	
101	नवाडीह	211	11	164	टांड़ दो नई परती एक साल	1.26	0.510	1.26	0.510	
102	नवाडीह	211	11	166	टांड़ दो नई परती एक साल	0.24	0.097	0.24	0.097	
103	नवाडीह	211	11	167	टांड़ दो नई परती एक साल	0.12	0.049	0.12	0.049	
104	नवाडीह	211	11	172	टांड़ दो नई परती एक साल	0.65	0.263	0.65	0.263	
105	नवाडीह	211	11	194	टांड़ एक	1.13	0.457	1.13	0.457	
106	नवाडीह	211	13	154	टांड़ एक	0.50	0.202	0.50	0.202	जगसाई उराँव पिता – बोलबा उराँव
107	नवाडीह	211	13	193	टांड़ एक	0.45	0.182	0.45	0.182	
108	नवाडीह	211	14	64	टांड़ एक	0.16	0.065	0.16	0.065	मुस्मात ताजो कुँवर पिता भंडारी उराँव
109	नवाडीह	211	14	65	टांड़ एक	0.51	0.206	0.51	0.206	
110	नवाडीह	211	14	294	टांड़ एक	0.14	0.057	0.14	0.057	
111	नवाडीह	211	14	101	टांड़ दो नई परती एक साल	1.14	0.461	1.14	0.461	
112	नवाडीह	211	14	269	टांड़ दो नई परती एक साल	0.82	0.332	0.82	0.332	
113	नवाडीह	211	14	316	टांड़ दो नई परती एक साल	0.03	0.012	0.03	0.012	
114	नवाडीह	211	15	311	टांड़ एक	0.52	0.210	0.52	0.210	मुस्मात ताजो कुँवर पिता भंडारी उराँव
115	नवाडीह	211	15	375	टांड़ एक	0.51	0.206	0.51	0.206	
116	नवाडीह	211	15	377	टांड़ एक	0.29	0.117	0.29	0.117	
117	नवाडीह	211	17	107	टांड़ एक	1.00	0.405	1.00	0.405	देवलाल उरावं वो बोलवा उराँव वो रुपना उराँव, पिता – कइला उरावं, वो धुजु उराँव, पिता – शुकु उरावं,
118	नवाडीह	211	17	108	टांड़ एक	0.87	0.352	0.87	0.352	
119	नवाडीह	211	17	221	टांड़ एक	0.53	0.214	0.53	0.214	
120	नवाडीह	211	17	222	टांड़ एक	0.63	0.255	0.63	0.255	
121	नवाडीह	211	19	262	टांड़ एक	0.50	0.202	0.50	0.202	पांचु उरावं वो चचू उराँव, पिता – सुखी उरावं, वो लालजी उरावं वो चन्दु उराँव, पिता – बुधु उरावं
122	नवाडीह	211	19	291	टांड़ एक	0.67	0.271	0.67	0.271	
123	नवाडीह	211	19	346	टांड़ एक	0.81	0.328	0.81	0.328	
124	नवाडीह	211	19	395	टांड़ एक	0.53	0.214	0.53	0.214	
125	नवाडीह	211	19	396	टांड़ एक	0.60	0.243	0.60	0.243	पांचु उरावं वो चचू उराँव, पिता – सुखी उरावं, वो लालजी उरावं वो चन्दु उराँव, पिता – बुधु उरावं
126	नवाडीह	211	19	397	टांड़ एक	0.15	0.061	0.15	0.061	
127	नवाडीह	211	19	398	टांड़ एक	0.14	0.057	0.14	0.057	
128	नवाडीह	211	19	262/410	टांड़ एक	0.04	0.016	0.04	0.016	
129	नवाडीह	211	20	67	टांड़ एक	0.55	0.223	0.55	0.223	चिखुआ उरावं वो तेगा उराँव वो विगन उराँव, पिता – सोमा उरावं, वो पुसा उरावं वो विरसा उराँव, पिता – करमा उराव
130	नवाडीह	211	20	305	टांड़ एक	0.57	0.231	0.57	0.231	
131	नवाडीह	211	20	306	टांड़ एक	1.06	0.429	1.06	0.429	
132	नवाडीह	211	20	324	टांड़ एक	0.19	0.077	0.19	0.077	
133	नवाडीह	211	20	329	टांड़ एक	0.39	0.158	0.39	0.158	
134	नवाडीह	211	20	330	टांड़ एक	0.51	0.206	0.51	0.206	
135	नवाडीह	211	20	331	टांड़ एक	0.10	0.040	0.10	0.040	
136	नवाडीह	211	20	359	टांड़ एक	0.24	0.097	0.24	0.097	
137	नवाडीह	211	20	342	टांड़ दो नई परती एक साल	0.92	0.372	0.92	0.372	
138	नवाडीह	211	23	81	टांड़ एक	0.54	0.219	0.54	0.219	बलदेव उरावं, पिता – गन्दुरा उरावं, वो बिसे उरावं, पिता – बुधु उरावं, वो भोला उरावं वो चरवा उराँव, पिता – बुधन उरावं, वो मकु उरावं, पिता – बन्धु उरावं, वो एतवा उराँव वो साधु उरावं वो शनि उराँव, पिता – सुकर उरावं
139	नवाडीह	211	23	118	टांड़ एक	0.39	0.158	0.39	0.158	
140	नवाडीह	211	23	119	टांड़ एक	0.29	0.117	0.29	0.117	
141	नवाडीह	211	23	218	टांड़ एक	0.26	0.105	0.26	0.105	
142	नवाडीह	211	23	121	टांड़ दो नई परती एक साल	0.17	0.069	0.17	0.069	
143	नवाडीह	211	23	122	टांड़ दो नई परती एक साल	0.20	0.081	0.20	0.081	
144	नवाडीह	211	23	123	टांड़ दो नई परती एक साल	0.17	0.069	0.17	0.069	
145	नवाडीह	211	23	82	टांड़ दो नई परती एक साल	0.76	0.308	0.76	0.308	
146	नवाडीह	211	23	83	टांड़ एक	0.48	0.194	0.48	0.194	
147	नवाडीह	211	23	111	टांड़ दो नई परती एक साल	0.20	0.081	0.20	0.081	
148	नवाडीह	211	23	219	टांड़ एक	0.24	0.097	0.24	0.097	
149	नवाडीह	211	23	220	टांड़ दो नई परती एक साल	0.19	0.077	0.19	0.077	
150	नवाडीह	211	23	407P	टांड़ एक	1.32	0.534	1.31	0.530	

ह0/–
जिला भू–अर्जन पदाधिकारी,
लातेहार

PR 354761 (Land Reforms) 25-26 (D)

सुप्रभात

विचार प्रवाह

किसी की निंदा न करें। अगर आप मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, तो जरूर बढ़ाएं। अगर नहीं बढ़ा सकते हैं, तो अपने हाथ जोड़िए, अपने भाइयों को आशीर्वाद दीजिए और उन्हें उनके मार्ग पर जाने दीजिए। - **स्वामी विवेकानंद**

संपादकीय

11 साल की लंबी सरकार

नेहरू और इंदिरा के कार्यकाल के बाद लंबा कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री की सूची में मोदी पहुंच चुके हैं। संभवतः भाजपा ने भी नहीं सोचा था कि 1984 में महज दो लोकसभा सीटों तक सिमटने वाली पार्टी कभी लगातार तीन संसदीय चुनावों में बाजी मारती रहेगी। इसमें शक नहीं कि यह उपलब्धि भारतीय जनता पार्टी को मोदी के नेतृत्व से ही हासिल हुई है। अगर जनता ने मोदी पर लगातार भरोसा जताया तो इसकी वजह है उनकी कार्यशैली। 2014 की जीत में लोगों की उम्मीदें थीं। इन उम्मीदों की वजह विकास का उनका गुजरात मॉडल रहा। लोगों की उम्मीदों को पूरा करने की उन्होंने जो कोशिश की, 2019 में उसे जनता का भरपूर साथ मिला। उनमें भरोसे की वजह ही थी कि उन्हें और ज्यादा भारी बहुमत से रायसीना की पहाड़ियों के बीच शपथ लेने का मौका मिला। इस कड़ी में देखें तो 2024 में बहुमत से दूर रह जाना खटकता है। लेकिन नहीं भूलना चाहिए कि दस साल के कार्यकाल में सभी की आशाओं का पूरा न होना स्वाभाविक है क्योंकि सभी को पूरा कर पाना संभव नहीं है। इसलिए कुछ लोग हो सकता है निराश भी रहे हों। जिसका असर चुनाव नतीजों पर दिखा। विपक्षी शून्य बता रहे पर मोदी के कार्यकाल की कई उपलब्धियां हैं। मोटे तौर पर सबसे बड़ा जो बदलाव दिखता है, वह है कि इस पूरी अवधि में देश में कोई बड़ा भ्रष्टाचार नहीं दिखा। ऐसा नहीं कि सरकारी तंत्र से भ्रष्टाचार पूरी तरह खत्म हो गया है। जमीनी स्तर पर सरकारी तंत्र की सोच में पारंपरिक भ्रष्टाचारी गंध है। मोदी सरकार के कार्यकाल में यह हुआ है कि भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसता रहा है। इस शिकंजे से न तो अधिकारी बाहर हैं और न ही राजनेता। तकरीबन पूरे देश में सरकारी तंत्र के कामकाज का अपना तरीका रहा है, उसकी अपनी गति रही है। लेकिन मोदी के नेतृत्व में अब कामकाज का तरीका बदला है। इसे समझने के लिए हाल ही में हुए दुनिया के सबसे ऊंचे पुल के उद्घाटन समारोह को देख सकते हैं। चिनाब पुल के उद्घाटन के वक्त जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब इस परियोजना की शुरूआत हुई, तब वे आठवीं में पढ़ रहे थे, अब वे पचपन साल के हैं और अब जाकर यह पूरा हो पाया है। मोदी के ग्यारह साल के शासन में तंत्र का कामकाज का तरीका बदला है। अब वह ज्यादा अनुशासित और लक्ष्यों को वक्त पर पूरा करने को लेकर ज्यादा प्रतिबद्ध हुआ है। नौकरशाही में गंभीरता तो है, लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में नौकरशाही पर तंत्र के दूसरे अंगों की बजाय ज्यादा भरोसा बढ़ने की वजह से तटस्थ लोगों की नजर में ब्यूरोक्रेसी कई मामलों में बेलगाम भी हुई है। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस समय मोदी सरकार अपनी 11वीं सालगिरह मनाने जा रही है, उसी वक्त विश्व बैंक की एक रिपोर्ट आई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान देश में गरीबों की संख्या 27.1 फीसद से घटकर 5.3 प्रतिशत रह गई है। इससे पहले बीते एक दशक में अत्यधिक गरीबी में जिंदगी गुजार रहे लोगों की दर 2011-12 में जहां 27.1 प्रतिशत रही, वह घट कर 5.3 फीसद रह गई है। यह तब हुआ है, जब विश्व बैंक ने गरीबी रेखा के लिए तीन डॉलर प्रतिदिन खर्च की सीमा कर दी है, जबकि इसके पहले यह सीमा 2.15 डॉलर प्रतिदिन थी। जाहिर है कि इसके पीछे 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अन्न योजना के साथ ही उज्ज्वला, मुद्रा आदि योजनाओं की कामयाबी रही है।

संभवत: भाजपा ने भी नहीं सोचा था कि 1984 में महज दो लोकसभा सीटों तक सिमटने वाली पार्टी कभी लगातार तीन संसदीय चुनावों में बाजी मारती रहेगी।

मोदी सरकार के शासन में कानूनी सुधारों ने दिया महिला सुरक्षा को नया रूप

2012 में क्रूर निर्भया कांड ने देश की अन्तरात्मा को झकझोर कर रख दिया था। इस घटना ने महिलाओं की सुरक्षा में भारत के कानूनी और प्रशासनिक ढांचे की गहरी कमियों को भी उजागर कर दिया था। अपर्याप्त पुलिस व्यवस्था, धीमी न्यायिक प्रक्रिया, पुराने पड़ चुके कानून और पीड़ितों के ना-काफी सहायता इंतजाम निराशाजनक तस्वीरें पेश कर रहे थे। 2014 तक, भारत एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा था। जनता में जबरदस्त आक्रोश था। लेकिन कानूनी तंत्र सुस्त पड़ा था। फास्ट ट्रैक कोर्ट महज एक अवधारणा थी, वास्तविकता नहीं। कोई एकल समाधान और केंद्र नहीं थे, कोई राष्ट्रीय महिला हेल्पलाइन नहीं थी, जांच तेज़ करने के लिए कोई फोरेंसिक (न्यायालयिक विज्ञान जांच) सहायता नहीं थी और इन उपायों के संचालन के लिए कोई समर्पित निधि भी नहीं थी। महिलाओं के मुद्दों को सामाजिक सरोकारों के तौर पर देखा जाता था-राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के रूप में नहीं।

मोदी युग : सुरक्षा से संरचनात्मक सशक्तिकरण तक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले 11 वर्षों के शासन में सुस्त आंशिक प्रतिक्रिया की जगह अब कानूनी सुधार, संस्थानों के दायित्वपूर्ण रवैये और हर महिला के सम्मान से संबधित दृष्टिकोण को मिशन-मोड में अपनाते हुए व्यापक बदलाव किया है।

कानूनी सुरक्षा, अब राष्ट्रीय प्रतिबद्धता

सरकार ने देश भर में फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (त्वरित न्याय प्रदान करने के लिए स्थापित विशेष न्यायालय) की स्थापना की शुरुआत की और आज ऐसी 745 अदालतें क्रियाशील हैं। इनमें 404 विशेष रूप से यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत मामलों को निपटाती हैं। वर्ष 2014 की तुलना में जब वन स्टॉप सेंटर (शारीरिक, यौन, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक शोषण का सामना करने वाली महिलाओं की सहायता और निवारण संबंधी केंद्र) अस्तित्व में नहीं थे, अब 820 से अधिक जिलों में ये पूरी तरह कार्यान्वित हैं जो हिंसा से प्रभावित किसी भी महिला को एक ही स्थान पर कानूनी सहायता, पुलिस हस्तक्षेप, आश्रय और परामर्श प्रदान करते हैं।

इस पारिस्थितिकी तंत्र के हिस्से के रूप में आरंभ की गई राष्ट्रीय महिला हेल्पलाइन 181 ने हर दिन चौबीसों घंटे 86 लाख से अधिक महिलाओं को आपातकालीन सहायता प्रदान की है। इसके अलावा, देश भर में 14,600 से अधिक पुलिस स्टेशनों (पुलिस थाने) में अब महिला हेल्प डेस्क स्थापित हैं, जिनमें महिला अधिकारी मौजूद हैं। यह महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराध की स्थिति में पहले बरते जाने वाली उदासीनता या यहां तक कि आक्रामकता के माहौल की अपेक्षा अधिक संवेदनशीलता और सहायता प्रदान करने के माहौल में बदल गए हैं। निर्भया कोष के ज़रिए सरकार ने वर्ष 2014 से पहले की ढुलमुल प्रतिक्रिया प्रणाली की तुलना में अब महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षा पर केंद्रित 50 से ज़्यादा बड़ी परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की है।

आज की **बात**

सुश्री सावित्री ठाकुर
माननीय राज्य मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

प्रगतिशील कानूनी संशोधन

आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 में कुछ आवश्यक सुधारों से शुरुआत के बाद अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और 2023 में संबंधित कानूनों के व्यापक संहिताबद्ध किए जाने से औपनिवेशिक युग के आपराधिक न्यायशास्त्र की जगह अब भारतीय संदर्भ में कानून परिभाषित किए गए हैं। नए कानूनों में महिलाओं के विरूद्ध सभी अपराधों को एक अध्याय में समेकित किया गया है। पीड़ित के बयानों को वीडियो-रिकॉर्ड किया जाना अनिवार्य बनाया गया है जिसमें संवेदनशीलता बरतने के लिए महिला मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में बयान दर्ज कराने को प्राथमिकता दी गई है। डिजिटल स्टॉकिंग (डिजिटल माध्यम से पीछा करना), वॉयरिज्म (रति क्रिया छुपकर देखना) और शादी के झूठे वादे कर शारीरिक शोषण जैसे अपराधों को पहली बार आपराधिक बनाया गया है। कानूनी प्रणाली में अब तेजाब हमलों, मानव तस्करी, सामूहिक बलात्कार और हिरासत में यौन हिंसा के विरूद्ध कठोर दंड की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, बलात्कार पीड़िता को प्राथमिकी दर्ज करने या आपातकालीन चिकित्सा देखभाल प्रदान न करना भी अपराध माना गया है। पुराने संरक्षणवादी प्रतिबंधों को हटाते हुए महिलाओं को अब कानूनी रूप से किसी भी क्षेत्र में और किसी भी समय काम करने की अनुमति है, जो उनके खुद निर्णय लेने की आजादी की पुष्टि करते हैं। महत्वपूर्ण प्रक्रियागत सुधार भी किए गए हैं जिनमें गवाहों की सुरक्षा और डिजिटल साक्ष्यों को मंजूरी देना शामिल है। यौन हिंसा के मामलों में पीड़ितों को न्याय दिलाने की प्रक्रिया को यह पुनर्परिभाषित करता है। ये सभी केवल संशोधन भर नहीं हैं - ये पीड़ितों को न्याय दिलाने की प्रणाली को पुनःस्थापित करते हैं।

कानून से परे भी सशक्तिकरण

कानूनी सुरक्षा के दायरे से परे, महिलाओं के प्रति सरकार का दृष्टिकोण सामाजिक, वित्तीय और डिजिटल सशक्तिकरण के व्यापक पहलुओं में कानूनी सुधार लाना है। मातृत्व अवकाश को अब 12 से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया गया है, और 50 से अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों में अब क्रेच (बच्चों की देखभाल) की सुविधा प्रदान करना आवश्यक है। महिलाएं अब सशस्त्र बलों में युद्धक-भूमिकाओं में सक्रियता से भाग ले रही हैं। वे सैनिक स्कूलों में प्रवेश पा रही हैं, प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दाखिला ले रही हैं, और स्थायी कमीशन प्राप्त कर रही हैं। ये ऐसे उल्लेखनीय बदलाव हैं जो पहले उनके लिए बहुत मुश्किल थे। तीन तलाक जैसी भेदभावपूर्ण प्रथाओं को कानूनी तौर पर समाप्त कर दिया गया है, साथ ही महिलाओं को अब पुरुष अभिभावक के बिना भी हज यात्रा करने की अनुमति है। न्याय प्रदान करने को अब समुदाय-आधारित नारी अदालतों और शी-बॉक्स 2.0 जैसे प्लेटफार्म के माध्यम से विकेंद्रीकृत और डिजिटीकृत किया गया है। इससे सीधे जमीनी स्तर पर समयबद्ध निवारण तंत्र सक्रिय हो गया है।

सुरक्षित, मजबूत भारत की शुरुआत कानूनी गरिमा से

वर्ष 2014 से पहले, महिलाओं की सुरक्षा को अक्सर नीति नहीं बल्कि सुर्खियों से प्रेरित प्रतिक्रियात्मक मुद्दे के रूप में देखा जाता था लेकिन आज यह शासन की संरचना में अंतर्निहित है जो वित्त पोषित, फोरेंसिक उपकरणों, कानूनी सुधार और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं द्वारा सहायता प्रदत्त है। अमृत काल में प्रवेश करने के साथ ही अब स्पष्ट दृष्टि है कि इस नए भारत में कोई भी महिला अकेली नहीं है। अब उसकी सुरक्षा विशेषाधिकार नहीं बल्कि सरकार की क्षमता से समर्थित संवैधानिक गारंटी है। यह यात्रा अभी जारी है, लेकिन महिलाओं की सुरक्षा में हम अब तक एक लंबा सफर तय कर चुके हैं। निरंतर राजनीतिक इच्छाशक्ति, सामाजिक भागीदारी और कानूनी प्रतिबद्धता के साथ, भारत निश्चित रूप से एक महिला के रहने, काम करने और नेतृत्व करने का सबसे सुरक्षित स्थान बन सकता है।

ऑनलाइन गेम्स का जाल : युवाओं के भविष्य पर एक अदृश्य हमला

आज के समय में तकनीक ने हमारे जीवन को आसान जरूर बना दिया है, पर इसके दुष्परिणामों से इनकार नहीं किया जा सकता। विशेषकर ऑनलाइन गेम्स और सट्टे जैसे ड्रीम11, आईपीएल फैंटेसी लीग, तीन पत्ती, पबजी, फ्री फायर, और न जाने कितनी डिजिटल लतें—जो आज के युवाओं को आकर्षित कर रही हैं—वो कहीं न कहीं उनकी मेहनत, सोच और वास्तविकता की पकड़ को कमजोर कर रही हैं। यह केवल एक मनोरंजन का साधन नहीं रह गया है, यह एक लत बन चुका है। युवाओं का कीमती समय, धन, ऊर्जा और मानसिक शांति सब कुछ इसकी भेंट चढ़ रही है। दुख की बात यह है कि ये प्लेटफॉर्म्स केवल आम लोगों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इन्हें बड़े-बड़े अभिनेता, क्रिकेटर और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर प्रमोट कर रहे हैं। जब बड़े चेहरों से यह सन्देश जाए कि "बस खेलो और जीतों", तो स्वाभाविक है कि आम युवा इस भ्रम में फंस जाएगा कि बिना मेहनत किए भी सब कुछ पाया जा सकता है। हजारों घर उजड़ रहे हैं, क्योंकि लोगों ने ऑनलाइन गेम्स में लाखों रुपये गवां दिए।युवा पढ़ाई-लिखाई छोड़कर मोबाइल स्क्रीन पर आंखें गड़ाए बैठे हैं।आत्महत्याएं बढ़ रही हैं जब हार का सदमा मानसिक संतुलन बिगाड़ देता है।पारिवारिक रिश्ते टूट रहे हैं, जब घर के बुजुर्ग अपने बेटे-बेटियों की बदलती आदतें नहीं समझ पा रहे। समस्या का मूलः आराम की तलाश आज की पीढ़ी के भीतर यह सोच गहराई से बिठा दी गई है कि मेहनत नहीं, चालाकी और शॉर्टकट ही सफलता की कुंजी है। यह सोच दीमक बन चुकी है, जो समाज, शिक्षा और संस्कारों को खोखला कर रही है। इस भ्रम को दूर करना समय की मांग है।

आपकी **बात**

वीणा देवांगन

अब समय है जागने का, जगाने का

- **घर से शुरुआत करें : माता-पिता बच्चों के साथ संवाद बढ़ाएं। उनके दिनचर्या पर ध्यान दें। प्यार से तकनीक का संतुलन सिखाएं।**
- **स्कूल और कॉलेज में जागरूकता अभियान चलें : डिजिटल लत और उसके दुष्परिणामों पर विशेष सत्र आयोजित हों।**
- **समाज के जागरूक लोग सामने आएं : शिक्षक, समाजसेवी, और युवा नेताओं को चाहिए कि वो खुद उदाहरण बनें और दूसरों को प्रेरित करें।**
- **सरकार को सख्त कदम उठाने होंगे : विज्ञापनों पर नियंत्रण, और गेमिंग कंपनियों के प्रमोशन पर निगरानी आवश्यक है।**
- **बात करें, सुनें और समझें : जो लोग इस लत में फंस चुके हैं, उनसे दूरी न बनाएं, बल्कि सहारा दें। एक अच्छा दोस्त, परिवार का साथ, या एक काउंसलर की मदद उन्हें वापस रास्ते पर ला सकती है।**

(veenavlogs@gmail.com)

झारखंड के गांवों में बाल श्रम की भेंट चढ़ता बचपन

राज्य की **बात**

मिथलेश दास
शोधार्थी, हिंदी विभाग, राधा गोविंद विवि, रामगढ़

झारखंड, जहां एक ओर खनिज और हरियाली की समृद्ध विरासत है, वहीं दूसरी ओर यह राज्य सामाजिक अन्याय और बाल अधिकारों के उल्लंघन का मूक साक्षी भी बनता जा रहा है। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस (12 जून) हर वर्ष हमें यह स्मरण कराता है कि बच्चों के हाथों में किताबें और खिलौने होने चाहिए, न कि औज़ार और ईंटें। किंतु झारखंड के सुदूर गाँवों में आज भी हजारों बच्चे अपने नन्हे कंधों पर गरीबी, शोषण और सामाजिक चुप्पी का बोझ ढो रहे हैं। ग्रामीण झारखंड में बाल श्रम की समस्या केवल आर्थिक नहीं है; यह सामाजिक असंवेदनशीलता, शिक्षा की उपेक्षा और प्रशासनिक उदासीनता का एक दुखद समुच्चय है। जिस उम्र में बच्चे स्कूल की घंटी सुनकर दौड़ लगाते हैं, उस उम्र में झारखंड का बच्चा सूरज निकलने से पहले जंगल से लकड़ी लाने या खेत जोतने निकल पड़ता है। झारखंड के गाँवों में बाल श्रम की सबसे बड़ी जड़ गंभीर आर्थिक असुरक्षा है। अधिकांश ग्रामीण परिवारों की मासिक आय इतनी कम होती है कि जीवनयापन के लिए हर सदस्य को श्रमिक बनना पड़ता है- यहाँ तक कि बच्चे भी। मजदूरी, कृषि कार्य, पशुपालन या जंगल से लकड़ी और कोयला इकट्ठा करने जैसे कामों में बच्चे शामिल किए जाते हैं। कई बार माता-पिता स्वयं अपने बच्चों को मजदूरी के लिए भेजते हैं, क्योंकि उनके लिए यह जीवन और मृत्यु के बीच का संतुलन बन जाता है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम बच्चों को 6 से 14 वर्ष की उम्र तक मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार देता है, लेकिन झारखंड के ग्रामीण अंचलों में यह कानून मात्र कागज़ों तक सीमित रह गया है। स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी, अधूरी आधारभूत सुविधाएँ, विद्यालय की दूरी, और मिड-डे मील योजना का लचर क्रियान्वयन- ये सब बच्चों को स्कूल से दूर धकेलते हैं। ऐसे में जब शिक्षा न सुलभ हो, न आकर्षक, तो बालक श्रम को विकल्प नहीं, नियति मान लेते हैं। दूसरी ओर, झारखंड के कई क्षेत्रों में बाल श्रम को एक सामान्य सामाजिक प्रक्रिया माना जाता है। "बचपन में काम सीखना ज़रूरी है" जैसी रूढ़ धारणाएँ अब भी गहराई से समाज में व्याप्त हैं। खेतों में हल चलाते, जंगल से लकड़ी लाते, या भट्टियों में काम करते बच्चों को देखना गाँव वालों के लिए असामान्य नहीं है। यह सामाजिक स्वीकृति ही सबसे बड़ा संकट है, क्योंकि जब अन्याय सामान्य लगता है, तब संघर्ष का रास्ता बंद हो जाता है। झारखंड की खनिज संपदा- कोयला, लोहा, बॉक्साइट- जितनी समृद्ध है, उतनी ही विनाशकारी भी हो गई है, विशेष रूप से बच्चों के लिए। खदानों के आसपास बसे गाँवों में बाल श्रम एक आम दृश्य है। कोयला खदानों, पत्थर तोड़ने वाले क्षेत्रों और ईंट भट्ठों में खुलेआम बच्चों से कठिन परिश्रम करवाया जाता है। वहाँ उन्हें विषैली गैसों, धूलभरे वातावरण और शारीरिक-मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। कई सरकारी व गैर-सरकारी सर्वेक्षण इस भयावह यथार्थ की पुष्टि करते हैं। झारखंड के गाँवों में बाल श्रम के विरुद्ध कोई संगठित प्रतिरोध दिखाई नहीं देता। पंचायतें, सामाजिक संगठन और नागरिक मंच इस विषय पर गंभीरता से चर्चा नहीं करते। ग्राम सभाओं में शायद ही कभी बाल अधिकारों, ड्रॉपआउट बच्चों, या शिक्षा की गुणवत्ता पर कोई विमर्श होता हो। जब तक गाँव स्वयं यह नहीं स्वीकार करेगा कि बाल श्रम व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध है, तब तक कोई ठोस परिवर्तन संभव नहीं। ग्रामीण क्षेत्रों में जन-संवाद का अभाव एक बड़ा संकट बन चुका है। न तो बच्चों को उनके अधिकारों की जानकारी है, न ही उनके माता-पिता को। स्थानीय भाषाओं में बाल अधिकारों पर सामग्री या बाल सुरक्षा कानूनों की समझ भी अत्यंत सीमित है। झारखंड के पंचायत प्रतिनिधियों को बाल श्रम के विरुद्ध स्पष्ट और प्रभावी भूमिका निभानी होगी। ग्राम सभाओं में बाल श्रम उन्मूलन पर प्रस्ताव पारित करना, ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान, और अभिभावकों से संवाद जैसे कदम अनिवार्य हैं। सरकार द्वारा गठित 'बाल संरक्षण समितियाँ' अधिकांश गाँवों में निष्क्रिय हैं। इन्हें पुनः सक्रिय करना पंचायतों की ज़िम्मेदारी है। विद्यालय केवल ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि बाल अधिकारों के प्रहरी बनने चाहिए। यदि शिक्षक सजग हों तो वे बाल श्रमिक बच्चों की पहचान कर उन्हें फिर से स्कूल से जोड़ सकते हैं। 'स्कूल चलो अभियान', 'बालसभा', और मिड-डे मील योजना जैसी पहलों को पुनः प्रभावी बनाना जरूरी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

धरा वही,, पानी वही, वही हवा है साब।
क्या बदला है जो हुए, इतनी फिज़ां खराब।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

इंदौर प्रमाण है इस दौर का...!

त्वरित टिप्पणी

नहीं रहना था तो नहीं रहती साथ.... किसी के बच्चें को क्यों मारा दिया? हत्या जैसी जघन्य अपराध करने की हिम्मत थी मगर मर्जी के बगैर हो रही शादी के लिए केवल ना कहने की हिम्मत नहीं थी? ऐसा करने से पहले ये भी नहीं सोचा कि आखिर एक स्त्री होकर पूरी नारी जाति पर कालिख पोत रही हो। एक "सड़े खाद" के लिए पति को ही मरवा दिया। ऐसी औरत को तो खाई में फेंक देना चाहिए, जैसे इंदौर का बेटा "राजा" को हत्यारिन ने फेंक दिया। पूरे इंदौर शहर से लेकर देशभर के लोग सोनम को धिक्कार रहे है।

उनके परिजनों को भी कोसा जा रहा है कि उन्हें पता था कि उनकी बेटी को एक "कचड़ा के डब्बा" से प्रेम है, तो फिर क्यों "जबरिया" विवाह करवाया गया। एक तरफ देशभर के लोग बहन बेटियों को बचाने के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करते है, वही दूसरी तरफ ये बेटियां ऐसी कुकृत्य कर रही है.....!! पूरे देशभर में इंदौर की छवि को मजह एक लड़की ने शर्मशार कर दिया है। जबकि न तो इंदौर की तासीर ऐसी है, और ना ही संस्कृति संस्कार। मध्य प्रदेश के इंदौर का बेटा तो "राजा" ही था, सिर्फ वो "कचड़े के डब्बे" की प्रेमिका ही कुल कलंकिनी निकली।

यमराज से पति के प्राण लौटा लाने वाले समाज में स्वयं "यम" बनी पत्नी-

पूरे देशभर की जुबां पर एक ही बात टिकी हुई थी कि ये बहुसंख्यक समाज की महिलाएं और बहन बेटियों में कैसी विकृति आ गई है। आखिर एक दुल्हन कैसे अपने पति की हत्या अपनी आंखों के सामने करवा सकती है? वह भी उस समाज के जहां पत्नी द्वारा यमराज से अपने पति के प्राण लौटा लाने का उत्कृष्ट उदाहरण हो। राजा रघुवंशी हत्याकांड सिर्फ एक हत्या नहीं, बल्कि रिश्तों के पनपती साजिश और विश्वासघात का आईना भी है। जिस विवाह को हिंदू धर्म में हम जीवन भर का साथ मानते है, वही अब कुछ लोगों के लिए मजह एक "सौदा" बन गई है। हनीमून जैसे खूबसूरत सफर को हत्या की योजना का मैदान बना देना ना सिर्फ एक व्यक्ति के लिए हत्या है बल्कि पूरे रिश्ते की हत्या है। विवाह जैसे पवित्र बंधन की जड़ों को कुल्हाड़ी मार कर जिस तरह प्रेम प्रसंग और लालच की भूख में तब्दील किया गया है, वह इंसानियत पर धब्बा है।

"बेवफा सोनम" को तो सह लेते मगर हत्यारिन को नहीं

भारतीय संस्कृति के अलावा तिब्बती, नेपाली और भूटानी संस्कृतियों के भी "सोनम" एक लोकप्रिय शब्द है। यह सौंदर्य, स्वर्णिम आभा के साथ योग्यता और शुभता को भी दर्शाता है। मगर 9 जून की सुबह सांस्कृतिक वैभव से परिपूर्ण शहर इंदौर को लोग घृणा भरी आंखों से निहारने लगें। "बेवफा सोनम" शायद इंदौर निवासी सह लेते, मगर "हत्यारिन सोनम" ने मां अहिल्या की नगरी को कलंकित किया है। इस घटना के बाद से सोनन की सहेलियां भी स्तब्ध है और स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रही है। जो सड़क पर सोनम के लिए धरना-प्रदर्शन कर रही थी, और जो गृह मंत्री स्तर के लोग मेघालय सरकार पर दबाव बना रहे थे, आज वह अपनी नजारे बचाने को बेबस है।

अलग **बात**

श्रीयम त्रिपाठी
स्वतन्त्र पत्रकार
धनबाद

पुलिसिया जांच से ज्यादा ये सामाजिक चिंता का विषय -

एक मशहूर शायर ने कहा है कि "कातिल ने किस सफाई से धोई है आस्तीं, उस को खबर ही नहीं की लहू बोलता भी है"...!! पूरे इंदौर के साथ साथ देशभर के घरों में "राजा-सोनम" की बातें हो रही है। पूरे मीडिया के सोशल मीडिया पर यहीं मामला छाया हुआ है। सोनम के बेवफाई से लेकर राजा के प्रेम तक को लोगों ने अपने अपने नजरिए से आंक रहे है। मगर पुलिसिया जांच से ज्यादा ये सामाजिक चिंता का विषय है। समाज में दो मुंह का चेहरा लिए घूमने वालों से आज कल बचना बेहद आवश्यक है। विवाह से जैसे पवित्र बंधन को यह "नरभक्षी" अपने योजनाबद्ध तरीके से रची है षड्यंत्र में फंसा लेते है। लोभ लालच, यस, कीर्ति आदि की भरपूर चाहत में हमारा समाज अपने एक मनगढ़ंत दुनिया का हिस्सा बन चुका है। यदि समय रहते है हम नहीं चेते गए तो आने वाला दौर हमारे लिए कालजई साबित होगा....!!

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 ।प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

पुरी में देव स्नान पूर्णिमा उत्सव, लाखों श्रद्धालु पहुंचे दर्शन को

एजेंसी। पुरी

ओडिशा के पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में बुधवार को देवस्नान पूर्णिमा का पवित्र पर्व भक्ति और भव्यता के साथ मनाया गया। हजारों भक्त भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, देवी सुभद्रा और सुदर्शन के पवित्र स्नान अनुष्ठान को देखने के लिए मंदिर पहुंचे। इस खास मौके पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और कई विधायकों ने भी मंदिर में दर्शन किए और अनुष्ठानों में हिस्सा लिया। उन्होंने स्नान मंडप से पहांडी अनुष्ठान देखा और भक्तों का अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर और दर्शक दीर्घा से हाथ हिलाकर भक्तों का स्वागत किया, जिसे भीड़ ने उत्साह से जवाब दिया। देवस्नान पूर्णिमा का यह पर्व इसलिए खास है, क्योंकि इस दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन को गर्भगृह से बाहर लाकर सार्वजनिक दर्शन के लिए स्नान मंडप पर रखा जाता है। यह साल का एकमात्र मौका होता है, जब भक्त इन अनुष्ठानों को इतने करीब से देख पाते हैं। यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि दृश्यों के लिहाज से भी मंत्रमुग्ध करने वाला होता है।

साथ ही, यह विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा की तैयारियों की शुरुआत का भी प्रतीक है। मंदिर प्रशासन ने इस आयोजन के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए थे, ताकि भक्तों को किसी तरह की परेशानी न हो। भक्तों ने इस पवित्र अवसर पर भगवान के दर्शन और अनुष्ठानों को देखकर खुद को धन्य महसूस किया। यह पर्व पुरी की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को और समृद्ध करता है।

पारंपरिक अनुष्ठानों की भव्य शुरुआत

सुबह 5:32 बजे मंगलार्पण के साथ अनुष्ठान शुरू हुआ। इसके बाद भगवान सुदर्शन, बलभद्र, सुभद्रा और जगन्नाथ की पहांडी (जुलूस) स्नान मंडप तक ले जाई गई। भगवान सुदर्शन की पहांडी (रथ पर चढ़ने की प्रक्रिया) सुबह 5:45 बजे, बलभद्र की 5:53 बजे, सुभद्रा की 6:06 बजे और भगवान जगन्नाथ की 6:22 बजे शुरू हुई। सुबह 7:46 बजे जलाभिषेक अनुष्ठान शुरू हुआ, जिसमें सुनकुआ (स्वर्ण कुआं) से लाए गए पवित्र जल के 108 घड़ों से देवताओं का स्नान कराया गया।

यह परंपरा जगन्नाथ संस्कृति का अनमोल हिस्सा है। सुबह 8:42 बजे भगवान जगन्नाथ के स्नान मंडप पहुंचने के साथ पहांडी अनुष्ठान पूरा हुआ।

'इंफ्रास्ट्रक्चर में क्रांति के 11 साल', पीएम ने गिनाईं एनडीए सरकार की उपलब्धियां

नई दिल्ली (आईएएनएस)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश के बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) में बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने इसे भारत की प्रगति और आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव बताया। एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, "इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव की इस यात्रा को 11 साल हो गए हैं। रेलवे, हाईवे, बंदरगाह और हवाई अड्डों जैसे क्षेत्रों में बेहतरीन ढांचा तैयार किया गया है, जिसने देश के विकास को तेजी दी है। भारत का यह बढ़ता इंफ्रा नेटवर्क लोगों का जीवन आसान बना रहा है और समृद्धि को बढ़ावा दे रहा है। पीएम मोदी ने आगे कहा, "भारत अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे के निर्माण में जुटा है, जो स्थिरता और दीर्घकालिक सोच से प्रेरित है। यह प्रयास आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव तैयार कर रहा है। प्रधानमंत्री ने इस बदलाव की मुख्य बातें भी साझा कीं। इसमें आधुनिक हाईवे और रोपवे का निर्माण, समुद्री क्षमताओं का बेहतर उपयोग, 'उड़ान' योजना के तहत सस्ती हवाई सेवाएं और भारतीय रेलवे में बड़े बदलाव शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना, वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत और हाल ही में शुरू की गई अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी योजनाएं भारतीय रेलवे में एक बड़ी क्रांति की ओर इशारा करती हैं।

सीईसी ज्ञानेश कुमार ने स्टॉकहोम सम्मेलन में कहा

भारत में चुनाव प्रक्रिया दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक गतिविधि

● कार्यक्रम में 50 देशों के 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने लिया भाग

एजेंसी। नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्वीडन के स्टॉकहोम में हुए अंतरराष्ट्रीय चुनावी साख सम्मेलन में भारत की चुनाव प्रणाली की मजबूती, पारदर्शिता और विविधता को वैश्विक मंच पर रेखांकित किया। यह सम्मेलन इंटरनेशनल आइडिया संस्था द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 50 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों के 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

उन्होंने बताया कि भारत में चुनाव प्रक्रिया दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक गतिविधि है। 2024 के आम चुनाव में लगभग 98 करोड़ मतदाता थे, 10.5 लाख मतदान केंद्र बनाए गए और 62 लाख ईवीएम मशीनें इस्तेमाल की गईं। चुनाव आयोग ने 743 राजनीतिक दलों के 20,271 उम्मीदवारों के साथ चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न किया।

ज्ञानेश कुमार ने कहा कि भारत में चुनाव राजनीतिक दलों, मीडिया, पर्यवेक्षकों और पुलिस की निगरानी में होते हैं। इस दौरान लगभग 2 करोड़ से अधिक कर्मचारी तैनात रहते हैं, जिससे यह दुनिया की सबसे बड़ी कार्यबल वाली संस्था बन जाती है।

उन्होंने भारत की मतदाता सूची प्रक्रिया को दुनिया की सबसे पारदर्शी प्रणाली बताया। 1960 से हर वर्ष राजनीतिक दलों के साथ मतदाता सूची साझा की जाती है, जिसमें दावे, आपत्तियां और अपील की पूरी प्रक्रिया होती है। उन्होंने कहा कि भारत हर मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित करता है। चाहे वह पहली बार वोट देने वाला हो, वरिष्ठ नागरिक हो, दिव्यांग हो या दुर्गम क्षेत्र में रहने वाला हो।

सम्मेलन के दौरान उन्होंने 12 देशों के चुनाव आयुक्तों से द्विपक्षीय चर्चा भी की। इन बैठकों में प्रवासी मतदान, चुनावी तकनीक और संस्थागत सहयोग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

- **भारत में दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक चुनाव :** 2024 आम चुनाव में 98 करोड़ मतदाता, 10.5 लाख मतदान केंद्र और 62 लाख ईवीएम का उपयोग हुआ।
- **743 राजनीतिक दलों और 20,271 उम्मीदवारों ने लिया भाग :** चुनाव आयोग ने इतने बड़े पैमाने पर चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराया।
- **2 करोड़ कर्मचारियों की तैनाती :** चुनाव प्रक्रिया के दौरान विशाल कार्यबल की भागीदारी से यह दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक गतिविधि बनी।

कर्नाटक आदिवासी कल्याण बोर्ड घोटाला

ईडी ने सांसद और तीन विधायकों के ठिकानों पर मारा छापा

एजेंसी। बेंगलुरु

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को बेल्लारी जिले और बेंगलुरु में महर्षि वाल्मीकि जनजाति कल्याण बोर्ड घोटाले के सिलसिले में छापेमारी की। यह कार्रवाई चार कांग्रेस नेताओं और उनसे जुड़े अन्य लोगों के ठिकानों पर की गई। कांग्रेस सांसद ई. तुकाराम, कांग्रेस विधायक ना. रा. भरत रेड्डी और जे. एन. गणेश उर्फ कांपली गणेश के घरों और दफ्तरों पर छापेमारी की जा रही है। इसके अलावा, बेल्लारी के कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र के निजी सहायक गोवर्धन के घर पर भी छापा मारा जा रहा है। पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक बी. नागेंद्र के बेंगलुरु स्थित दफ्तर पर भी ईडी की छापेमारी चल रही है। बताया गया कि ईडी के करीब 15 अधिकारियों की एक टीम ने आज सुबह से ही एक साथ आठ जगहों पर छापा मारा है। इनमें से पांच जगहें बेल्लारी में और तीन बेंगलुरु में हैं। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र को इस घोटाले के मामले में पहले जेल भेजा जा चुका है। घोटाले के खुलासे के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। इस पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा था कि नागेंद्र को दोबारा मंत्री बनाए जाने के मामले की समीक्षा की जाएगी। पूर्व अनुसूचित जनजाति कल्याण, युवा सशक्तिकरण और खेल मंत्री बी. नागेंद्र को 12 जुलाई, 2024 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आदिवासी कल्याण घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया और करीब तीन महीने जेल में बिताने के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया।

कांग्रेस नेताओं पर ईडी की रेड पर मल्लिकार्जुन खरगे और सिद्धारमैया ने जतायी नाराजगी

बेंगलुरु। बेल्लारी से कांग्रेस सांसद ई. तुकाराम और पार्टी के तीन विधायकों के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कड़ा एतराज जताया है। बुधवार को मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार पर कांग्रेस पार्टी को विभाजित करने के लिए ईडी छापों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। राज्य के कलबुर्गी में बोलते हुये मल्लिकार्जुन खरगे कहा कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी शुरू से ही कांग्रेस पार्टी से नाराज हैं, यही वजह है कि वे कांग्रेस नेताओं को लगातार निशाना बना रहे हैं। ईडी छापों के जरिए कांग्रेस पार्टी को परेशान किया जा रहा है। पार्टी को विभाजित करने के इरादे से ऐसा करवाया जा रहा है, लेकिन यह संभव नहीं है। ईडी अधिकारियों को छापेमारी का कारण पता है। खरगे ने कहा कि ईडी अधिकारियों द्वारा छापेमारी कोई नई बात नहीं है। इस बीच प्रदेश के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी कांग्रेस सांसद और विधायकों पर की गयी छापेमारी पर नाराजगी जताई है।

पहलगाम हमले पर कांग्रेस के 4 सवाल: संसद में बहस की मांग

नई दिल्ली । एजेंसी

कांग्रेस ने बुधवार को पूछा कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विदेश भेजे गए सात संसदीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से मुलाकात करने के बाद अब पहलगाम घटना के बाद देश की सुरक्षा और विदेश नीति चुनौतियों पर संसद के मानसून सत्र में पूर्ण बहस कराने पर सहमत होंगे। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि यह स्वाभाविक था कि प्रधानमंत्री उन सभी 50 सांसदों से मिलें जो 32 देशों में गए इन सात प्रतिनिधिमंडलों के सदस्य थे। जहां तक हमारा सवाल है, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं थी। लेकिन हमारे पास केवल चार सरल प्रश्न हैं। हम चाहेंगे कि प्रधानमंत्री इन सवालों का जवाब दें।

दिग्विजय के भाई लक्ष्मण सिंह छह साल के लिए निष्कासित

नई दिल्ली (आईएएनएस)

मध्य प्रदेश के पूर्व विधायक और दिग्विजय सिंह के छोटे भाई लक्ष्मण सिंह पर कांग्रेस ने बड़ा एक्शन लिया है। लक्ष्मण सिंह को कांग्रेस ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। यानी अब अगले 6 साल के लिए वह कांग्रेस पार्टी का हिस्सा नहीं रहेंगे। इस संबंध में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति के सदस्य (डीएसी) सचिव तारिक अनवर ने बुधवार को नोटिफिकेशन जारी किया है।

इससे पहले कांग्रेस ने लक्ष्मण सिंह के बयान को लेकर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था और 10 दिनों के अंदर जवाब देने को भी कहा था। इस बयान को पार्टी लाइन से हटकर माना गया था।

आज का राशिफल

मेष : योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मङ्क्षचतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा।

वृष : व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी।

मिथुन : लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है।

कर्क : सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा।

सिंह : अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी।

कन्या : आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। बुरी संगति से बचे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है।

तुला : कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

वृश्चिक : नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें।

धनु : कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा।

मकर : भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी।

कुंभ : जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे।

मीन : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

चाचा शरद पवार और भतीजे अजीत पवार के बीच दूर नहीं हो रहे मतभेद

दोनों गुटों के विलय में अभी और लग सकता है वक्त!

नई दिल्ली । एजेंसी

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों ने मंगलवार को अपना 26वां स्थापना दिवस मनाया। शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुटों ने पुणे में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किये। हालांकि दोनों गुटों के विलय की अटकलें काफी समय से चल रही हैं लेकिन स्थापना दिवस पर दोनों खेमों में जो कुछ देखा गया उससे अभी यह दूर की कौड़ी प्रतीत होती है। हम आपको बता दें कि हाल के दिनों में कई ऐसे अवसर आये जब शरद पवार और अजीत पवार की बंद कमरों में कई बैठकें तो हुई हीं साथ ही दोनों नेता सार्वजनिक तौर पर भी एक मंच पर साथ दिखे लेकिन ऐसा लगता है कि दिलों की दूरियां अब भी कायम हैं जोकि दोनों गुटों को करीब आने से रोक रही हैं। दोनों गुटों के नेताओं के बयानों पर गौर करें तो आपको बता दें कि 2023 में अपने चाचा शरद पवार से अलग होकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ हाथ मिलाने वाले महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने पार्टी समर्थकों को संबोधित करते हुए अपने निर्णय का बचाव किया। अजीत पवार ने कहा, "सिर्फ विपक्ष में बैठकर नारे लगाना और मोर्चे निकालना काफी नहीं है। हम साधु-संत नहीं हैं। हम यहां जनता की समस्याओं को सुलझाने, उन्हें दिशा देने और समावेशी राजनीति करने के लिए हैं।" अजीत पवार ने इस आलोचना को खारिज किया कि भाजपा से हाथ मिलाने का फैसला पार्टी की विचारधारा से समझौता था। उन्होंने कहा, "कुछ लोग हमसे पूछते हैं कि हमने भाजपा और महायुति गठबंधन से हाथ क्यों मिलाया।

कांग्रेस आईसीयू में है, जल्द वेंटिलेटर पर जाने वाली है : केशव प्रसाद

वाराणसी । उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार के पिछले 11 साल को झूठा बताया। डिप्टी सीएम ने कहा कि कांग्रेस की स्थिति यह है कि वो आईसीयू में है और बहुत जल्द वेंटिलेटर पर जाने वाली है। पीएम मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल को लेकर मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं है। अजय राय और इनके नेता राहुल गांधी बयानबाजी में माहिर हैं। अजय राय भी बयानबाजी में वीरता हासिल कर चुके हैं। पीएम मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल को लेकर अखिलेश यादव के बयान पर डिप्टी सीएम ने कहा कि समाजवादी पार्टी 'समाप्त पार्टी' बनने की ओर बढ़ रही है।

दर्दनाक हादसा : एक ही गड्ढे में समा गए 8 दोस्त

तैरना नहीं आता था, फिर भी बचाने कूदे 3 युवक, 3 खाना बनाने के कारण नहाने नहीं गए

टोंक । एजेंसी

टोंक की बनास नदी में डूबने से 8 लोगों की मौत हो गई है। तीन युवकों को बचा लिया गया। पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचा था। मरने वाले सभी लोग जयपुर के रहने वाले थे। ये पिकनिक मनाने गए थे। भास्कर टीम ने रेस्क्यू करने वाले युवाओं से जानकारी जुटाई कि आखिर हादसा कैसे हुआ और मौके पर क्या स्थिति थी। बातचीत में सामने आया कि तीन लोगों को तैरना नहीं आता था। ऐसे में वो किनारे से थोड़ा आगे ही नहा रहे थे, लेकिन बाकी पांच डूबने लगे तो बचाने की कोशिश में वे भी डूब गए।

तीन युवक बना रहे थे खाना, इसलिए नहाने नहीं गए : नौशाद (मृतक) अपने बेटे-भतीजे व अन्य आठ युवकों के साथ बनास नदी के किनारे पहुंचा था। जयपुर से सभी 11 लोग 10 जून की दोपहर टोंक पहुंचे थे। करीब साढ़े बारह बजे इन्होंने यहां पर पड़ाव बनाया। इनमें से तीन युवक शाहरुख, सलमान और समीर नदी से कुछ दूर पर खाना बनाने की तैयारी में जुटे थे। बाकी सभी युवकों ने नहाने की बात की और नदी में चले गए। नौशाद, कसब और रेहान को बिल्कुल तैरना नहीं आता था।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, चतरा
(जिला आपूर्ति शाखा)
(e-Mail id:-dso.chatra@jharkhandmail.gov.in)

-ःशुद्धि पत्रः-

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मुख्यमंत्री दाल-भात योजना हेतु जिला आपूर्ति कार्यालय, चतरा से निर्गत निविदा आमंत्रण सूचना अल्पकालीन निविदा संख्या-02/2025-26 में **आंशिक संशोधन करते हुए कंडिका 06 को निम्न प्रकार किया जाता है:-**

कंडिका 06 में निविदा दाता अथवा निविदा दाता के परिवार के सदस्यों को, जन वितरण प्रणाली विक्रेता, डोरस्टेप डिलीवरी, किरासन तेल ठेला भेण्डर/किरासन **तेल खुदरा विक्रेता, दाल-भात केन्द्र संचालक के परिवार, आदि का अनुज्ञप्ति धारी नहीं होना चाहिए। इस आशय का शपथ पत्र निविदा के साथ संलग्न करना आवश्यक होगा।**

कंडिका 25 में निविदा दाता का **Fassai/Trade License** का प्रमाण पत्र संलग्न होना चाहिए।

कंडिका 01 से लेकर 24 तक (कंडिका 06 में आंशिक संशोधन) शेष शर्त यथावत रहेगा।

निविदा से संबंधित नियम एवं शर्तें चतरा जिला के विभागीय **Website-**https://chatra.nic.in/ पर देखा जा सकता है।

PR.NO-354149

जिला आपूर्ति पदाधिकारी,,
चतरा

PR 354680 Food Public Distribution and Consumer Affairs(25-26)#D

कार्यालय : जिला परिषद, चतरा
(E.mail: districtboardchatra@gmail.com)

सूचना

जिला परिषद चतरा द्वारा प्रखण्ड टण्डवा में निर्मित न्यू डाकबंगला को एक वर्ष के लिए बंदोबस्ती /लीज पर उपलब्ध कराया जाना है। परिसम्पति विवरणी निम्नवत् है:-

क्र. स.	जिला परिषद द्वारा निर्मित भवन	क्षेत्रफल	बन्दोबस्ती की सुरक्षित राषि एक वर्ष का	जमानत की राषि तीन माह का
1	2	3	4	5
2	न्यू डाकबंगला टण्डवा	3876 sqft	96000/	24000/

अतएव सूचित करना है कि दिनांक 21.06.2025 को 3:00 बजे अपराह्न में उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद,चतरा के सभागार में अद्योहस्ताक्षरी द्वारा या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा उपरोक्त परिसम्पतियों के बन्दोबस्ती प्क्रिया की जायेगी।

जो व्यक्ति बन्दोबस्ती में भाग लेना चाहते हैं आवेदन के साथ 5000.00 (पॉच हजार) रू0 का बैंक ड्राफ्ट जो उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिशद,चतरा के पदनाम से देय हो जमा कर निम्नलिखित शर्तो का अनुपालन करते हुए निर्धारित समय पर डाक में भाग ले सकते हैं,जो लौटाया नहीं जायेगा।

शर्ते :-

1. बन्दोबस्ती एक वर्ष के लिए की जायेगी।
2. डाक बोलने वाले को डाक में भाग लेने हेतु कॉलम-5 में वर्णित राशि जमानत के रूप में बैंक ड्राफ्ट द्वारा उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,जिला परिषद,चतरा के पदनाम से जिला परिषद,कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। असफल जमाकर्ताओं की जमानत की राशि वापस कर दी जायेगी।
3. उच्चतम बोली द्वारा निर्धारित राशि पर बंदोबस्तीधारी को सरकार द्वारा निर्धारित GST भुगतान करना होगा।
4. डाक में भाग लेने वाले व्यक्तियों को अपना पहचान पत्र /पैन कार्ड की अभिप्रमाणित प्रति जमा करना अनिवार्य होगा तथा मूल कागजात साथ में सत्यापन हेतु प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
5. बन्दोवस्तधारी द्वारा सभी शर्तो को पुरा करने की स्थिति में निबंधित एकरारनामा किया जाना अविवार्य होगा। एकरारनामा के पश्चात डाकबंगला आवंटित होगा।
6. बन्दोबस्तीधारी को बन्दोबस्ती राशि का 25% जमानत राशि एवं 25% भवन का संचालन हेतु एकरारनामा के समय जमा करना अनिवार्य होगा।
7. निर्धारित निबंधन एवं एकरारनामा स्टाम्प शुल्क की राशि बन्दोबस्तधारी को स्वयं वहन करना होगा।
8. अद्योहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये डाक को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।
9. किसी भी प्रकार का विवाद होने पर चतरा जिला अन्तर्गत न्यायालय के jurisdiction में सुनवाई होगी।

कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद,चतरा

उप विकास आयुक्त-सह-
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, चतरा

PR 354679 (District)25-26*D

दुर्लभ मृदा खनिज के लिए चीन से बातचीत कर रहा भारत

पृथ्वी तत्वों के लिए 'वैकल्पिक स्रोतों' पर भी कर रहा काम

ब्यूरो

नई दिल्ली। दुर्लभ मृदा खनिज पर चीन ने अंकुश लगा दिया है । भारत उसके लिए चीन के सामने मजबूर है। हालत यह है कि भारत तनाव वाले संबंधों के बावजूद चीन से दुर्लभ मृदा खनिजों से बने स्थायी चुंबकों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बातचीत कर रहा है। इसके अलावा इन महत्वपूर्ण पृथ्वी तत्वों के लिए 'वैकल्पिक स्त्रोतों' पर भी काम कर रहा है। लेकिन यह काम इतना खर्चीला है कि वर्षों तक आवश्यकता पूरा करने में सक्षम होने की संभावना कम है। फिलहाल तो हालत यह है कि दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों की आपूर्ति का 90% चीन के नियंत्रण में है। चीन की ओर से दुर्लभ मृदा खनिज की सप्लाई चेन बाधित होने की वजह से उद्योग जगत में हाहाकार की स्थिति पैदा होने लगी है। ऑटो उद्योग व बाकी उद्योग संगठनों की ओर से इसी वजह से सरकार से इस मामले जल्द से जल्द समाधान की मांग की जा रही है। चीन ने अप्रैल में सात दुर्लभ पृथ्वी तत्वों और उनसे जुड़े चुंबकों के लिए विशेष निर्यात लाइसेंस जरूरी कर दिया था। चीन यह चाहता है कि वह जो स्थायी चुंबक सप्लाई करेगा, यह सुनिश्चित हो जाय कि 1- उसे वहां से अमेरिका को निर्यात नहीं किया जाए। 2- उनका इस्तेमाल रक्षा उद्योगों में इस्तेमाल नहीं किया जाए।इन शर्तों के कारण भारत सरकार चीन के साथ कूटनीतिक स्तर पर तो रेयर अर्थ मिनरल्स की सप्लाई चेन आसान करने के लिए बात कर ही रहा है, और इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड से घरेलू संसाधनों के विकास में तेजी लाने के लिए भी कह रही है।

क्या दुर्लभ पृथ्वी तत्व?

दुर्लभ मृदा तत्व कुल 17 तत्वों का एक पूरा समूह है। इसमें 15 लैंथेनाइड श्रृंखला के तत्व शामिल होते हैं। इनमें लैन्थेनम, सेरियम, नियोडीमियम, प्रोमेथियम,प्रासियोडीमियम, समैरियम, यूरोपियम, टर्बियम, डिस्प्रोसियम, होल्मियम, एर्बियम, थुलियम, येटरबियम,गैडोलिनियम व ल्यूटेटियम जैसे तत्व शामिल हैं। इनके अलावा स्कैंडियम और येट्रियम भी दुर्लभ मृदा खनिजों में शामिल हैं।

इन विकल्पों पर काम करके रेयर अर्थ एलिमेंट्स पर निर्भरता कम की जा सकती है।

दुर्लभ मृदा तत्व आज के हाई-टेक सामान जैसे-

स्मार्टफोन, कंप्यूटर, इलेक्ट्रिक गाड़ियां लड़ाकू विमान जैसी चीजें बनाने के लिए अति आवश्यक हैं।

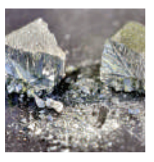

ये एलईडी, बैटरी, लेजर व पेट्रोलियम उत्पादों के लिए भी जरूरी हैं। यदि किसी चीज की कमी या कारण से इनके उत्पादन में रुकावट आ जाए, तो परिणाम इतने गंभीर हो सकते हैं कि कहा नहीं जा सकता। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में लगभग 70% दुर्लभ पृथ्वी तत्वों का उत्पादन चीन करता है। इसके अलावा ऐसे दुर्लभ खनिजों को शुद्ध करने का 90% से ज्यादा काम भी वहीं होता है। अमेरिका व उसके सहयोगी देश चीन के इस दबदबे को कम करने की बहुत कोशिश करने व दुर्लभ मृदा तत्वों की सप्लाई चेन बनाने में लगे हुए हैं। फिर भी ये चीन के मुकाबले अभी बहुत पीछे हैं। अमेरिकी रक्षा विभाग टेक्सास प्लांट को वैकल्पिक स्रोत के लिए पिछले साल तक ही 300 मिलियन डॉलर से ज्यादा धन दे चुका था। इसका लक्ष्य 2027 तक दुनिया की 25% दुर्लभ पृथ्वी ऑक्साइड सप्लाई करने की है। अमेरिका की कई और कंपनियां इसमें लगी हुई हैं, लेकिन पैसे की कमी के कारण प्रोजेक्ट में देरी हो रही है। जापान ने 2010 में चीन से झटका लगने के बाद बहुत ज्यादा कोशिश करके दुर्लभ मृदा तत्वों की अपनी 60% निर्भरता कम करने में सफल रहा।सवाल है कि क्या भारत के पास इसके लिए उतना धन व अन्य संसाधन तथा तकनीक है?

इनका उपयोग लैपटाप, फोन, सेटेलाइट, एक्सरे मशीन, कार आदि के मैगनेट, चिप्स आदि बनाने में होता है

इनकी खदानें दुनिया में कहां-कहां हैं?

दुर्लभ पृथ्वी या मृदा तत्वों की खदानें दुनिया में कुछ ही जगहों पर हैं, जिनमें चीन, वियतनाम, ब्राजील व रूस प्रमुख हैं। दुर्लभ मृदा तत्व में कुछ विशेष गुण होते हैं। ये बिजली, चुंबक, भौतिक और रासायनिक गुणों में अन्य पृथ्वी तत्वों से बहुत अलग होते हैं। इन्हीं कारण से ये सुपर मैग्नेट, लेजर तकनीक व रासायनिक संश्लेषण के लिए उत्प्रेरक जैसे जरूरी उपकरण के काम आ पाते हैं। इनके अब कुछ विकल्प भी मौजूद हैं, लेकिन ये भी बहुत ही सीमित हैं, जो बिना इसके मूल प्रभाव को कम किए उनकी जगह ले सकते हैं। इनके चार विकल्प हो सकते हैं, जो दुर्लभ मृदा तत्वों की जगह ले सकते हैं।

1. उल्कापिंड चुंबक : उल्कापिंडों से प्राप्त चुंबक।

2. आयरन-नाइट्राइड सुपर मैग्नेट : लोहे और नाइट्रोजन से बने शक्तिशाली चुंबक।

3. बॉक्साइट अवशेष : दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के बॉक्साइट अवशेष से फिर से प्राप्त करके तैयार करना।

4. री-फ्री डिजाइन : ऐसे प्राडक्ट का विकास,जिनमें दुर्लभ पृथ्वी तत्वों की जरूरत ही न हो।

पाकिस्तानी नागरिक अमेरिका से आतंकी साजिश आरोप में डिपोर्ट

न्यूयॉर्क। कनाडा में रहने वाले एक पाकिस्तानी नागरिक को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया है। इसकी घोषणा फेडरल अथॉरिटीज ने की है। गिरफ्तार शख्स पर आईएसआईएस को मदद करने की कोशिश और ब्रुकलिन में एक यहूदी केंद्र पर सामूहिक गोलीबारी की साजिश रचने का आरोप है। पाकिस्तानी नागरिक मुहम्मद शाहजेब खान को 4 सितंबर 2024 को कनाडा में गिरफ्तार किया गया था, जिस पर इस्लामिक स्टेट आतंकवादी संगठन से प्रेरित हिंसक हमले की योजना बनाने का आरोप है।

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका-चीन के बीच ट्रेड डील का ऐलान किया

न्यूयॉर्क । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड डील समझौते की घोषणा की। इस समझौते के तहत चीन अब अमेरिकी कंपनियों को रेयर अर्थ मटेरियल की आपूर्ति करेगा। रेयर अर्थ मटेरियल तकनीकी उपकरण, स्मार्टफोन और इलेक्ट्रिक कार जैसी चीजों के लिए बेहद जरूरी होता है। इसके बदले अमेरिका, चीनी छात्रों को अपने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ाई करने की इजाजत देगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

लोकसभा उपाध्यक्ष का चुनाव कराने का पीएम से किया आग्रह

खड़गे ने कहा

- विपक्षी दल के सदस्य को है उपाध्यक्ष बनाने की परंपरा
- अनुच्छेद 93 के तहत डिप्टी स्पीकर का चुनाव अनिवार्य

ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। वे राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी हैं।उन्होंने पीएम मोदी से जल्द लोकसभा के उपाध्यक्ष का चुनाव कराने का आग्रह किया है। खड़गे ने कहा कि लोकसभा में डिप्टी स्पीकर का पद पिछले दो कार्यकालों से खाली है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। यह संविधान के नियमों का भी उल्लंघन है। आखिरी बार 16वीं लोकसभा में एआईएडीएमके के नेता एम थंबीदुरई को लोकसभा का डिप्टी स्पीकर चुना गया था। खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पहली से सोलहवीं लोकसभा तक हर सदन में एक उपाध्यक्ष रहा है। आमतौर पर यह एक स्थापित परंपरा रही है कि उपाध्यक्ष की नियुक्ति मुख्य विपक्षी दल के सदस्यों में से की जाए।' उन्होंने पीएम को लिखे पत्र के साथ यह बात कही। उन्होंने आगे लिखा, 'सत्रहवीं लोकसभा के दौरान कोई भी उपाध्यक्ष नहीं चुना गया था, और यह चिंताजनक चलन वर्तमान अठारहवीं लोकसभा में भी जारी है।' खड़गे ने अपनी चिट्ठी में लिखा है, 'भारत के संविधान का अनुच्छेद 93 लोकसभा के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर दोनों के चुनाव को अनिवार्य बनाता है। संवैधानिक रूप से, डिप्टी स्पीकर, स्पीकर के बाद सदन का दूसरा सबसे बड़ा पीठासीन अधिकारी होता है।' उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 93 में कहा गया है कि सदन 'जितनी जल्दी हो सके' किसी एक को डिप्टी स्पीकर चुनेगा। खड़गे के अनुसार, 'परंपरागत रूप से उपाध्यक्ष का चुनाव नवगठित लोकसभा के दूसरे या तीसरे सत्र में किया जाता रहा है। इस चुनाव की प्रक्रिया स्पीकर की प्रक्रिया को दर्शाती है और एकमात्र अंतर यह है कि लोकसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों के नियम 8(1) के अनुसार, डिप्टी स्पीकर के चुनाव की तारीख स्पीकर द्वारा तय की जाती है।' विपक्षी दलों को कहना है कि केन्द्र सरकार मनमानी करते हुए लोक सभा उपाध्यक्ष पद का चुनाव ही नहीं कराना चाहती है। मालूम हो कि लोकसभा का डिप्टी स्पीकर एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पद है। डिप्टी स्पीकर का मुख्य काम लोकसभा स्पीकर की अनुपस्थिति में लोकसभा की कार्यवाही का संचालन करना है। वे सदन को सुचारू रूप से चलाने का काम करते हैं। जब डिप्टी स्पीकर सदन की अध्यक्षता करते हैं, तो उनके पास स्पीकर के समान अधिकार होते हैं। वे व्यवस्था बनाए रखते हैं, व्यवस्था के मुद्दों पर निर्णय लेते हैं और बहस का संचालन करते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि डिप्टी स्पीकर गैर-पक्षपातपूर्ण तरीके से काम करें। उन्हें स्पीकर की तरह ही निष्पक्ष रहना होता है, भले ही वे किसी राजनीतिक दल से चुने गए हों। लोकसभा के अंतिम डिप्टी स्पीकर एम थंबी दुराई थे। वे ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम से थे। उन्होंने 16वीं लोकसभा (2014-2019) के दौरान डिप्टी स्पीकर के रूप में कार्य किया। लेकिन, 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद से यह पद खाली है।

यूपी में विवाह पंजीकरण को लेकर कड़े किए गए नियम

संवाददाता

लखऊ। उ. प्र. में विवाह पंजीकरण को लेकर नियमों को अब कड़ा कर दिया गया है। अब विवाह करने वाले जोड़े का प्रदेश के किसी शहर में विवाह पंजीकरण तभी होगा, जब दुल्हन, दूल्हा या उनके माता-पिता में से कोई भी उस शहर का 'सामान्य रूप से' निवासी हो।इसके अलावा भी कई अन्य नियम इलाहाबाद हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश के बाद बदले गए हैं, जिसके लिए योगी सरकार ने शासन आदेश जारी कर दिया है।अब तक विवाह पंजीकरण नियम के तहत शादीशुदा जोड़ा कहीं भी अपना विवाह पंजीकृत करवा सकता था। इसके लिए उन्हें या उनके परिवार का उस जगह का निवासी होना अनिवार्य नहीं था।इससे होगा यह कि लव या दलालों के मार्फत फर्जी शादी करने वाले युवा व युवती कहीं और किसी शहर में जाकर कोर्ट में शादी कर लेते थे। उनके घर वालों के इनके लवेरिया कांड या फर्जीवाड़े का पता तब चलता था जब वे शादी का सर्टिफिकेट दिखाने लगते थे। मालूम हो कि 12 मई को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस बारे में स्वतः संज्ञान लिया था, जिसमें अदालत ने कहा था कि दलालों का एक संगठित गिरोह है, जो जाली दस्तावेजों के आधार पर फर्जी विवाह पंजीकृत करवाता है। इसके बाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को छह महीने के भीतर उत्तर प्रदेश विवाह पंजीकरण नियम, 2017 में संशोधन करने का निर्देश दिया था। जस्टिस विनोद दिवाकर ने विवाह पंजीकरण का कार्य सौंपे गए सभी उप पंजीयकों को 14 अक्टूबर, 2024 को जारी निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया। इन निर्देशों में वर-वधू का आधार-आधारित वेरिफिकेशन, दोनों पक्षों और दो गवाहों का बायोमेट्रिक डेटा और फोटो, तथा डिजीलॉकर, सीबीएसई, यूपी बोर्ड, सीआईएससीई सीआरएस, पासपोर्ट, पैन, ड्राइविंग लाइसेंस जैसे आधिकारिक पोर्टलों के माध्यम से आयु सत्यापन की बात कही गई है। उत्तर प्रदेश के अधिकारियों को अब यह भी निर्देश दिया गया है कि अपंजीकृत रेंट एग्रीमेंट को निवास के प्रमाण के रूप में नहीं माना जाएगा। इसके अलावा विवाह को संपन्न कराने वाले व्यक्ति को विवाह पंजीकृत होने के समय उपस्थित होना होगा और एक शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा। रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि अदालत का आदेश गाजियाबाद के बाहर के लोगों द्वारा शहर में अपनी शादी पंजीकृत कराने और अपने परिवारों से सुरक्षा के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने से उत्पन्न 'न्यायालय संबंधी मुद्दों' के संबंध में दिया गया था।रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि गाजियाबाद 'भागे हुए जोड़ों की शादियों के लिए एक पसंदीदा जगह के रूप में उभरा है।' रिपोर्ट में सहायक महानिरीक्षक (एआईजी, स्टांप) पुष्पेंद्र कुमार के हवाले से कहा गया है, 'उच्च न्यायालय के निर्देश नियमों में संशोधन होने तक अंतरिम निर्देश हैं। न्यायालय ने महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव को छह महीने के भीतर स्टांप एवं पंजीकरण विभाग के महानिरीक्षक के साथ समन्वय करके उत्तर प्रदेश विवाह पंजीकरण नियम, 2017 में संशोधन करने का भी आदेश दिया है।' उन्होंने आगे कहा, 'राज्य सरकार ने हमें नियमों में संशोधन होने तक उच्च न्यायालय के अंतरिम निर्देशों का तत्काल प्रभाव से पालन करने का आदेश दिया है। निर्देशों के मुख्य घटकों में से एक में कहा गया है कि किसी विशेष शहर में विवाह का पंजीकरण तभी होगा जब दुल्हन या दूल्हा या उनके माता-पिता आम तौर पर उसी शहर के निवासी हों।' गौरतलब है कि पहले से ही उत्तर प्रदेश में धर्मांतरण विरोधी कानून, जिसे 2020 में भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा 'लव जिहाद' के हौवे के खिलाफ लाया गया था, ने अंतर-धार्मिक जोड़ों के लिए विवाह को पंजीकृत कराना मुश्किल बना दिया है।

- दुल्हन, दूल्हा या उनके माता-पिता में से किसी का उस शहर का 'सामान्य रूप से' निवासी होना आवश्यक

पति को नदी में धक्का देकर मार डाला, प्रेमी संग 3 दिन घूमती रही

सिद्धार्थनगर । सिद्धार्थनगर में पत्नी पति को लेकर मंदिर गई। उसे प्रसाद में जहर दे दिया। बेहोश होते ही पति को राप्ती नदी के पुल से नीचे फेंक दिया। फिर पति की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी। हत्या के समय महिला का प्रेमी भी उसके साथ था। वह प्रेमी के साथ तीन दिन तक घूमती रही। महिला ने पति के साथ 18 साल पहले लव मैरिज की थी। अब प्रेमी के लिए उसने पति की हत्या कर दी।

अब 24 घंटे पहले तैयार होगा रेलवे आरक्षण चार्ट

24 घंटे पहले पता चल जाएगा टिकट कन्फर्म हुआ है या नहीं

ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने आरक्षण चार्ट सूची जारी करने में एक बड़ा बदलाव किया है। रेलवे का आरक्षण चार्ट अब 24 घंटे पहले तैयार होगा। इससे यात्रियों को अब 24 घंटे पहले पता चल जाएगा कि आपका टिकट कन्फर्म हुआ है या नहीं रेलवे के अनुसार जिन यात्रियों का टिकट प्रतीक्षा में रहता है उन्हें अब ट्रेन रवाना होने से 24 घंटे पहले ही यह पता चल जाएगा कि उनका टिकट कन्फर्म हुआ है या नहीं। अभी तक रिजर्वेशन चार्ट ट्रेन डिपार्चर से 4 घंटे पहले बनता है और इसके चलते वेटलिस्टेड यात्रियों को परेशानी होती है, क्योंकि टिकट की पुष्टि को लेकर आखिरी समय तक अनिश्चितता बनी रहती थी। लेकिन 24 घंटा पहले आरक्षण करने पता चलेगा कि कितने यात्रियों के पास कन्फर्म टिकट हैं और कितने अभी वेटलिस्टेड हैं, इस पर शुरुआती डेटा के साथ, रेलवे अतिरिक्त कोचों की व्यवस्था कर सकता है, क्लोन ट्रेन चला सकता है, या पहले से अन्य व्यवस्था कर सकता है।इसके अलावा मौजूदा टिकट नियमों में कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है। तत्काल बुकिंग व अन्य सभी आरक्षण प्रक्रियाएं पहले की तरह ही जारी रहेंगी। एकमात्र बदलाव, फाइनल रिजर्वेशन चार्ट तैयार करने के समय का है, जो अब यात्रियों को अधिक सुविधा व विकल्प वाला साबित हो सकता है।

फारूक अब्दुल्ला ने किए माता वैष्णो देवी के दर्शन, बोले, 'यह मेरा सौभाग्य'

जम्मू (आईएएनएस)

जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने माता वैष्णो देवी मंदिर के दर्शन को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि माता के दर्शन करने के बाद मेरा हृदय मंत्रमुग्ध हो गया। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे माता के दर्शन का अवसर मिला। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में यहां पर पर्यटकों की आमद बढ़ेगी, जिससे यहां के स्थानीय लोगों को काफी फायदा पहुंचेगा। केंद्र सरकार से मिले सहयोग को लेकर पूछे गए सवाल पर अब्दुल्ला ने कहा, " हमें पूरी उम्मीद है कि हमने जो भी मांगें रखी हैं, उन्हें निश्चित तौर पर पूरा किया जाएगा। हमारी मांगों को पूरा करने में कोई भी कदम पीछे नहीं खींचेगा। हमारी बस एक ही ख्वाहिश है कि यहां पर अमन-शांति स्थापित हो।

पुतिन ने यूक्रेन के ऑपरेशन स्पाइडर वेब पर आसमान से कहर बरपाया

खारकीव । एजेंसी

खारकीव में रूस की तरफ से नॉनस्टॉप विनाशक हमला शुरू कर दिया गया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की की तरफ से दो बड़े हमलों का दावा किया है। जेलेंस्की ने कहा कि रिहायशी इलाकों को टारगेट करके किया गया है। एयरस्ट्राइक में कई लोगों की मौत हुई है और 40 से ज्यादा लोग घायल भी हुए हैं। खार्किव के मेयर इहोर तेरेखोव ने चेतावनी देते हुए कहा कि पर दुश्मन के ड्रोनों द्वारा बड़े पैमाने पर हमला किया जा रहा है। कई यूएवी आसमान में शहर की ओर बढ़ रहे हैं। तेरेखोव ने कहा कि हमला सुबह 12:31 बजे शुरू हुआ और नौ मिनट तक चला, जिसमें 17 ड्रोनों ने "बहुमंजिला इमारतों, निजी घरों, खेल के मैदानों, उद्यमों और सार्वजनिक परिवहन पर सीधा हमला किया। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि 85 शहीद ड्रोन और अन्य प्रकार के ड्रोन ने खारकीव शहर और दूसरे इलाकों को निशाना बनाया।

पंचायत का चौथा सीजन इस दिन प्राइम वीडियो पर होगा रिलीज

पंचायत सीजन 4 ट्रेलर बुधवार को रिलीज़ किया गया, साथ ही रिलीज़ की तारीख भी बताई गई। पहले शो को 2 जुलाई को रिलीज़ किया जाना था, लेकिन हाल ही में फ़ैन-वोटिंग अभियान के बाद शो के प्रीमियर की तारीख को बढ़ाकर 24 जून कर दिया गया है।

'पंचायत' का चौथा सीजन 24 जून को शुरू होगा

स्ट्रीमिंग सर्विस प्राइम वीडियो ने बुधवार को घोषणा की कि उसके पसंदीदा शो 'पंचायत' का चौथा सीजन 24 जून को शुरू होगा। शो के मुख्य कलाकार जितेंद्र कुमार नए सीजन में नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैजल मलिक, चंदन रॉय और संविका के साथ वापसी कर रहे हैं। दीपक कुमार मिश्रा और चंदन कुमार द्वारा निर्मित, 'पंचायत' अभिषेक त्रिपाठी (जितेंद्र कुमार) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक इंजीनियरिंग स्नातक है, जो बेहतर नौकरी के विकल्प की कमी के कारण उत्तर प्रदेश के फुलेरा नामक एक काल्पनिक गांव में पंचायत कार्यालय के सचिव के रूप में शामिल होता है।

पंचायत सीजन चार का ट्रेलर

कहानी फिल्म जगत की

पंचायत सीजन 4 ट्रेलर बुधवार को रिलीज़ किया गया, साथ ही रिलीज़ की तारीख भी बताई गई। पहले शो को 2 जुलाई को रिलीज़ किया जाना था, लेकिन हाल ही में फ़ैन-वोटिंग अभियान के बाद शो के प्रीमियर की तारीख को बढ़ाकर 24 जून कर दिया गया है। नीना गुप्ता और जितेंद्र कुमार अभिनीत बहुप्रतीक्षित सीरीज को जल्द ही रिलीज किया जा रहा है।

रक्षा राज्यमंत्री ने एनसीसी कैडेटों को किया सम्मानित

● कैडेटों ने 18 मई 2025 को माउंट एवरेस्ट को सफलतापूर्वक फतह किया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के माउंट एवरेस्ट अभियान दल ने 18 मई 2025 को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी, माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) को सफलतापूर्वक फतह किया, जो युवा रोमांच और प्रशिक्षण के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 2013 और 2016 के पिछले ऐतिहासिक अभियानों के बाद, यह एनसीसी द्वारा तीसरी सफल एवरेस्ट चढ़ाई थी। 2025 का अभियान 10 एनसीसी कैडेटों 5 लड़कियों और 5 लड़कों से बना था, जो सभी पहली बार चढ़ाई करने वाले थे। इनका चयन एक कठोर राष्ट्रीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया था। कैडेटों ने एक साल से अधिक समय तक विशेष पर्वतारोहण प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिसकी शुरुआत पर्वतारोहण संस्थान, दार्जिलिंग (अगस्त-सितंबर 2024) में बुनियादी और उन्नत पाठ्यक्रमों से हुई, जिसके बाद सेना पर्वतारोहण संस्थान, सियाचिन बेस कैंप (जनवरी 2025) में उच्च ऊंचाई वाले शीतकालीन प्रशिक्षण हुए।

एनसीसी के वार्षिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में आयोजित, यह अभियान 5 मार्च से 3 जून 2025 तक चला। टीम में 3 अधिकारी, 2 जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ), 1 गर्ल कैडेट प्रशिक्षक, और 10 नॉन-कमीशंड अधिकारी (एनसीओ) शामिल थे, जिन्होंने यात्रा के हर चरण में कैडेटों का सहयोग किया। खास बात यह है कि सबसे कम उम्र के कैडेट, जिनकी उम्र सिर्फ 16 साल थी, ने सबसे कम उम्र के प्रतिभागी के रूप में इतिहास रचा। पूरी टीम ने विलक्षण शारीरिक सहनशक्ति, मानसिक दृढ़ता और टीम भावना का प्रदर्शन किया, और 100% शिखर सफलता दर हासिल की। यह एक ऐसी उपलब्धि है जिसकी अंतर्राष्ट्रीय पर्वतारोहियों और शेरपा गाइडों ने समान रूप से प्रशंसा की। माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले कैडेटों में मोनिका राजस्थान, प्रतिमा राय पश्चिम बंगाल, प्रकृति बरुवाल नेपाल, रितिका शर्मा हिमाचल प्रदेश, आबिदा अफरीन लखनऊ, मोहित कनिथिया जम्मू और कश्मीर, पूजा नामग्याल चंडीगढ़, हर्ष सिंह सामंत उत्तराखंड, देवांश भगत उत्तराखंड, मुकुल बंगवाल उत्तराखंड शामिल हैं।

अंगीभूत महाविद्यालयों में इंटर की पढ़ाई शुरू करने की मांग, राज्यपाल से मिला शिष्टमंडल

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने भेंट की तथा उन्हें विभिन्न विषयों से संबंधित एक ज्ञापन समर्पित किया। ज्ञापन के माध्यम से शिष्टमंडल ने राज्य के सरकारी विश्वविद्यालयों के अधीनस्थ अंगीभूत महाविद्यालयों में इंटरमीडिएट कक्षा में छात्र/छात्राओं के नामांकन पर पुनर्विचार का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल द्वारा राज्य में उच्च शिक्षा में सुधार के लिए किए जा रहे व्यापक संवाद व प्रयास सराहनीय हैं। शिष्टमंडल ने राज्यपाल से जनजातीय समाज के शिक्षाविदों के साथ पृथक बैठक कर उच्च शिक्षा में सुधार संबंधी विषयों पर विचार-विमर्श करने हेतु आग्रह किया। पूर्व मंत्री श्री तिर्की ने यह भी अवगत कराया कि राज्य में भूमि के अवैध हस्तांतरण की घटनाएं चिंताजनक रूप से बढ़ रही हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि इस विषय पर भी जनजातीय समाज के विशेषज्ञों के साथ संवाद कर आवश्यक कदम उठाए जाएं। इसके अतिरिक्त, शिष्टमंडल ने राज्यपाल से राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपति पदों पर स्थानीय व्यक्तियों की नियुक्ति के लिए विचार करने का अनुरोध भी किया। इस अवसर पर पूर्व महापौर रमा खलखो सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

पेज एक के शेष

सार्वजनिक स्थलों पर...

राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए भेजा गया था। राष्ट्रपति की ओर से अनुमोदन के बाद विधेयक राज भवन को प्राप्त हो गया है। झारखंड राजभवन के मीडिया कोषांग ने बुधवार को जारी सूचना में बताया है कि झारखंड विधानसभा में पारित सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण विनियमन) (झारखंड संशोधन) विधेयक, 2021 पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वीकृति प्रदान कर दी है।

कोडरमा-बरकाकाना रेल लाइन...

कोयला परिवहन और अन्य मालगाड़ी संचालन में तेजी आएगी। काफी नई ट्रेन चलाई जा सकेंगी। हजारीबाग, चतरा, कोडरमा और रामगढ़ जिलों को अच्छी कनेक्टिविटी मिलेगी। मंत्री ने कहा कि दूसरी परियोजना कर्नाटक और आंध्र प्रदेश को जोड़ने वाली बल्लारी-चिकजाजुर दोहरीकरण परियोजना (185 किमी) है। यह परियोजना 3342 करोड़ रुपए की है। यह लाइन बल्लारी और चित्रदुर्ग (कर्नाटक) तथा अनंतपुर (आंध्र प्रदेश) जिलों से होकर गुजरेगी। इससे क्षेत्रीय विकास को बल मिलेगा और यात्रियों व व्यापारिक गतिविधियों को सुगमता होगी। इन दोनों परियोजनाओं से लगभग 1,408 गांवों की कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिनकी जनसंख्या लगभग 28 लाख है। साथ ही, इन कार्यों के पूरा होने के बाद 49 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) अतिरिक्त माल परिवहन की क्षमता बढ़ेगी। इसके अतिरिक्त, परियोजनाओं से रेलवे संचालन अधिक सुगम और कुशल होगा, जिससे भीड़भाड़ कम होगी और ट्रेनें समय पर चल सकेंगी। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मोदी सरकार का यह निर्णय 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में एक ठोस कदम माना जा रहा है। रेलवे अधोसंरचना में इस प्रकार का निवेश ग्रामीण एवं औद्योगिक क्षेत्रों के विकास में सहायक साबित होगा।

डीआईजी नौशाद आलम ने लातेहार में किया निरीक्षण...

उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे संवेदनशील स्थानों पर विशेष परिचालन योजना तैयार की जाए और अतिरिक्त गश्ती एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा न घटित हों। डीआईजी ने सभी पुलिस पदाधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के लिए समयबद्ध कार्रवाई की जाए और जनता में सुरक्षा की भावना बनी रहे। उन्होंने जोर दिया कि पुलिस का व्यवहार जनता के प्रति संवेदनशील और सहयोगी होना चाहिए, जिससे आम नागरिक बिना भय के अपनी शिकायत दर्ज करा सकें। निरीक्षण के दौरान कई पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे और सभी को सौंपे गए निर्देशों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित करने को कहा गया।

शराब घोटाला में विनय कुमार सिंह...

कुमार दास, जीएम सुधीर कुमार और कर्मचारी नीरज कुमार सिंह को भी गिरफ्तार किया गया। इसी मामले में जेल में बंद नीरज कुमार सिंह ने एसीबी कोर्ट से जमानत की गुहार लगाई है। बीते 21 मई को उसे एसीबी की टीम ने गिरफ्तार किया था, इसके बाद उसे जेल भेज दिया गया था। नीरज कुमार सिंह प्लेसमेंट एजेंसी का कर्मचारी है। छत्तीसगढ़ के मॉडल को अपनाकर झारखंड में शराब नीति बनाई गई थी। यह वर्ष 2022 में लागू हुआ था। फर्जी बैंक गारंटी पर दो प्लेसमेंट एजेंसी को काम दिया गया था। होलोग्राम बनाने वाली कंपनी हो या मेन पावर सप्लाई करने वाली कंपनी हो या फिर थोक शराब का ठेका लेने वाली कंपनी हो, सभी की इसमें संदिग्ध भूमिका बताई गई है।

समाहरणालय, लातेहार
(भू-अर्जन शाखा)

परियोजना– नार्थ धादु (पश्चिमी भाग) कोयला खनन के लिए इस कार्यालय के पत्रांक–165 दिनांक–23.04.2025 के द्वारा M/s Social Action for Rural Development (SARDA) Chhotaki Murram Ramgarh Cantt. Ramgarh-829122 को S.I.A.(Social Impact Assessment) हेतु कार्यादेश निर्गत किया गया। ग्राम–नवाडीह में अधिग्रहित भूमि का रकबा– 193.27 एकड़ है, जिसकी विवरणी निम्नवत है–

क्रमांक सं0	ग्राम का नाम	थाना नं0	खाता सं0	प्लॉट सं0	भूमि का प्रकार	कुल खतियानी रकबा		अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)		खतियानी रैयत का नाम
						एकड़ में	हेक्टेयर में	एकड़ में	हेक्टेयर में	
151	नवाडीह	211	18	10	टांड़ एक	0.38	0.154	0.38	0.154	नागदेव उराँव पिता – गोपाल उराँव
152	नवाडीह	211	18	110	टांड़ एक	0.32	0.130	0.32	0.130	
153	नवाडीह	211	24	378	टांड़ एक	1.21	0.490	1.21	0.490	बिफना उराँव पिता —जया उराँव
154	नवाडीह	211	24	286	टांड़ एक	0.76	0.308	0.76	0.308	
155	नवाडीह	211	25	245	टांड़ एक	0.10	0.040	0.10	0.040	बिरसा उराँव पिता – नागो उराँव
156	नवाडीह	211	26	310	टांड़ एक	0.69	0.279	0.69	0.279	तुपा उराँव, पिता – बिस्वा उराँव बिरसा उराँव, पिता – रति उराँव
157	नवाडीह	211	26	312	टांड़ एक	0.58	0.235	0.58	0.235	
158	नवाडीह	211	27	27	टांड़ एक	2.43	0.983	2.43	0.983	बुदा उराँव, पिता – चोवा उराँव
159	नवाडीह	211	27	28	टांड़ एक	0.58	0.235	0.58	0.235	
160	नवाडीह	211	27	288	टांड़ एक	0.32	0.130	0.32	0.130	
161	नवाडीह	211	27	29	धान दो	0.55	0.223	0.55	0.223	
162	नवाडीह	211	27	30	धान दो	0.86	0.348	0.86	0.348	
163	नवाडीह	211	27	32	धान दो	0.31	0.125	0.31	0.125	
164	नवाडीह	211	28	33	टांड़ एक	1.43	0.579	1.43	0.579	बुदा उराँव, पिता – चोवा उराँव
165	नवाडीह	211	28	52	धान दो	0.08	0.032	0.08	0.032	बुदा उराँव, पिता – चोवा उराँव
166	नवाडीह	211	28	54	धान दो	0.10	0.040	0.10	0.040	
167	नवाडीह	211	30	315	टांड दो नई परती एक साल	0.09	0.036	0.09	0.036	बुधराम उराँव, चन्द्रा उराँव, और खुमा उराँव, पिता – बिशु उराँव
168	नवाडीह	211	30	317	टांड़ एक	0.27	0.109	0.27	0.109	
169	नवाडीह	211	30	318	टांड़ एक	0.21	0.085	0.21	0.085	
170	नवाडीह	211	31	145	टांड़ एक	1.24	0.502	1.24	0.502	बोलवा उराँव पिता – गुइला उराँव
171	नवाडीह	211	31	147	टांड़ एक	1.08	0.437	1.08	0.437	
172	नवाडीह	211	31	148	टांड़ एक	0.22	0.089	0.22	0.089	
173	नवाडीह	211	31	184	टांड़ एक	0.10	0.040	0.10	0.040	
174	नवाडीह	211	31	186	टांड़ एक	0.39	0.158	0.39	0.158	
175	नवाडीह	211	31	188	टांड़ एक	0.29	0.117	0.29	0.117	
176	नवाडीह	211	31	149	धान दो	0.29	0.117	0.29	0.117	
177	नवाडीह	211	29	34	टांड़ एक	1.27	0.514	1.27	0.514	खदिया उरावं वो बुधु उराँव, पिता – चौतु उरावं, वो बदरी उरावं वो कन्दरा उराँव, पिता – जतरू उरावं, वो बुधराम उरावं वो खाया उराँव वो चन्दरा उराँव, पिता – बिसु उरावं, वो बालु उरावं वो शनिया उराँव वो भिखारी उराँव, पिता – सुकु उरावं, वो मुस्मात बुदिया कुंवर, पति – सुचो उरावं, वो विरसा उरावं, पिता – रतिया उरावं,
178	नवाडीह	211	29	42	टांड़ एक	0.04	0.016	0.04	0.016	
179	नवाडीह	211	29	63	टांड़ एक	0.56	0.227	0.56	0.227	
180	नवाडीह	211	29	70	टांड़ एक	0.72	0.291	0.72	0.291	
181	नवाडीह	211	29	43	टांड़ एक	0.11	0.045	0.11	0.045	
182	नवाडीह	211	29	92	टांड दो नई परती एक साल	0.68	0.275	0.68	0.275	
183	नवाडीह	211	29	93	टांड दो नई परती एक साल	0.42	0.170	0.42	0.170	
184	नवाडीह	211	29	94	टांड दो नई परती एक साल	0.35	0.142	0.35	0.142	
185	नवाडीह	211	29	95	टांड दो नई परती एक साल	0.10	0.040	0.10	0.040	
186	नवाडीह	211	29	97	टांड दो नई परती एक साल	0.57	0.231	0.57	0.231	
187	नवाडीह	211	29	98	टांड दो नई परती एक साल	0.53	0.214	0.53	0.214	
188	नवाडीह	211	29	99	टांड दो नई परती एक साल	0.40	0.162	0.40	0.162	
189	नवाडीह	211	29	102	टांड दो नई परती एक साल	0.41	0.166	0.41	0.166	
190	नवाडीह	211	29	103	टांड दो नई परती एक साल	0.52	0.210	0.52	0.210	
191	नवाडीह	211	29	113	टांड़ एक	0.26	0.105	0.26	0.105	खदिया उरावं वो बुधु उराँव, पिता – चौतु उरावं, वो बदरी उरावं वो कन्दरा उराँव, पिता – जतरू उरावं, वो बुधराम उरावं वो खाया उराँव वो चन्दरा उराँव, पिता – बिसु उरावं, वो बालु उरावं वो शनिया उराँव वो भिखारी उराँव, पिता – सुकु उरावं, वो मुस्मात बुदिया कुंवर, पति – सुचो उरावं, वो विरसा उरावं, पिता – रतिया उरावं,
192	नवाडीह	211	29	126	टांड़ एक	1.16	0.469	1.16	0.469	
193	नवाडीह	211	29	206	टांड़ एक	0.20	0.081	0.20	0.081	
194	नवाडीह	211	29	207	टांड़ एक	0.42	0.170	0.42	0.170	
195	नवाडीह	211	29	208	टांड़ एक	0.48	0.194	0.48	0.194	
196	नवाडीह	211	29	209	टांड़ एक	0.43	0.174	0.43	0.174	
197	नवाडीह	211	29	205	टांड़ एक	0.15	0.061	0.15	0.061	
198	नवाडीह	211	29	210	टांड़ एक	0.36	0.146	0.36	0.146	
199	नवाडीह	211	29	211	टांड़ एक	0.31	0.125	0.31	0.125	
200	नवाडीह	211	29	237	टांड़ एक	0.52	0.210	0.52	0.210	
201	नवाडीह	211	29	239	टांड़ एक	0.27	0.109	0.27	0.109	
202	नवाडीह	211	29	241	टांड दो नई परती एक साल	0.14	0.057	0.14	0.057	
203	नवाडीह	211	29	287	टांड दो नई परती एक साल	0.80	0.324	0.80	0.324	
204	नवाडीह	211	29	387	टांड दो नई परती एक साल	0.15	0.061	0.15	0.061	
205	नवाडीह	211	29	389	टांड दो नई परती एक साल	0.15	0.061	0.15	0.061	
206	नवाडीह	211	29	255	धान दो	0.10	0.040	0.10	0.040	
207	नवाडीह	211	29	256	धान दो	0.06	0.024	0.06	0.024	
208	नवाडीह	211	29	297	धान दो	0.09	0.036	0.09	0.036	
209	नवाडीह	211	29	299	धान दो	0.16	0.065	0.16	0.065	
210	नवाडीह	211	29	278	टांड़ एक	1.11	0.449	1.11	0.449	
211	नवाडीह	211	29	388	टांड़ एक	0.45	0.182	0.45	0.182	
212	नवाडीह	211	29	390	टांड़ एक	0.41	0.166	0.41	0.166	
213	नवाडीह	211	29	301	टांड़ एक	1.34	0.542	1.34	0.542	
214	नवाडीह	211	29	302	टांड़ एक	0.52	0.210	0.52	0.210	
215	नवाडीह	211	29	303	टांड़ एक	0.61	0.247	0.61	0.247	
216	नवाडीह	211	29	341	टांड़ एक	0.35	0.142	0.35	0.142	
217	नवाडीह	211	29	300	टांड दो नई परती एक साल	1.45	0.587	1.45	0.587	
218	नवाडीह	211	29	399	टांड़ एक	0.33	0.134	0.33	0.134	
219	नवाडीह	211	29	400	टांड़ एक	0.50	0.202	0.50	0.202	
220	नवाडीह	211	29	401	टांड़ एक	0.24	0.097	0.24	0.097	
221	नवाडीह	211	29	402	टांड़ एक	0.68	0.275	0.68	0.275	
222	नवाडीह	211	29	403	टांड़ एक	0.64	0.259	0.64	0.259	
223	नवाडीह	211	29	404	टांड़ एक	0.94	0.380	0.94	0.380	
224	नवाडीह	211	29	406छ	टांड़ एक	0.63	0.255	0.62	0.251	
225	नवाडीह	211	29	408छ	टांड़ एक	1.34	0.542	0.40	0.162	
226	नवाडीह	211	32	158	टांड़ एक	0.28	0.113	0.28	0.113	भिखना उराँव, पिता – गन्दूरा उराँव और बिगना उराँव, बुधुआ उराँव, पिता – लक्षु उराँव
227	नवाडीह	211	32	159	टांड़ एक	0.25	0.101	0.25	0.101	
228	नवाडीह	211	32	160	टांड़ एक	0.36	0.146	0.36	0.146	
229	नवाडीह	211	33	393	टांड़ एक	0.61	0.247	0.61	0.247	भिखारी उराँव पिता – सुकु उराँव
230	नवाडीह	211	36	60	धान दो	0.23	0.093	0.23	0.093	अर्जुन उराँव, वियाफा उराँव, रति उराँव, पिता – जया उराँव और मंगलदास मिंज, डेनियल मिंज, पिता – देवहान उराँव
231	नवाडीह	211	36	61छ	टांड़ एक	2.45	0.992	2.43	0.983	
232	नवाडीह	211	36	279	टांड़ एक	0.48	0.194	0.48	0.194	
233	नवाडीह	211	36	280	टांड़ एक	0.57	0.231	0.57	0.231	
234	नवाडीह	211	36	281	टांड़ एक	0.44	0.178	0.44	0.178	
235	नवाडीह	211	36	284	टांड दो नई परती एक साल	0.17	0.069	0.17	0.069	
236	नवाडीह	211	34	80	टांड़ एक	0.13	0.053	0.13	0.053	मंटू उराँव, पिता – रंजू उराँव और बिरसा उराँव, पिता – नागु उराँव
237	नवाडीह	211	34	244	टांड़ एक	0.55	0.223	0.55	0.223	
238	नवाडीह	211	34	265	टांड़ एक	0.71	0.287	0.71	0.287	
239	नवाडीह	211	34	266	टांड़ एक	0.21	0.085	0.21	0.085	
240	नवाडीह	211	34	268	टांड़ एक	0.58	0.235	0.58	0.235	
241	नवाडीह	211	34	259	धान दो	0.16	0.065	0.16	0.065	
242	नवाडीह	211	34	261	धान दो	0.07	0.028	0.07	0.028	
243	नवाडीह	211	34	78	टांड दो नई परती एक साल	0.02	0.008	0.02	0.008	
244	नवाडीह	211	34	79	टांड दो नई परती एक साल	1.03	0.417	1.03	0.417	
245	नवाडीह	211	34	91	टांड दो नई परती एक साल	1.14	0.461	1.14	0.461	
246	नवाडीह	211	34	270	टांड़ एक	0.73	0.295	0.73	0.295	
247	नवाडीह	211	34	271	टांड़ एक	0.41	0.166	0.41	0.166	
248	नवाडीह	211	34	308	टांड़ एक	1.38	0.558	1.38	0.558	
249	नवाडीह	211	34	309	टांड़ एक	0.05	0.020	0.05	0.020	
250	नवाडीह	211	34	243	टांड़ एक	0.03	0.012	0.03	0.012	मंटू उराँव, पिता – रंजू उराँव और बिरसा उराँव, पिता – नागु उराँव
251	नवाडीह	211	34	295	धान दो	0.03	0.012	0.03	0.012	
252	नवाडीह	211	34	356	टांड़ एक	0.38	0.154	0.38	0.154	
253	नवाडीह	211	34	352	टांड़ एक	0.38	0.154	0.38	0.154	
254	नवाडीह	211	34	353	टांड़ एक	0.36	0.146	0.36	0.146	
255	नवाडीह	211	34	371	टांड़ एक	0.31	0.125	0.31	0.125	
256	नवाडीह	211	34	372	टांड़ एक	0.26	0.105	0.26	0.105	
257	नवाडीह	211	34	373	टांड़ एक	0.21	0.085	0.21	0.085	
258	नवाडीह	211	34	354	धान दो	0.58	0.235	0.58	0.235	
259	नवाडीह	211	35	307	टांड़ एक	0.64	0.259	0.64	0.259	मंटू उराँव पिता –रंजू उराँव
260	नवाडीह	211	35	313	टांड़ एक	0.04	0.016	0.04	0.016	
261	नवाडीह	211	35	314	टांड़ एक	0.04	0.016	0.04	0.016	
262	नवाडीह	211	37	150	टांड़ एक	0.30	0.121	0.30	0.121	मंगल उराँव, डेनियल उराँव पिता – देबन उराँव
263	नवाडीह	211	37	151	टांड़ एक	1.38	0.558	1.38	0.558	
264	नवाडीह	211	37	152	टांड़ एक	1.41	0.571	1.41	0.571	
265	नवाडीह	211	37	181	टांड़ एक	0.98	0.397	0.98	0.397	
266	नवाडीह	211	37	235	टांड़ एक	0.91	0.368	0.91	0.368	
267	नवाडीह	211	38	257	धान दो	0.16	0.065	0.16	0.065	मंगला उराँव, कोठिया उराँव पिता – बुदा उराँव
268	नवाडीह	211	38	290	धान दो	0.96	0.389	0.96	0.389	
269	नवाडीह	211	38	333	टांड़ एक	0.56	0.227	0.56	0.227	
270	नवाडीह	211	39	155	टांड़ एक	0.11	0.045	0.11	0.045	रति उराँव पिता – मंगर उराँव
271	नवाडीह	211	39	157	टांड़ एक	0.22	0.089	0.22	0.089	
272	नवाडीह	211	39	187	टांड़ एक	0.25	0.101	0.25	0.101	
273	नवाडीह	211	41	355	टांड़ एक	0.23	0.093	0.23	0.093	रामा उराँव, ललताई उराँव, पिता– चरबा उराँव
274	नवाडीह	211	42	58	टांड़ एक	0.82	0.332	0.82	0.332	लक्टू उराँव पिता – मदु उराँव
275	नवाडीह	211	42	62	टांड़ एक	0.62	0.251	0.62	0.251	
276	नवाडीह	211	42	273	टांड़ एक	0.54	0.219	0.54	0.219	
277	नवाडीह	211	42	275	टांड़ एक	1.42	0.575	1.42	0.575	
278	नवाडीह	211	42	276	टांड़ एक	1.63	0.660	1.63	0.660	
279	नवाडीह	211	42	277	टांड़ एक	2.30	0.931	2.30	0.931	
280	नवाडीह	211	43	380	टांड़ एक	0.67	0.271	0.67	0.271	लक्टू उराँव पिता – मदु उराँव
281	नवाडीह	211	44	136	टांड़ एक	0.61	0.247	0.61	0.247	लक्ष्मण उराँव पिता – मंगरा उराँव
282	नवाडीह	211	44	44	टांड़ एक	0.04	0.016	0.04	0.016	
283	नवाडीह	211	45	386	टांड दो नई परती एक साल	0.96	0.389	0.96	0.389	शनि उराँव पिता – सुकु उराँव
284	नवाडीह	211	46	124	धान दो	0.94	0.380	0.94	0.380	साधवा उराँव पिता – घूरा उराँव
285	नवाडीह	211	46	127	धान दो	0.20	0.081	0.20	0.081	
286	नवाडीह	211	46	129	टांड़ एक	1.42	0.575	1.42	0.575	
287	नवाडीह	211	46	202	टांड़ एक	0.42	0.170	0.42	0.170	
288	नवाडीह	211	47	8	टांड़ एक	0.09	0.036	0.09	0.036	सरो उराँव, जाक्सिया उराँव पिता – रति उराँव
289	नवाडीह	211	47	204	टांड़ एक	0.34	0.138	0.34	0.138	
290	नवाडीह	211	48	9	टांड़ एक	0.07	0.028	0.07	0.028	सुखदेव उराँव पिता बलकु उराँव
291	नवाडीह	211	40	11	टांड़ एक	0.30	0.121	0.30	0.121	एतवा उराँव, पिता – मंगर उराँव और चन्द्रो उराँव, पिता – सुका उराँव और जक्षा उराँव, बलेसर उराँव, पिता – बोलवा उराँव और जगदेव उराँव, सहदेव उराँव, पिता – बंधन उराँव और झान्नो देवी, बराती देवी, पिता – जरमन उराँव और नंदो उराँव, साधवा उराँव, पिता – जुरा उराँव और बिलु उराँव, पिता – तोयल उराँव और रामा उराँव, लालसा उराँव, पिता – चरवा उराँव और सुखदेव उराँव, रूपलाल उराँव, पिता – बलकु उराँव और सीता उराँव, जकसाइ उराँव, पिता – रति उराँव
292	नवाडीह	211	40	12	टांड़ एक	0.31	0.125	0.31	0.125	
293	नवाडीह	211	40	13	टांड़ एक	0.65	0.263	0.65	0.263	
294	नवाडीह	211	40	14	टांड़ एक	0.40	0.162	0.40	0.162	
295	नवाडीह	211	40	15	टांड़ एक	0.33	0.134	0.33	0.134	
296	नवाडीह	211	40	16	टांड़ एक	0.21	0.085	0.21	0.085	
297	नवाडीह	211	40	17	टांड़ एक	0.16	0.065	0.16	0.065	
298	नवाडीह	211	40	18	टांड़ एक	0.17	0.069	0.17	0.069	
299	नवाडीह	211	40	19	टांड़ एक	0.14	0.057	0.14	0.057	
300	नवाडीह	211	40	20	टांड़ एक	0.16	0.065	0.16	0.065	
301	नवाडीह	211	40	21	टांड़ एक	0.52	0.210	0.52	0.210	
302	नवाडीह	211	40	22	टांड़ एक	0.38	0.154	0.38	0.154	
303	नवाडीह	211	40	23	टांड़ एक	0.47	0.190	0.47	0.190	
304	नवाडीह	211	40	24	टांड़ एक	0.43	0.174	0.43	0.174	
305	नवाडीह	211	40	25	टांड़ एक	0.41	0.166	0.41	0.166	
306	नवाडीह	211	40	26	टांड़ एक	0.35	0.142	0.35	0.142	
307	नवाडीह	211	40	73	टांड़ एक	0.32	0.130	0.32	0.130	
308	नवाडीह	211	40	71	टांड दो नई परती एक साल	0.27	0.109	0.27	0.109	
309	नवाडीह	211	40	72	टांड दो नई परती एक साल	0.16	0.065	0.16	0.065	
310	नवाडीह	211	40	106	टांड दो नई परती एक साल	2.15	0.870	2.15	0.870	
311	नवाडीह	211	40	165	टांड दो नई परती एक साल	2.18	0.882	2.18	0.882	
312	नवाडीह	211	40	223	टांड दो नई परती एक साल	0.28	0.113	0.28	0.113	
313	नवाडीह	211	40	227	टांड दो नई परती एक साल	0.73	0.295	0.73	0.295	
314	नवाडीह	211	40	365	टांड दो नई परती एक साल	0.78	0.316	0.78	0.316	
315	नवाडीह	211	40	366	टांड दो नई परती एक साल	0.57	0.231	0.57	0.231	
316	नवाडीह	211	40	367	टांड दो नई परती एक साल	0.35	0.142	0.35	0.142	
317	नवाडीह	211	40	368	टांड दो नई परती एक साल	0.64	0.259	0.64	0.259	
318	नवाडीह	211	40	190	टांड़ एक	0.38	0.154	0.38	0.154	
319	नवाडीह	211	40	191	टांड़ एक	0.34	0.138	0.34	0.138	
320	नवाडीह	211	40	226	टांड़ एक	0.64	0.259	0.64	0.259	
321	नवाडीह	211	40	344	टांड़ एक	0.94	0.380	0.94	0.380	
322	नवाडीह	211	49	35	टांड़ एक	0.95	0.384	0.95	0.384	मुस्मात सुमरी कुँवर पति पाग्सा उराँव
323	नवाडीह	211	49	182	टांड दो नई परती एक साल	0.41	0.166	0.41	0.166	
324	नवाडीह	211	49	196	टांड़ एक	1.16	0.469	1.16	0.469	
325	नवाडीह	211	50	36	टांड़ एक	0.16	0.065	0.16	0.065	सूरज महतो, धर्मनाथ महतो, बारात महतो, नन्हकू महतो, पिता – बाबर महतो
326	नवाडीह	211	50	37	टांड़ एक	0.21	0.085	0.21	0.085	
327	नवाडीह	211	50	38	टांड़ एक	0.50	0.202	0.50	0.202	
328	नवाडीह	211	51	55	धान दो	1.05	0.425	1.05	0.425	बुदा उराँव, पिता – जोहो उराँव और सोमर उराँव, पिता – शिवनाथ उराँव
329	नवाडीह	211	51	59	धान दो	0.05	0.020	0.05	0.020	
330	नवाडीह	211	51	56	मकान मय शहन	0.17	0.069	0.17	0.069	
331	नवाडीह	211	51	57	टांड़ एक	0.61	0.247	0.61	0.247	
332	नवाडीह	211	51	238	टांड़ एक	0.31	0.125	0.31	0.125	
333	नवाडीह	211	51	242	टांड़ एक	0.82	0.332	0.82	0.332	
334	नवाडीह	211	51	248	टांड़ एक	0.89	0.360	0.89	0.360	
335	नवाडीह	211	51	282	टांड़ एक	0.90	0.364	0.90	0.364	
336	नवाडीह	211	52	213	टांड़ एक	0.63	0.255	0.63	0.255	मुस्मात सोमरी कुँवर पति प्रभु दुसाध
337	नवाडीह	211	52	249	टांड़ एक	0.10	0.040	0.10	0.040	
338	नवाडीह	211	52	251	टांड़ एक	0.58	0.235	0.58	0.235	
339	नवाडीह	211	52	252	टांड़ एक	0.04	0.016	0.04	0.016	
340	नवाडीह	211	52	263	टांड़ एक	0.61	0.247	0.61	0.247	
341	नवाडीह	211	52	264	टांड़ एक	0.03	0.012	0.03	0.012	
342	नवाडीह	211	52	394	टांड़ एक	0.29	0.117	0.29	0.117	
343	नवाडीह	211	53	383	टांड दो नई परती एक साल	2.60	1.052	2.60	1.052	हरु महतो पिता – संतोषी महतो
344	नवाडीह	211	54	2	धान दो	0.50	0.202	0.50	0.202	रूसा गंझू पिता हुलास गंझू
345	नवाडीह	211	54	3	धान दो	0.49	0.198	0.49	0.198	
346	नवाडीह	211	54	5	धान दो	0.13	0.053	0.13	0.053	
347	नवाडीह	211	54	6	धान दो	0.58	0.235	0.58	0.235	
348	नवाडीह	211	54	7	टांड़ एक	0.45	0.182	0.45	0.182	
349	नवाडीह	211	54	214	टांड़ एक	0.45	0.182	0.45	0.182	
350	नवाडीह	211	54	216	टांड़ एक	0.22	0.089	0.22	0.089	
351	नवाडीह	211	54	347	टांड़ एक	1.10	0.445	1.10	0.445	
352	नवाडीह	211	54	348	टांड़ एक	0.61	0.247	0.61	0.247	
353	नवाडीह	211	54	350	टांड़ एक	1.18	0.478	1.18	0.478	
354	नवाडीह	211	54	351	टांड़ एक	0.27	0.109	0.27	0.109	
355	नवाडीह	211	54	349	मकान मय शहन	0.02	0.008	0.02	0.008	
कुल योग						194.25	78.613	193.27	78.216	

ह0/–
जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, लातेहार

PR 354763 Land Reforms (25-26)_D

ब्राजील, इक्वाडोर फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई

उरुग्वे, पैराग्वे और कोलंबिया होड़ में

नई दिल्ली (आईएएनएस)

विनी जूनियर ने विजयी गोल किया, जिससे ब्राजील ने नियो क्विमिका एरिना में पैराग्वे को 1-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया। मैथियस कुन्हा के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद विनिसियस जूनियर ने कार्लो एंसेलोटी को उनकी हॉट सीट पर पहली जीत दिलाई। पैराग्वे ने दूसरे हाफ में अच्छा प्रदर्शन किया और हार के बावजूद, वेनेजुएला पर छह अंकों की बढ़त के साथ क्वालीफिकेशन से एक इंच दूर है। यह जीत एंसेलोटी के लिए एक विशेष उपहार थी, जो मंगलवार को 66 वर्ष के हो गए और खेल शुरू होने से पहले ब्राजील के प्रशंसकों ने नियो क्विमिका सीटों पर एक विशाल मोजेक के साथ उनका सम्मान किया, जिस पर हरे और पीले रंग से लिखा था "बधाई हो, कार्लेटो"। ब्राजील की राष्ट्रीय टीम की कमान संभालते हुए एंसेलोटी की पहली जीत ने क्वालीफायर में पैराग्वे के नौ मैचों के अपराजित क्रम को तोड़ दिया। ब्राजील 10 क्वालीफायर मैचों में पैराग्वे को हराने वाली पहली टीम बन गई। सेलेकाओ ने अब तक अपने घरेलू मैदान पर पिछले 70 विश्व कप क्वालीफायर में से केवल एक में हार का सामना किया है। यह तीसरी बार था जब ब्राजील ने नियो क्विमिका एरिना में खेलते हुए विश्व कप में जगह बनाई। 2017 में, उन्होंने पैराग्वे को हराया और रूस में विश्व कप में अपनी जगह पक्की की, जो 2018 में आयोजित किया गया था। फिर, 2021 में, उन्होंने कोलंबिया को हराया और 2022 में कतर में होने वाले विश्व कप में जगह बनाई। इस बीच, इक्वाडोर ने पेरू के साथ गोल रहित ड्रॉ के बाद इस सदी के अपने पांचवें विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। वास्तविक रूप से, पेरू को जीत की आवश्यकता थी। लीमा में पूरे समय जोरदार प्रदर्शन के बावजूद, ऑस्कर इबानेज़ की टीम पिएरो हिनकापी और विलियन पाचो द्वारा मजबूत की गई बैकलाइन को नहीं तोड़ पाई - तब भी नहीं जब इक्वाडोर के एलन फ्रेंको को 75वें मिनट में मैदान से बाहर कर दिया गया। सेबेस्टियन बेकासे और उनके खिलाड़ियों ने अंतिम सीटी बजने पर जमकर विश्व कप क्वालीफिकेशन का जश्न मनाया। दूसरी तरफ, उरुग्वे लगभग जीत की ओर बढ़ रहा है, जियोर्जियन डी अर्रास्काटा के शानदार गोल की मदद से वे छह अंक लेकर स्वतः क्वालीफिकेशन स्थान पर पहुंच गए हैं, और लुइस डियाज के शानदार गोल ने अर्जेंटीना में ड्रॉ हासिल किया जिससे कोलंबिया की स्थिति और भी खराब हो गई।

ब्राजील की जीत से एंसेलोटी की बढ़ियां शानदार

- विनी जूनियर ने निर्णायक गोल किया, ब्राजील ने पैराग्वे को 1-0 से हराया
- एंसेलोटी को ब्राजील की कोचिंग में मिली पहली जीत
- ब्राजील ने 2026 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया
- ब्राजील ने नियो क्विमिका एरिना में तीसरी बार विश्व कप टिकट पक्का किया (2017, 2021, 2025)
- पैराग्वे की नौ क्वालीफायर मैचों की अपराजित लय टूटी
- मैच से पहले दर्शकों ने "बधाई हो, कार्लेटो" मोजेक के साथ एंसेलोटी को जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं

50,000 डॉलर के बोनस की पेशकश पर एआईएफएफ पर भड़के बाईचुंग भूटिया

नई दिल्ली (आईएएनएस)

एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर में हांगकांग से भारत की 0-1 की हार के बाद, भारत के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कड़ी आलोचना की, जिसमें कथित तौर पर खिलाड़ियों को मैच जीतने पर 50,000 अमेरिकी डॉलर का बोनस देने की पेशकश की गई थी। अपने शुरुआती मैच में बांग्लादेश के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ के बाद, भारत को प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए जीत की सख्त जरूरत थी। हालांकि, स्टॉपेज-टाइम पेनल्टी ने उनकी उम्मीदों को धराशायी कर दिया, जिससे एक और निराशाजनक परिणाम सामने आया। 'आईएएनएस' के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, भूटिया ने एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे से "भारतीय फुटबॉल को बचाने के लिए" पद छोड़ने का आह्वान किया और इस तरह के तदर्थ वित्तीय प्रोत्साहनों के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया। भूटिया ने कहा, "हमने ऐसी रिपोर्ट देखी हैं कि खिलाड़ियों को 2,500 रुपये का दैनिक भत्ता भी नहीं मिला है। भारतीय फुटबॉल खिलाड़ियों के पास क्रिकेटरों की तरह केंद्रीय अनुबंध नहीं हैं।

न्यूजीलैंड-ए टीम का ऐलान, इंग्लैंड दौरे पर दमदार प्रदर्शन की उम्मीद

क्राइस्टचर्च (आईएएनएस)

न्यूजीलैंड-ए और इंग्लैंड-ए के बीच 23 जून से वनडे सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर और विकेटकीपर-बल्लेबाज इजी गेज को इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल दौरे के लिए 15 सदस्यीय न्यूजीलैंड ए टीम में शामिल किया गया है। इंग्लैंड-ए की इस टीम में न्यूजीलैंड के लिए खेल चुके 11 खिलाड़ी शामिल हैं, जो इस महीने के अंत में इंग्लैंड के छह मैचों के दौरे पर जाएंगी। इस दौरे में तीन लिस्ट ए वन-डे और उसके बाद तीन टी20 मैच शामिल हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा, "टीम शनिवार को रवाना होगी और 23 जून को डर्बी में अपना पहला वन-डे मैच खेलेगी। असिस्टेंट कोच ब्रेंडन डोनकर्स इंग्लैंड में टीम के एकजुट होने के बाद कप्तान के नाम की घोषणा करेंगे। प्लिमर और विकेटकीपर-बल्लेबाज गेज जेस वॉटकिन इस बैटिंग यूनिट की अहम खिलाड़ी हैं। इनके अलावा हाल ही में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाली बेला जेम्स और पोली इंग्लिस, एम्मा मैकलियोड और इजी शार्प भी टीम में मौजूद हैं।

चिली बाहर, कोच ने नाकामी की जिम्मेदारी लेते हुए छोड़ा पद

एल ऑल्टो (आईएएनएस)

बोलीविया के हाथों मंगलवार को 0-2 से मिली शिकस्त के बाद चिली के हेड कोच रिकार्डो गारेका ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस हार के साथ चिली की फीफा विश्व कप-2026 के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदें खत्म हो गई हैं। एल ऑल्टो के म्युनिसिपल स्टेडियम में मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गारेका ने कहा, "हमने कोचिंग स्टाफ के साथ एक फैसला लिया और खिलाड़ियों को बताया कि हम ऐसे हालात को कम करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, "हमने नतीजे नहीं दिए। चिली ऐसी स्थिति में है, जो कोई नहीं चाहता था। खेल के नजरिए से मेरे पास जितना भी अनुभव और करियर है, उसके साथ यह एक बड़ा झटका है। मुझे अपने पैरों पर वापस खड़ा होना होगा, ठीक वैसे ही जैसे चिली को भविष्य में अपने पैरों पर वापस खड़ा होना होगा। एल ऑल्टो में बोलिविया की ओर से पांचवें मिनट मिगुएल टेरसेरोस ने मुकाबले का पहला गोल दागा।

बाबर, रिजवान, शाहीन को नजरअंदाज किया गया: रिपोर्ट

मुंबई (आईएएनएस)

राष्ट्रीय सीनियर पुरुष चयन समिति ने पूर्व कप्तानों बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की अनदेखी जारी रखी है और उन्हें बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के आगामी दौरे के लिए टी20 टीम से बाहर कर दिया है। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने व्हाइट-बॉल हेड कोच माइक हेसन और कप्तान सलमान आगा के परामर्श से सीनियर खिलाड़ियों को शामिल नहीं करने का फैसला किया। यह निर्णय व्हाइट-बॉल दौरों और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में उनके हालिया प्रदर्शन पर आधारित लगता है। रिजवान की अगुआई में पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका में 2-0 से टी20 सीरीज में हार का सामना किया, जिसमें बाबर ने भी हिस्सा लिया था। उसके बाद, दोनों को न्यूजीलैंड दौरे और बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज से बाहर कर दिया गया।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे में बेल्जियम को 2-1 से हराया

एंटवर्प (आईएएनएस)

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे में बेल्जियम पर जीत का सिलसिला जारी रखते हुए जीत दर्ज की। भारत ने बेल्जियम के एंटवर्प में हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिजके प्लीन में बेल्जियम की टीम को 2-1 के कड़े स्कोर से हराया। लालथंतलुंगी (35') और गीता यादव (50') ने भारत के लिए गोल किए। पहला हाफ गोल रहित रहा क्योंकि दोनों टीमें कड़े मुकाबले में गतिरोध को तोड़ने में कामयाब नहीं हो सकीं। 35वें मिनट में, भारत ने आखिरकार पहला गोल किया, जब लालथंतलुंगी ने एक भाग्यशाली पेनल्टी स्ट्रोक को सफलतापूर्वक गोल में बदला। आखिरी क्वार्टर में, वैन हेलेमोंट (48') ने बेल्जियम के लिए फील्ड गोल के जरिए बराबरी का गोल किया। इसके बाद भारत ने मैच के अंतिम 10 मिनट में बेल्जियम के हमलों को रोकने के लिए अच्छा बचाव किया और सुनिश्चित किया कि वे बेल्जियम पर एक और जीत का आनंद लें।

सौरव गांगुली ने दिया अय्यर का साथ, चयन पर उठाए सवाल

नई दिल्ली । एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए श्रेयस अय्यर को बाहर करने के पक्ष में नहीं थे। श्रेयस पिछले एक साल से शानदार फॉर्म में हैं और वह इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक ले गए और टीम के लिए शीर्ष स्कोरर बनकर उभरे हैं। गांगुली का मानना है कि श्रेयस को उनके मौजूदा फॉर्म के आधार पर चुना जाना चाहिए था। गांगुली ने रेवस्पोर्ट्ज से कहा, 'पिछले एक साल में वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेल रहा है और उसे इस टीम में होना चाहिए था। पिछला एक साल उसके लिए शानदार रहा है। वह ऐसा खिलाड़ी नहीं है जिसे बाहर रखा जाए। वह अब दबाव में रन बना रहा है, जिम्मेदारी ले रहा है और शॉर्ट बॉल को अच्छी तरह खेल रहा है। हालांकि टेस्ट क्रिकेट अलग है, लेकिन मैं उसे इस सीरीज में शामिल करता, ताकि देख सकूं कि वह क्या कर सकता है। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज की शुरूआत 20 जून से हेडिंग्ले में पहले मैच से शुरू होगी। पांच मैचों की सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2025-27 चक्र की शुरुआत होगी।

पूंजीगत व्यय बढ़ने से बीते एक दशक में देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर का हुआ तेज विकास : वित्त मंत्री

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर का बीते एक दशक में तेज विकास हुआ है। इसकी वजह पूंजीगत खर्च करीब 6 गुना बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 11.21 लाख करोड़ रुपए होना है, जो कि वित्त वर्ष 2014-15 में 2 लाख करोड़ रुपए था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को यह बयान दिया। वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार ने इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 11.21 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जो कि इन्फ्रास्ट्रक्चर पर पूंजीगत व्यय का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर में तेज से प्रगति हुई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, "सड़क परिवहन के लिए बजट आवंटन 860 प्रतिशत से अधिक बढ़ाकर 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक कर दिया गया है। मेट्रो रेल नेटवर्क के लिए बजट आवंटन में चार गुना वृद्धि की गई है, जिससे यह 2014 में मात्र 248 किलोमीटर था, 2025 में 1,011 किलोमीटर हो जाएगा। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि अटल सुरंग से लेकर चिनाब ब्रिज तक भारत की इंजीनियरिंग की उपलब्धियां देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर लैंडस्केप को बदल रही हैं। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, "ये इंजीनियरिंग मार्वल आधुनिक, जुड़े हुए और समृद्ध भारत के लिए पीएम मोदी के विजन को दर्शाते हैं। सरकार वित्त वर्ष 25 के लिए अपने संशोधित पूंजीगत व्यय लक्ष्य 10.18 लाख करोड़ रुपए को मामूली अंतर से पार कर सकती है। केंद्रीय बजट में पूंजीगत व्यय लक्ष्य को 11.1 लाख करोड़ रुपए से घटाकर 10.18 लाख करोड़ रुपए (संशोधित अनुमान) कर दिया गया था।

चालू वित्त वर्ष के लिए सरकार द्वारा 11.21 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय आवंटन निर्धारित किया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार, 2025-26 के बजट में सरकार के पूंजीगत व्यय में वृद्धि और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते उपभोग स्तरों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। 2025-26 के बजट में प्रभावी पूंजीगत व्यय सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 प्रतिशत है, जबकि राजकोषीय घाटा 4.4 प्रतिशत है।

रेलवे पुल की संरचना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई : अदाणी सीमेंट

अहमदाबाद (आईएएनएस)

अदाणी सीमेंट ने बुधवार को कहा कि जम्मू और कश्मीर में चेनाब नदी पर दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज को बनाने में उसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अदाणी सीमेंट, जिसमें अंबुजा सीमेंट और एसीसी शामिल हैं, ने बताया कि कंपनी चिनाब रेलवे पुल की संरचना बनाने के लिए जरूरी सीमेंट की लीड सप्लायर थी और इस प्रोजेक्ट के लिए 65,000 मीट्रिक टन सीमेंट की आपूर्ति की है। कंपनी ने बताया कि आपूर्ति किया गया ऑर्डिनरी साधारण पोर्टलैंड सीमेंट (ओपीसी) 43 ग्रेड था, जो अपनी उच्च शक्ति, स्थायित्व और निरंतर गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। यह सीमेंट पुल को जलवायु और भूवैज्ञानिक स्थितियों के संपर्क में आने वाले जटिल और बड़े पैमाने के इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए आदर्श बनाता है। अदाणी समूह में सीमेंट बिजनेस के सीईओ विनोद बहेटी ने कहा, "हमारे लिए यह बेहद गर्व की बात है कि हम एक ऐसी परियोजना का हिस्सा हैं जिसने न केवल इंजीनियरिंग की सीमाओं को फिर से परिभाषित किया है बल्कि राष्ट्रीय एकीकरण में भी योगदान देती है। अदाणी सीमेंट में हम मानते हैं कि सीमेंट का हर बैग देश की प्रगति का बोझ उठाता है।

मोदी सरकार के इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को हुआ फायदा : मनोज खंडेलवाल

अहमदाबाद (आईएएनएस)। मोदी सरकार द्वारा शुरू किए गए इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम से किसानों को काफी फायदा हो रहा है और सीधे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पैसा जा रहा है। ग्रेन स्पैन न्यूट्रिएंट्स के सीईओ मनोज खंडेलवाल ने यह बयान दिया। खंडेलवाल ने कहा कि मोदी सरकार की इंडस्ट्री-फ्रेंडली नीतियों के कारण बीते 12 वर्षों में हमने गुजरात में अपने फुटप्रिंट में वृद्धि की हैं। उन्होंने आगे मोदी सरकार की इंडस्ट्रियल नीतियों की तारीफ करते हुए कहा कि हम फूड और एनर्जी बिजनेस में हैं। एनर्जी बिजनेस की शुरुआत हमने उस समय की, जब 2021 में मोदी सरकार ने इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम की शुरुआत की थी। खंडेलवाल ने आगे बताया कि हमें लगा कि इस कारोबार में अच्छे अवसर हैं। इस कारण हमने इथेनॉल प्रोडक्शन के लिए पहला प्लांट 2023 में शुरू किया और दूसरा 2025 में शुरू किया है। खंडेलवाल के मुताबिक, हमारे दोनों प्लांट की कैपेसिटी 350 किलो लीटर प्रति दिन है।

हल्की बढ़त के साथ सेंसेक्स बंद, मिडकैप-स्मॉलकैप में दबाव

मुंबई (आईएएनएस)

भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में हरे निशान में बंद हुआ। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 123.42 अंक या 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 82,515.14 और निफ्टी 37.15 अंक या 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,141.40 पर था। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में बिकवाली देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 293.25 अंक या 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 59,388.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 101.05 अंक या 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,798.75 पर था। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, "मूल्यांकन में वृद्धि के कारण व्यापक बाजारों में मुनाफावसूली जारी है। हालांकि, संस्थागत निवेशकों द्वारा स्थिर आय आउटलुक वाली कंपनियों को तरजीह दिए जाने के कारण लार्ज-कैप स्टॉक्स बाजार को सहारा दे रहे हैं। सेक्टोरल आधार पर आईटी, ऑटो, फार्मा, रियल्टी और एनर्जी सबसे ज्यादा बढ़ने वाले इंडेक्स थे। पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, मेटल और मीडिया इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए।

सैमसंग का ट्रिपल फोल्डिंग फोन जल्द होगा लॉन्च, फोन बन जाएगा टैबलेट

नई दिल्ली । एजेंसी

सैमसंग जल्द अपना तीन बार मुड़ने वाला फोल्डिंग फोन लेकर आने वाला है। इस फोन को ट्राई फोल्ड कहा जाता है। इस तरह का फोन पहले हुआवेई ने मेट एक्सटी अल्टीमेट के नाम से पेश किया था। अब सैमसंग इस कड़ी में अगला नाम होगा। सैमसंग अपने इस फोन में ड्युअल हिंज डिजाइन देगा जिसकी मदद से ये फोन दो बार फोल्ड हो सकेगा। दो बार फोल्ड होकर खुलने के बाद ये फोन से सीधे टैबलेट के साइज में बदल जाएगा। जल्द आने वाले इस खास फोन के बारे में डिटेल में जानते हैं। सैमसंग के ट्राई फोल्ड फोन के बारे में ज्यादा जानने से पहले जान लेते हैं कि ये फोन लॉन्च कब होगा। इस बारे में सैमसंग की ओर से कोई ऑफिशियल घोषणा नहीं की गई है लेकिन टिप्स्टर योगेश बरार ने एक्स पर बताया है कि ये फोन 2025 की तीसरी तिमाही में लॉन्च हो सकता है। इस लिहाज से इस पोन के सितंबर के आखिरी तक लॉन्च होने की उम्मीद की जा सकती है।

2.5 लाख की कीमत वाला प्रीमियम फोन जल्द हो सकता है लॉन्च : टिप्स्टर के अनुसार इस फोन की कीमत करीब 2.5 से 3 लाख रुपये तक हो सकती है। वहीं उन्होंने ये भी बताया है कि इस फोन का प्रोडक्शन बहुत ही सीमित संख्या में होगा और इसे पहले साउथ कोरिया के बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं खबरें ऐसी भी हैं कि इसके लॉन्च के समय ये भारत में भी साथ में लॉन्च किया जाएगा। इस कीमत पर आने वाले इस फोन को जाहिर तौर पर आम पब्लिक के लिए नहीं बल्कि टेक लवर्स के लिए बनाया जाएगा। कीमत के मामले में ये फोन सैमसंग या ऐपल के प्रीमियम फोन्स के दाम से भी ऊपर है।